



झारखण्ड विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो की अध्यक्षता में आयोजित सर्वदलीय बैठक में उपस्थित मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

संक्षिप्त समाचार

कैमरून से सकुशल लौटे

झारखंड के पांच मजदूर

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड के पांच मजदूर अफ्रीकी देश कैमरून से सकुशल अपने घर लौट आए हैं। गुरुवार सुबह वे मुंबई-हावड़ा मेल से पारसनाथ स्टेशन पहुंचे जिसके बाद अपने-अपने घरों के लिए रवाना हुए। परिजनों ने भावुक होकर उनका स्वागत किया। ये मजदूर गिरिडीह और हजारीबाग जिलों के निवासी हैं। वे रोजगार की तलाश में कैमरून गए थे लेकिन वहां की कंपनी ने उन्हें चार महीने तक वेतन नहीं दिया। इससे उन्हें भोजन और अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ा।

फायरिंग मामले में आरोपित गिरफ्तार

रामगढ़ (नबिटा ब्यूरो)। जिले के धुर्कुंडा रेलवे साईडिंग में हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पिस्टल भी बरामद की गई है। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। एसडीपीओ गौरव गोस्वामी ने बताया कि रामगढ़ एसपी अजय कुमार को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार पतरातू (भदानीनगर) फायरिंग कांड और आर्म्स एक्ट का अप्राथमिकी अभियुक्त अजय कुमार यादव उर्फ छोटू लंगड़ा, जो कैलाश यादव का पुत्र है और पतरातू के ब्लॉक मोड़ का निवासी है।

युवक ने फांसी लगा की आत्महत्या

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के तिलैया थाना अंतर्गत वार्ड संख्या 11 में बुधवार रात 23 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान उमेश जोशी के पुत्र मानव जोशी के रूप में हुई है। मृतक के पिता उमेश जोशी ने बताया कि वे झुमरीतिलैया के वार्ड संख्या 11 में आईसीआईसीआई बैंक के पीछे किए गए के मकान में रहते हैं। घटना के समय उनके मकान के ऊपरी तल पर रहने वाले मुकेश जोशी की दिवंगत मां मनी देवी का श्राद्ध कार्यक्रम चल रहा था जिसमें पूरा परिवार व्यस्त था। घटना की सूचना मिलते ही तिलैया पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को छानबीन में जुट गई है।

चार दिनों से लापता युवक का मिला शव

जमशेदपुर (नबिटा ब्यूरो)। जिले के शंकोसाई में चार दिनों से लापता युवक का शव गुरुवार को स्वर्णरेखा नदी से बरामद किया गया। श्यामनगर छठ घाट के पास पानी में उपलता शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए मृतक के तीन दोस्तों पर आरोप लगाया है, जिन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। मृतक की पहचान ओलीडीह थाना क्षेत्र के श्यामनगर निवासी 24 वर्षीय प्रदीप साहू के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार प्रदीप नशे का आदि भी था। दो साल पहले एक नाबालिग लड़की को लेकर भागने के आरोप में जेल भी गया था।

ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो मेदिनीनगर। पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री में शामिल तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 29.24 ग्राम ब्राउन शुगर की 69 पुड़िया और बिक्री के 4400 रुपए बरामद किए हैं। बरामद ब्राउन शुगर का अनुमानित बाजार मूल्य करीब 35 हजार रुपए बताया गया है। एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि सेमराटाड़ उल्कमित मध्य विद्यालय के पास कुछ युवक ब्राउन शुगर का सौदा कर रहे हैं। इस सूचना पर प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक राजीव रंजन और पुलिस निरीक्षक सदर अजील देवव्रत पोहार के नेतृत्व में एक विशेष छापामार दल का गठन किया गया। बुधवार शाम छापामारी टीम विद्यालय के पास खाली मैदान पहुंची। पुलिस को देखकर तीनों

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र को लेकर सर्वदलीय बैठक आयोजित

सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से संचालित करने में करें सहयोग : अध्यक्ष

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 दिसंबर से शुरू हो रहा है। पांच दिनों के इस सत्र को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए विधानसभाध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो के कार्यालय कक्ष में सर्वदलीय बैठक हुई। इस बैठक में सदन के नेता और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, लोजपा विधायक जनार्दन पासवान और राजद विधायक सुरेश पासवान मौजूद थे। बैठक की अध्यक्षता कर रहे स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने सत्ता पक्ष और विपक्ष से सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से संचालित करने में सहयोग करने की अपील की, साथ ही सदन के समय का अधिकाधिक सदुपयोग करने का आग्रह किया जिससे



जनहित से जुड़े मुद्दे अधिक से अधिक उठ सके। स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने शीतकालीन सत्र को लेकर तय औपबंधिक कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि सोमवार 8 दिसंबर को प्रश्नकाल के अलावे चालू वित्तीय वर्ष का द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी सदन के पटल पर लाया जाएगा। मंगलवार 9 दिसंबर को प्रश्न काल के अलावे द्वितीय अनुपूरक पर सदन में चर्चा होगी। बैठक

में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने द्वितीय अनुपूरक पर चर्चा के दौरान आवश्यकता पड़ने पर समय बढ़ाने का आग्रह किया, जिस पर सहमति जताई गई। वाद-विवाद के बाद सदन में द्वितीय अनुपूरक को पारित किया जायेगा। 9 दिसंबर को ही सदन में विनियोग विधेयक लाया जाएगा। स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने जानकारी देते हुए कहा कि 10 दिसंबर यानी बुधवार को सदन में प्रश्न

झारखंड में हो सकता है नक्सली हमला, अलर्ट जारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। भाकपा माओवादियों के नक्सलियों का पीएलजीए सप्ताह दो दिसंबर की रात्रि से शुरू हो गया है। इसे नक्सली आगामी आठ दिसंबर तक मनायेंगे। इस दौरान सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर पुलिस मुख्यालय आइजी अभियान और स्मेलर ब्रांच ने रिपोर्ट तैयार की है। इसके अनुसार इस दौरान नक्सलियों के द्वारा निर्माणधीन, नवनिर्मित पोस्ट, पिकेट और कैंप को निशाना बनाया जा सकता है। नक्सली अपने प्रभाव वाले क्षेत्र में विध्वंसक कार्रवाई कर सकते हैं। इसके साथ ही वह नया प्रभाव क्षेत्र बना सकते हैं। पीएलजीए सप्ताह पर नक्सली नये कैडरों की भर्ती, सुरक्षा बलों पर विध्वंसक कार्रवाई करने के अलावा अपने कैडर को प्रशिक्षित कर सकते हैं। नक्सली अपने प्रभाव क्षेत्र में बैठक और सभा भी कर सकते हैं। इस दौरान नक्सलियों की स्नाइपर टीम या छोटे मारक दस्ता द्वारा भीड़-भाड़ वाले इलाके में हमला किया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार नक्सली इस

दौरान रेलवे, रेल ट्रैक, पुलिस के गश्ती वाहन, सुरक्षाबलों के कैंप, अंचल या प्रखंड कार्यालय के अलावा माइनिंग, कोल डंप आदि स्थानों पर हमला कर नुकसान पहुंचा सकते हैं। नक्सली पहले छोटी-मोटी घटनाओं को अंजाम देकर पुलिस को ट्रेप करने के उद्देश्य से वहां बुलाते हैं और फिर उन पर हमला कर देते हैं। इससे बचाव के लिए भी निर्देश दिये गये हैं। आइजी अभियान की ओर नक्सल प्रभावित जिलों के एसपी को विशेष रूप से निर्देश दिया है कि उक्त अवधि के दौरान पुलिस को हाई अलर्ट पर रखा जाये। नक्सलियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के दौरान लूज मूवमेंट नहीं हो। सड़क पर वाहनों के परिचालन के दौरान सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था रहे। नक्सलियों और इनके समर्थक की गतिविधियों के बारे में जानकारी लेकर कार्रवाई की जाये। इसके अलावा संवेदनशील स्थान, हाट, बाजार और भीड़-भाड़ वाले इलाके में विशेष रूप से सतर्कता और निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है।

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। जिले के केंदुआडीह थाना क्षेत्र स्थित चिल्ड्रन पार्क के निकट अग्नि व भू-धसान प्रभावित राजपूत बस्ती में जहरीले कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का दो दिनों से रिसाव जारी है। इसी बीच क्षेत्र में रह रही दो महिलाओं की मौत हो गई। आशंका है कि जहरीले गैस की वजह से उनकी जान गई है। बुधवार देर शाम ग्रियंका देवी की मौत हुई थी। वहीं गुरुवार को ललिता देवी ने भी दम तोड़ दिया। वहीं क्षेत्र में एक दर्जन बच्चे-महिलाएं बीमार हैं। लगातार हो रही इन मौतों ने स्थानीय लोगों के गुस्से को उबाल पर ला दिया है। हालांकि दोनों महिलाओं की मौत किस कारण से हुई है, यह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। बंद पड़ी भूमिगत केंदुआडीह कोलियरी के 13 और 14 नंबर सिम से पिछले दो दिनों से गैस रिसाव हो रहा है। गैस का असर केंदुआडीह के राजपूत बस्ती, मस्जिद मोहल्ला, ऑफिसर कॉलोनी सहित करीब 10 हजार की आबादी वाले इलाके में देखा जा रहा है। लगातार फैल रही दुर्गंध और गैस रिसाव ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। जहरीली गैस का खतरा

कि बिजनेस कंपटीशन और आपसी मनमुटाव के कारण ओमप्रकाश दंपति को पसंद नहीं करण था। घटना की रात आरोपी ओमप्रकाश और उसका साथी रामचन्द्र शराब के नशे में थे। नशे की हालत में दोनों ने मिलकर दंपति पर हमला किया और उनकी हत्या कर दी। दोनों आरोपी जोशी कॉलोनी के ही निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से खून लगा चाकू, खून से सने ईंट, घटना के समय आरोपियों द्वारा पहने गए खून लगे कपड़े और मृतक दंपति का टूटा की-पैड मोबाइल फोन बरामद किया है। घटना के उद्भेदन के लिए एसपी के निर्देश पर सिटी डीएसपी अलोक रंजन के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया था।



व्यापारिक प्रतिस्पर्धा और आपसी मनमुटाव सामने आई। एसपी ने बताया कि बुजुर्ग दंपति चाय-पकौड़ी की दुकान चलाते थे। ठीक सामने ओमप्रकाश भी चाय-नाश्ते की दुकान लगाता था। दोनों

दुकानदारों के बीच ग्राहकों को लेकर विवाद होता रहता था और कभी-कभी कहासुनी भी हो जाती थी, जिससे ओमप्रकाश दंपति से रंजिश रखता था। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। हरला थाना क्षेत्र में हुई बुजुर्ग दंपति हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने दो हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों ने जोशी कॉलोनी गेट नंबर-03 में एक दिसंबर को बुजुर्ग दंपति महावीर साव (70) और कौशल्या देवी (65) की ईंट से वार करने के साथ चाकू मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल ओमप्रकाश कुमार उर्फ ललुआ और उसके सहयोगी रामचन्द्र कुमार उर्फ बिड़ो को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी हरविंदर सिंह ने गुरुवार को बताया कि आरोपियों से पूछताछ में हत्या के पीछे की वजह

हेमंत की याचिका पर इडी से जवाब तलब

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में इडी के समन की अवहेलना मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट के संज्ञान आदेश को चुनौती देने वाली सीएम हेमंत सोरेन की याचिका पर गुरुवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने इडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले में अगली सुनवाई 18 दिसंबर को होगी। अदालत ने एमपी-एमएलए कोर्ट को 12 दिसंबर को प्रस्तावित सुनवाई स्थगित रखने का निर्देश दिया है। हेमंत सोरेन की ओर से एमपी-एमएलए कोर्ट के संज्ञान को गलत बताते हुए उसे निरस्त करने की मांग को लेकर हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। इडी ने समन का पालन नहीं करने पर हेमंत सोरेन के खिलाफ अदालत में शिकायतवाद दर्ज कराया था। इस संबंध



में रांची के एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई हो रही है। इडी की ओर से दर्ज शिकायतवाद में कहा गया है कि जमीन घोटाला मामले में हेमंत सोरेन को 10 समन भेजे गए थे, जिनमें से वे केवल दो समन पर ही इडी के समक्ष उपस्थित हुए। इडी का कहना है कि यह समन की अवहेलना की श्रेणी में आता है। इसलिए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की

जाए। इधर, झारखंड हाई कोर्ट ने हजारीबाग में वन भूमि की कथित अवैध खरीद-बिक्री मामले के आरोपित आटोमोबाइल कारोबारी विनय सिंह को जमानत नहीं मिली है। जस्टिस एसके द्विवेदी की अदालत ने गुरुवार को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दिया। यह मामला उस अवधि से जुड़ा है, जब आइएसएम विनय चौबे हजारीबाग के उपायुक्त थे। विनय सिंह और उनकी पत्नी सिम्रधा सिंह को इस मामले में एसीबी ने नामजद आरोपित बनाया है। एसीबी के अनुसार जिस भूमि को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है, वह इस दंपति के नाम पर दर्ज है और उस पर उनका कब्जा भी है। सदर अंचल के बभनवे मौजा में उक्त जमीन है। वर्तमान में इसी भूमि पर विनय सिंह द्वारा संचालित नेक्सजेन का शोरूम चल रहा है।

चियांकी हवाई अड्डा से उड़ान को लेकर उत्तर नहीं दे रही राज्य सरकार : सांसद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। झारखंड सरकार पलामू के चियांकी हवाई अड्डा से उड़ान को लेकर अनुस्मार भेजे जाने के बावजूद भी केंद्र सरकार को जवाब नहीं दे रही है। पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम ने गुरुवार को लोकसभा में पलामू में डालटनगंज के चियांकि हवाई अड्डा से उड़ान को लेकर स्थिति पर प्रश्न पूछा था। केंद्रीय नगरिक उड्डयन मंत्री किजारपु राममोहन नायडु ने लिखित जवाब पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम को दिया है। केंद्रीय मंत्री द्वारा दिए जवाब में बताया गया है कि डालटनगंज के चियांकी हवाई अड्डा झारखंड सरकार के स्वामित्व में है और यह उड़ान योजना 4.2 के तहत क्षेत्रीय परिचालन के लिए चिन्हित किया गया है। केंद्र सरकार के द्वारा कई बार झारखंड सरकार से अनुरोध किया गया है कि चियांकि हवाई अड्डा के विकास के कार्य के लिए भूमि विवाद को मुक्त करवाने, सुरक्षा, फायर सर्विस एवं मौसम सेवाएं एवं एयरपोर्ट संचालक प्रबंधन पर जिम्मेदारी पर स्पष्ट मंजूर्य दें। केंद्र सरकार द्वारा कई बार अनुरोध और अनुस्मारक भेजने के बाद भी झारखंड



सरकार से कोई उत्तर नहीं मिला है। पूरे मामले में लोकसभा में बोलते हुए सांसद विष्णुदयाल राम ने कहा कि पलामू प्रमंडल के विकास एवं आसपास के क्षेत्रों में क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने, औद्योगिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विमान का परिचालन काफी महत्वपूर्ण है। इसकी चाहरदिवारी का निर्माण कार्य 15 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा और जमीन संबंधी विवाद को भी सुलझा लिया गया है। पलामू सांसद ने लोकसभा में आग्रह किया कि जल्द ही सारी औपचारिकताएं को पूरा करें ताकि पलामू से यात्री विमान का परिचालन शुरू हो सके।

गैस रिसाव से दो महिलाओं की मौत, विरोध प्रदर्शन

समाधान निकाला जाना चाहिए। क्योंकि दो मौतें हो चुकी हैं और कई लोग अस्पताल में भर्ती हैं। स्थानीय लोगों में दहशत इतनी है कि कई परिवार घर छोड़कर सुरक्षित स्थान पर शरण ले रहे हैं। बीसीसीएल की टीम लगातार माइक से घोषणा कर लोगों को यहां से स्थानांतरण की अपील कर रही है। इधर, प्रोजेक्ट ऑफिसर लखन लाल वर्णवाल ने बताया कि करीब 15 वर्षों से बंद पड़ी कोलियरी में गैस जमा थी, जो जमीन क्रैक कर बाहर निकल रही है। लगभग 400 फीट दायरे में गैस का प्रभाव देखा गया है। माईकिंग कर सभों को घर खाली करने और सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील की जा रही है। बीसीसीएल ने दो जगहों पर टेंट लगाकर 15-20 परिवारों के लिए आपातकालीन आश्रय तैयार किया है। बीसीसीएल के पुटकी-बलिहाटी कोलियरी क्षेत्र के महाप्रबंधक जीसी साहा ने बताया कि गैस के चपेट में लोग न आए, इसके लिए दो टेंट बनाकर लोगों को शिफ्ट किया जा रहा है। उनका कहना है कि यह इलाका अग्नि प्रभावित है और वर्षों पहले इसे असुरक्षित घोषित किया गया था लेकिन लोग यहां से हटे नहीं। समस्या का स्थायी समाधान तभी संभव है जब पहले पूरे क्षेत्र को खाली कराया जाए।

अमन साहू गिरोह के लिए लेवी ट्रांसफर करने वाला गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। लातेहार पुलिस ने अमन साहू और राहुल सिंह गिरोह की आर्थिक आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने के अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। बालूमाथ थाना कांड संख्या 12/2025 के तहत पुलिस ने गिरोह के लिए लेवी का पैसा जमा करने और ट्रांसफर करने वाले एक सहयोगी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की अजाद नगर निवासी शाहीद अंसारी के रूप में हुई है। बालूमाथ इस्पेक्टर परमानंद बिरुआ ने इस गिरफ्तारी की जानकारी दी। इस्पेक्टर बिरुआ ने बताया

कि जांच के दौरान पुलिस को गिरोह के पैसों के लेन-देन और सदस्यों के बीच संपर्क के सबूत मिले। नवंबर 2024 से अब तक लगभग 50 लाख रुपए नकद और ऑनलाइन माध्यम से गिरोह के लिए जमा या ट्रांसफर किए गए थे। इस पूरे लेन-देन में शाहीद अंसारी की अहम भूमिका थी। उन्होंने यह भी बताया कि गिरफ्तार शाहीद अंसारी मधुपुर जेल में बंद आकाश राय उर्फ मोनू का साढ़ू है। वह कई वर्षों से गिरोह की आर्थिक गतिविधियों में शामिल रहा है। पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने उसके पास से एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी बरामद किया है।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।

2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उपसभादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।

3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चासा या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

97295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉर्पोरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

चैनपुर पुलिस ने ब्राउन शुगर की बिक्री करते तीन अपराधियों को सेमरटांड से किया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन की मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में चैनपुर थाना क्षेत्र के सेमरटांड में ब्राउन शुगर बेचते 3 अपराधियों को चैनपुर पुलिस ने पकड़ लिया। तीनों अपराधियों को पुलिस उपाधीक्षक राजीव रंजन ने गुरुवार को प्रेस के समक्ष प्रस्तुत किया।

पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि चैनपुर थाना क्षेत्र के सेमरटांड गांव में एक स्कूल के पास कुछ युवक ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री कर रहे हैं। इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस अधीक्षक ने उन्हें छापामारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि चैनपुर पुलिस निरीक्षक देवव्रत पोद्दार के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन कर सूचना के सत्यापन व आवश्यक कार्रवाई के लिए 3 दिसंबर को 4.25 बजे शाम को सेमरटांड उल्कमिठ मध्य विद्यालय के पास खाली मैदान के पास पहुंचे तो देखा कि तीन व्यक्ति पुलिस बल को देख कर वहां से भागने लगे। उन्हें अन्य पुलिस बल के सहयोग से दौड़ाकर पकड़ लिया गया। पकड़े गये तीनों

पुलिस उपाधीक्षक राजीव रंजन के नेतृत्व में की गई छापेमारी



व्यक्तियों से बारी-बारी से नाम व पता पूछा गया। पता चला कि सेमरटांड के रहने वाले तीनों 20 वर्षीय बादल कुमार, 20 वर्षीय हर्षित राज व 20 वर्षीय मनीष कुमार हैं। तीनों व्यक्तियों से भागने के बारे में पूछताछ करने पर

संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया। तीनों की तलाशी ली गई। इसमें ब्राउन शुगर जैसा 29.24 ग्राम व 44 सौ रुपए नगद बरामद किया गया। इसके उपरांत पकड़ये तीनों अभियुक्तों को अवैध मादक पदार्थ रखने व

■ छापेमारी में अपराधियों के पास से 29.24 ग्राम ब्राउन शुगर व 44 सौ रुपए बरामद

खरीद-बिक्री करने के आरोप में चैनपुर थाना काण्ड संख्या-234/ 2025, दिनांक 03 दिसंबर 2025, धारा-17b/ 21b/ 22b /29 एनडीपीएस एक्ट दर्ज किया गया। बताया कि कांड में अन्य अभियुक्तों के विरुद्ध अनुसंधान व छापेमारी जारी है। उन्होंने बताया कि अभियुक्त मनीष कुमार का अपराधिक इतिहास रहा है। इसके विरुद्ध शहर थाना कांड संख्या-57/2025, दिनांक 18.06.2025, धारा-191(2)/191(3)/190/324(2)/74/352/3(5) बीएनएस दर्ज है। पुलिस उपाधीक्षक राजीव रंजन ने बताया किछापामारी दल में चैनपुर थाना प्रभारी पुअनि श्रीराम शर्मा, पुअनि अनिल विद्याथी, पुअनि छत्रधारी कुमार, पुअनि बाबूलाल दुबे, सअनि बिनोद कुजूर व चैनपुर थाना रिजर्व गार्ड शामिल थे।

डाकबंगला परिसर में हो रहे निर्माण कार्य पर सीओ ने लगाई रोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। गांडेय प्रखंड के बगल स्थित डाक-बंगला परिसर में चल रहे निर्माणधीन कार्य को गांडेय सीओ मो हुसैन ने रोक दी। बता दें कि गुरुवार को गांडेय सीओ को सूचना मिली की डाक-बंगला के खाली जमीन में निर्माण कार्य चल रहा है जिसके बाद सीओ उक्त स्थान पर पहुंचे और निर्माणधीन कार्य पर रोक लगाई इस क्रम में सीओ को निर्माणधीन कार्य कर रहे लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा हालांकि सीओ के लिखित आदेश और पुलिस के समझाने के बाद निर्माण कार्य बंद किया गया बता दें कि आदेश में सीओ ने कहा कि मौजा मोहन डीह खाता संख्या 37 प्लॉट संख्या 418 भूमि पर वर्षों पूर्व सरकारी भवन बना हुआ है जिसपर सरकारी कर्मियों के द्वारा लोकहित का कार्य किया जाता है। शेष खाली जमीन पर कोई भी व्यक्ति निर्माण कार्य बिना सक्षम न्यायालय के आदेश से नहीं करें, अन्यथा विधि - सम्मत कार्रवाई की जाएगी सीओ ने यह आदेश दीवाल में भी चिपकाया इस विषय में निर्माणधीन कार्य कर रहे लोगों ने कहा कि यह जमीन हमलों का खतियानी जमीन है।

व्यवसायियों के यहां होने वाले जीएसटी सर्वे एक सामान्य प्रक्रिया : चेंबर अध्यक्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आनंद शंकर ने शहर के बड़े व्यवसाई प्रमोद अग्रवाल के यहां सेंट्रल एक्साइज द्वारा किए जा रहे सर्वे को एक सामान्य रूटीन सर्वे बताया है। उन्होंने कहा कि प्रमोद अग्रवाल राज्य के एक बड़े व्यवसाई हैं, जो करोड़ों में टैक्स देते हैं। विभाग द्वारा इस तरह का सर्वे सामान्य प्रक्रिया है।

शंकर ने कहा उन्हें खुशी है कि डालटनगंज शहर में भी राज्यस्तरीय ऐसे बड़े- बड़े व्यवसाई हैं जो सरकार को करोड़ों टैक्स देते हैं। ऐसे टैक्स देने वालों के यहां इस तरह का सर्वे विभाग करते रहती है। अगर किसी प्रकार की त्रुटि हो तो टैक्स लिया या दिया जा सके। आनंद शंकर ने यह भी कहा शहर में अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए कुछ लोगों द्वारा गलतफहमी फैलाया गया कि इंडी ने रोक किया है। यह बिल्कुल गलत अफवाह है। इस तरह के अफवाह फैलाने से बचना चाहिए। चेंबर अध्यक्ष आनंद शंकर ने कि प्रमोद अग्रवाल का परिवार शहर

■ ईडी का नाम लेकर शहर में अपनी टीआरपी बढ़ाने की गलतफहमी फैला रहे हैं कुछ लोग

ही नहीं राज्य का एक जाना माना आर्थिक रूप से मजबूत व सामाजिक कार्यों में बड़चढ़ कर हिस्सा लेने वाला परिवार है। हजारों लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार दे रहे हैं। साथ ही कई सामाजिक कार्यों में बड़ चढ़कर सहयोग करते हैं। यह उन सभी व्यवसायियों के लिए गौरव की बात है। चेंबर अध्यक्ष ने कहा कि शहर के व्यवसाई काफी शालीनता के साथ व्यवसाय करते हैं। साथ ही सरकार को करोड़ों रुपए टैक्स देते हैं। चेंबर परिवार हर व्यवसायियों का सम्मान करता है। चेंबर अध्यक्ष ने बताया सर्वे करने आई सेंट्रल जीएसटी टीम काफी को-ऑपरेटिव व शालीन है। किसी भी पारिवारिक सदस्य को तंग नहीं किया गया। वही प्रमोद अग्रवाल के परिवार व कर्मों सकारात्मक सहयोग कर रहे हैं।

पलामू कांग्रेस अधिवक्ता सेल के अध्यक्ष ललन पाण्डेय के निधन से एक सच्चा शुभचिंतक खो दिया : हृदयानंद मिश्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, झारखंड सरकार के हिन्दू धार्मिक न्याय बोर्ड के सदस्य सह एडवोकेट हृदयानंद मिश्र ने एडवोकेट ललन पांडेय के निधन पर शोक व्यक्त किया है। कहा कि ललन पाण्डेय सहज, सरल, सौम्य व उनके शुभचिंतक के साथ वरिष्ठ सिविल मामलों के जानकार व कांग्रेस विचारधारा के प्रति समर्पित व्यक्ति थे। कहा कि ललन पाण्डेय कुशग्र बुद्धि के विद्यार्थी रहे थे। पलामू जिला स्कूल में उनके सीनियर रहे थे। उन्होंने सिमडेगा में हाई स्कूल की सरकारी नौकरी छोड़कर अपनी मातृभूमि



पलामू में वकालत के माध्यम से सदैव गरीब व असहाय व्यक्ति को न्यायपूर्ण जीवन प्रदान किया। मिश्र ने कहा कि कांग्रेस व पलामू जिला अधिवक्ता

संघ में भी सभी उनकी सज्जनता व समाज के प्रति समर्पण के काबल थे। कहा कि 75 वर्षीयललन पाण्डेय मेदिनीनगर के निकटवर्ती जोड़ गांव के निवासी थे।

अनुमंडल पदाधिकारी ने हित एंड रन से संबंधित लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। अनुमंडल पदाधिकारी, खोरीमहुआ अनिमेष रंजन की अध्यक्षता में हित एंड रन से संबंधित लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में राजेन्द्र प्रसाद, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, खोरीमहुआ, सभी अंचल अधिकारी, सभी थाना प्रभारी एवं सभी ओ.पी. प्रभारी उपस्थित थे बैठक के दौरान अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सभी लंबित हित एंड रन मामलों की वर्तमान स्थिति, अनुसंधान प्रगति तथा आवश्यक प्रक्रियाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। प्रत्येक थाना से लंबित प्रकरणों का अद्यतन विवरण प्राप्त करते हुए त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

जिला प्रशासन की कार्रवाई : पंचमाधव में अतिक्रमण पर बुलडोजर, ग्रामीणों में अफरातफरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। जिला उपायुक्त हजारीबाग के निर्देश पर गुरुवार को बरही प्रखंड के पंचमाधव पंचायत भवन और आंगनवाड़ी केंद्र के आसपास किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए प्रशासन ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व बरही अंचल अधिकारी चंद्रशेखर कुणाल ने किया।

अभियान के दौरान बुलडोजर और पोंकलेन मशीन का उपयोग किया गया, जिससे आसपास के ग्रामीणों में कुछ देर के लिए दहशत और अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। करीब दो घंटे तक चलाए गए अभियान में पंचायत भवन के पास बने पुआल का मचान और गोबर रखने के लिए बनाया गया गड्ढा सहित अन्य अतिक्रमण को हटाया गया। इसके बाद पूरा परिसर साफ-सुथरा दिखाई देने लगा। अतिक्रमण हटाने के दौरान कई अतिक्रमणकारियों में हलचल मच गई। इस मौके पर सीओ चंद्रशेखर कुणाल ने चेतावनी देते हुए



कहा कि 'अगर दोबारा सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण किया गया तो संबंधित लोगों पर एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।' उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई जिला उपायुक्त के निर्देश के आलोक में की जा रही है और आगे भी सार्वजनिक संपत्ति पर अवैध कब्जा

करने वालों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। अभियान में अंचल अधिकारी चंद्रशेखर कुणाल, राजस्व कर्मचारी रीतलाल रजक, अमीन चेतन यादव, एसआई रूपलाल यादव, एसआई सोनाराम बिरुवा, ग्रामीण पुलिस गणेश यादव, थाना पुलिस बल और अन्य सुरक्षाकर्मों मौजूद थे।

बढ़ते अतिक्रमण को देखते हुए अनुमंडल पदाधिकारी ने की बैठक



नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। अनुमंडल क्षेत्र में अवैध खनन, खनिजों के अनाधिकृत परिवहन, बिना लाइसेंस अनुमति संचालित क्रेशर इकाइयों तथा बाजार क्षेत्रों में बढ़ते अतिक्रमण जैसी गंभीर समस्याओं को देखते हुए आज अनुमंडल पदाधिकारी, खोरीमहुआ अनिमेष रंजन की अध्यक्षता में संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, सभी थाना एवं ओ.पी. प्रभारी तथा मोटरयान निरीक्षक उपस्थित रहे बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि अवैध खनन एवं अनाधिकृत परिवहन से सरकारी राजस्व को भारी क्षति पहुंच रही है तथा धूल, ध्वनि एवं अन्य प्रदूषकों के कारण पर्यावरणीय सतुलन बिगड़ रहा है, जिससे जन-स्वास्थ्य एवं सार्वजनिक हित प्रभावित हो रहा है। उन्होंने अवैध खनन गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने, नियमित गश्ती तेज करने, बिना लाइसेंस संचालित क्रेशरों पर दंडात्मक कार्रवाई

सुनिश्चित करने और संबंधित विभागों के बीच समन्वय मजबूत करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध खनन एवं अवैध परिवहन किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी इसी क्रम में धनवार बाजार, घोड़थम्बा एवं जमुआ चौक में सड़क एवं फुटपाथ पर बढ़ते अतिक्रमण को गंभीर समस्या के रूप में चिह्नित किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि इन तीनों स्थानों से चिह्नित अतिक्रमण को एक सप्ताह के भीतर हटाना सुनिश्चित किया जाए तथा पुनः अतिक्रमण रोकने हेतु नियमित निरीक्षण एवं पुलिस-प्रशासन की संयुक्त गश्त संचालित की जाए। अनुमंडल पदाधिकारी ने चेतावनी देते हुए कहा कि जनहित, बाजार व्यवस्था एवं यातायात सुगमता में बाधा उत्पन्न करने वाले अतिक्रमण को किसी भी सूत्र में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कैमरून में फंसे झारखंड के 5 मजदूर सुरक्षित वापस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड सरकार एवं विदेश मंत्रालय के हस्तक्षेप के बाद कैमरून में फंसे झारखंड के 5 मजदूर सुरक्षित मुंबई हावड़ा मेल से गुरुवार को पारसनाथ स्टेशन पहुंचे और अपने अपने घर पहुंच गए। गांव लौटते ही मजदूरों का स्वागत किया गया। उनके परिजन, जो पिछले कई दिनों से चिंता में थे, अब राहत की सांस ली। वापस लौटे मजदूरों ने झारखंड एवं केंद्र सरकार के साथ-साथ सभी मीडिया और प्रवासी श्रमिकों के हित में कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकन्दर अली प्रति आभार जताया है। बताते चले की गिरिडीह और हजारीबाग जिले के 5 मजदूर काम करने के लिए अफ्रीका के कैमरून गए थे।

राजद व कांग्रेस को झामुमो छोड़ेगा तभी झारखंड का होगा कल्याण : प्रवीण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। बिहार चुनाव में राजद- कांग्रेस ने झामुमो को अपमानित किया है। झामुमो में जरा भी आत्मसम्मान है तो राजद व कांग्रेस से नाता तोड़ लेना चाहिए। पहले भी राजद-कांग्रेस का चरित्र झारखंड विरोधी रहा है। इसलिए झामुमो जितनी जल्दी राजद व कांग्रेस से पीछा छुड़ा लेगी उतना ही झारखंड का भला होगा।

उक्त बातें आजसू पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने कही। वे मेदिनीनगर सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झामुमो जब तक राजद व कांग्रेस के साथ रहेगा, तब तक राज्य का विकास मुश्किल है।



हेमंत सरकार में कोई रोडमैप नहीं दिखता। राज्य में वित्तीय संकट बढ़ता जा रहा है। विकास कार्य पूर्णतः ठप है। दो वर्ष से एसटी, एससी, ओबीसी छात्रों को पोस्टग्रैजुएट छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है। इसके लिए आजसू ने राजभवन का घेराव किया था। हेमंत सरकार युवाओं को न तो रोजगार दे रही है और न बेरोजगारी भत्ता। कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था भी पुनः

स्थिति भी ठीक नहीं। पूर्व डीजीपी पर गैमस्टर से संबंध का आरोप लगा है। रोज हत्याएं हो रही हैं। आजसू ऐसा एकमात्र दल है जो 26 वर्षों से लगातार एनडीए के साथ है। मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव चंद्रशेखर सिंह छोटू ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा अब एनडीए के साथ मिलकर झारखंड का विकास करे। उन्होंने कहा कि झारखंड का विकास

■ आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने परिसदन में पत्रकारों से की बातचीत

आजसू से वार्ता की। इसमें आजसू ने वनांचल की बजाय झारखंड नामकरण के लिए गृह मंत्री से आग्रह किया था। इसके उन्होंने स्वीकार कर लिया था। इसके बाद आजसू एनडीए में शामिल हो गई। आजसू ऐसा एकमात्र दल है जो 26 वर्षों से लगातार एनडीए के साथ है। मौके पर पार्टी के केंद्रीय सचिव चंद्रशेखर सिंह छोटू ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा अब एनडीए के साथ मिलकर झारखंड का विकास करे। उन्होंने कहा कि झारखंड का विकास

न्यायिक पदाधिकारी के बॉडीगार्ड से उसकी सरकारी पिस्टल लेकर फरार अभियुक्त पुलिस की तत्परता से गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र स्थित सिहोडीह आम बगान में बुधवार की देर शाम एक चौकाने वाली घटना घटी, जहां एक युवक ने न्यायिक पदाधिकारी के बॉडीगार्ड से उसकी सरकारी पिस्टल लेकर फरार हो गया जानकारी के अनुसार, ड्यूटी पर तैनात जवान पिछले कुछ दिनों से पंचवा थाना क्षेत्र के मोहनपुर निवासी उमर गुल उर्फ बिट्टू खान से चारपड़िया वाहन चलावती सोख रहा था बुधवार शाम भी जब दोनों वाहन प्रशिक्षण में जुटे थे, तभी बिट्टू ने किसी बहाने से जवान से उसकी पिस्टल निकालकर वाहन में रखने को कहा। जवान ने जैसे ही पिस्टल निकाली, बिट्टू ने उसे

वाहन में रख लिया और कार समेत मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही जवान ने तत्काल मुफ्फसिल थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंचे हुए पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तत्परता दिखाते हुए कुछ ही घंटों में आरोपी बिट्टू खान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से छीनी गई सरकारी पिस्टल भी बरामद कर ली मामले की पुष्टि करते हुए मुफ्फसिल थाना प्रभारी सह इस्पेक्टर श्याम किशोर महतो ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम बहात में आई। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है, साथ ही पिस्टल बरामद कर ली गई है।

खरीफ विपणन मौसम 2025-26 : उपायुक्त की अध्यक्षता में धान अधिप्राप्ति अनुश्रवण समिति की बैठक संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। खरीफ विपणन मौसम 2025-26 के तहत धान अधिप्राप्ति योजना को सफलतापूर्वक संचालित करने के उद्देश्य से आज समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त श्रीमती अरुणिता की अध्यक्षता में जिला स्तरीय धान अधिप्राप्ति अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री भीम उरांव द्वारा खूँटी जिले में 15 लैप्स केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, ताकि किसानों से सुचारु रूप से धान अधिप्राप्ति की जा सके। उपायुक्त ने निर्देशित किया कि प्रस्तावित 15 केंद्रों के अतिरिक्त लैप्स केंद्र अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में अतिरिक्त लैप्स केंद्र भी खोले जाएँ, जिससे किसी भी किसान को अधिप्राप्ति संबंधी समस्याओं का समाधान न



करना पड़े। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने बताया कि पूर्व वर्षों में किसानों को धान अधिप्राप्ति के बाद किरातों में भुगतान किया जाता था, किन्तु

इस वर्ष से पहली बार सरकार द्वारा एकमुश्त भुगतान करने का प्रावधान प्रस्तावित है। इसके श्रेष्ठ लागू होने से किसानों को सीधा लाभ

मिलेगा और भुगतान प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं सरल होगी। उपायुक्त ने समय पर सभी लैप्स केंद्रों के अधिप्राप्ति, किसानों के अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करने तथा सरकार के निर्देशानुसार धान अधिप्राप्ति कार्य को समयबद्ध ढंग से पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने पूर्व में हुई धान अधिप्राप्ति के भुगतान की स्थिति की भी समीक्षा की। इस पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने जानकारी दी कि पूर्व में किसानों से अधिप्राप्त धान का शत-प्रतिशत भुगतान किया जा चुका है।

इस बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, मंडल प्रबंधक भारतीय खाद्य निगम रांची, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र खूँटी समेत संबंधित विभागों के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरकट्टा। प्रखंड क्षेत्र के बरकट्टा बाजार रोड स्थित बुद्धिया माता मंदिर के समीप किसान एग्रो एजेंसी केंद्र का उद्घाटन प्रखंड विधायक अमित कुमार यादव ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में बोनफोर्स कंपनी के झारखंड सेल्स मैनेजर कुमार दास ने कृषि यंत्रों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

विधायक अमित यादव ने कहा कि बरकट्टा प्रखंड कृषि प्रधान क्षेत्र है, और किसान सेवा केंद्र खुलने से अब किसानों को उचित दाम पर बोनफोर्स कंपनी का मिनी ट्रैक्टर, पावर टिल्टर सहित अन्य कृषि उपकरण आसानी से मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को दूर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। वहीं केंद्र के संचालक आकाश गुप्ता और



मयंक ने बताया कि यहां पर किसानों को मिनी ट्रैक्टर और उनके पार्ट्स, पुर्जे व सव्यय उचित दरों पर उपलब्ध हैं। साथ ही किसानों की सुविधा के लिए फाइनेंस की भी व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में जेप सदस्य कुमकुम देवी, पूर्व मुखिया बसंत साव, दर्शन सोनी,

रीतलाल प्रसाद, अशोक गुप्ता, संजय गुप्ता, अमानुल्लाह खान, विभूवन प्रसाद, पूर्व मुखिया गोपाल प्रसाद, राजू कुमार, बबलू मंडल, चंदन गुप्ता, भीम मंडल, बिमलेश गुप्ता, कमलेश गुप्ता, महावीर यादव, काशीम मिश्रा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

एसजीएफआइ में झारखंड के नन्हे धावकों की बड़ी छलांग

देवघर में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड़ा के आगमन की तैयारी

रिले में कांस्य पदक जीतकर बढ़ाया राज्य का मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता रांची। झारखंड के नन्हे धावकों ने राष्ट्रीय पटल पर एक बार फिर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड के अधीन झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की अगुवाई में मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित द एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल में 1 से 4 दिसंबर 2025 तक आयोजित 69वीं राष्ट्रीय स्कूली एथलेटिक्स प्रतियोगिता में राज्य की अंडर-14 बालक रिले टीम ने 4×100 मीटर रिले दौड़ में कांस्य पदक जीतकर झारखंड का मान बढ़ाया। राज्य की यह विजेता टीम चार उभरते धावकों— प्रिंस कुमार, सुजल कुमार, राजी खान और आसिफ शेख से बनी थी। जिन्होंने अपने प्रदर्शन से दर्शाया कि कठिन मुकाबलों में भी संयम, तालमेल और गति बनाए रखना ही असली ताकत है।



फाइनल मुकाबले के दौरान इन नन्हें खिलाड़ियों ने बेहतरीन रफ्तार और मजबूत टीमवर्क दिखाते हुए तकरीबन हर चरण में मुकाबले की जीवंत बनाए रखा। रिले में हर एक्सचेंज प्वाइंट पर उनकी सिंक्रोनाइजेशन क्षमता निर्णायक साबित हुई और इसी सामूहिक प्रयास ने उन्हें इस राष्ट्रीय

उपलब्धि तक पहुंचाया। टीम की इस सफलता के पीछे प्रशिक्षकों का योगदान भी अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। टीम मैनेजर पवन कुमार राय के मार्गदर्शन, कोच रामानंद घोष की तकनीकी ट्रेनिंग और कोच लीला तिवी के अनुशासनात्मक प्रशिक्षण ने खिलाड़ियों को उत्कृष्ट

प्रदर्शन के लिए तैयार किया। चारों खिलाड़ियों ने प्रतिस्पर्धा के हर चरण में अपने कोच की सलाह को आत्मसात कर उसे ट्रैक पर सफलतापूर्वक लागू किया। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि राज्य के युवा

सफलता झारखंड की अद्भुत खेल क्षमता का प्रमाण है। शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह, परियोजना निदेशक शशि रंजन, प्रशासी पदाधिकारी सच्चिदानंद द्विवेदी तिग्गा, राज्य कार्यक्रम सहायकारी धीरसेन ए. सोरेंग सहित राज्य खेल कोषांग के सभी सदस्यों ने खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। उनका मानना है कि ये युवा भविष्य में राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी राज्य और देश का नाम रोशन करेंगे। झारखंड की इस उपलब्धि ने एक बार फिर साबित किया है कि अक्सर, मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत से राज्य का हर बच्चा पूछे से बड़ा मुकाम हासिल कर सकता है। एसजीएफआइ में मिला यह कांस्य पदक इन चारों धावकों की लगन और क्षमता का प्रतीक है, जिसने झारखंड को गर्व का एक और पल दिया है।

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो देवघर। आने वाले दो दिनों तक झारखंड का धार्मिक जिला कहा जाने वाला देवघर राजनीति का केंद्र बना रहेगा, क्योंकि पांच दिसंबर को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी काजी जाने वाली बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और देश के केंद्रीय मंत्री जेपी नड़ा देवघर में रहेंगे। 5 दिसंबर को जेपी नड़ा देवघर आएंगे और फिर रात्रि विश्राम के बाद 6 नवंबर को वह देवघर में बने बीजेपी के भव्य कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही साथ स्थाल क्षेत्र में पार्टी को मजबूत करने के लिए स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से रूबरू होंगे। **जेपी नड़ा के आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह** अपनी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आने को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी के साथ पार्टी के कई विरिष्ठ नेता जेपी नड़ा के आने की

तैयारी में जोर शोर से लगे हैं। जेपी नड़ा के आगमन को लेकर देवघर जिला के बीजेपी जिला अध्यक्ष सचिन रवानी ने बताया कि 5 दिसंबर को देर शाम देवघर पहुंचने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का एयरपोर्ट पर स्वागत किया जाएगा और फिर वो वहां से परिसदन में रात्रि विश्राम के लिए चले जाएंगे। **बाबाधाम में जेपी नड़ा करेंगे पूजा अर्चना** 6 दिसंबर को नड़ा सुबह बाबा बैजनाथ धाम में पूजा अर्चना करने के बाद स्थानीय तीर्थ पुरोहितों से मिलेंगे और फिर जलपान करने के लिए फिर से सक्रिय हाउस जायेंगे। जलपान करने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड़ा कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए देवघर में बने भव्य कार्यालय

का विधिवत उद्घाटन भी करेंगे। **कार्यक्रम की तैयारी में लगे नेता** कार्यक्रम की तैयारी का निरीक्षण करने पहुंचे राजमहल के पूर्व विधायक और भाजपा नेता अनंत ओझा ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड़ा के देवघर की भरती पर पहुंचने के बाद यहां के कार्यकर्ताओं में उत्साह और ऊर्जा दोनों की ही बढ़ोतरी होगी, क्योंकि बड़े नेताओं से रूबरू होने के बाद कार्यकर्ता मजबूत होते हैं।

पूर्व रेलवे निविदा सं. एसडीएसटीई-ईटीएन-सीसीटीडी-यार्ड-एसटीएन, दिनांक 03.12.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए एकल पैकेट प्रणाली में खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। बोलीतारगणन सिर्फ बंद होने की तारीख एवम् समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त मैन्युअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** 1. डानकुनी गूड्स में वाफ एवं ड्रेनेज सिस्टम का विकास एवं सीसीटीवी कवरेज का प्रावधान तथा फांग केनन, एक्ज्यु, शोर निगरानी के लिए विद्युतीय सुविधाएं। 2. बर्दमान यार्ड में सीसीटीवी की स्थापना के लिए प्रस्ताव। 3. हावड़ा-बामनगछी यार्ड में सीसीटीवी की स्थापना के लिए प्रस्ताव। 4. बर्दमान स्टेशन में अतिरिक्त सीसीटीवी की स्थापना के लिए प्रस्ताव। 5. हावड़ा मंडल के संबैदशाल एलसी गेज में सीसीटीवी की स्थापना के लिए प्रस्ताव। 6. हावड़ा, बर्दमान, रामपुरहाट एवं आजिमगंज में हटौं में रोलिंग के साथ सीसीटीवी। **बिज्ञापित मूल्य:** रु. 8,39,00,720.19; **व्यापार राशि/बोली सुरक्षा:** रु. 5,69,500; **निविदा दस्तावेज की कीमत:** रु. 0.00; **बोली शुरू होने की तारीख:** 12.12.2025। **समाप्ति अवधि:** 12 महीने। **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **निविदा बंद होने की तारीख:** 26.12.2025 को अपराह्न 03.00 बजे। **निविदा अपलोडिंग की तारीख एवं समय:** 03.12.2025 को दोपहर 12.04 बजे। (HWH-430/2025-26)

निविदा सूचना/वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है **हमें अनुसरण करें:** @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

राज्य के 11 जिलों के लिए शीतलहर का येलो अलर्ट जारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो रांची। झारखंड का पारा लुढ़कने लगा है। गुमला का न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री पर पहुंच गया है। उत्तर-पश्चिमी हवाओं की सक्रियता ने ठंड बढ़ा दी है। आने वाले दिनों में ठंड में और इजाफा होगा। मौसम केंद्र रांची के मुताबिक 7 दिसंबर तक न्यूनतम पारा में 2-3 डिग्री तक की गिरावट हो सकती है। ऐसे में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। थोड़ी सी लापरवाही मुसीबत में डाल सकती है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों को विशेष एहतियात बरतने की जरूरत है। **इन जिलों में चलेगी शीतलहर**

मौसम केंद्र रांची के मुताबिक 5 दिसंबर से राज्य के 11 जिलों में शीतलहर चलने की संभावना है। इनमें रांची, रामगढ़, बोकारो, खुंटी, सिमडेगा, गुमला, लोहरागढ़, लातेहार, चतरा, पलामू और गढ़वा जिला शामिल है। इन इलाकों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में 5 दिसंबर से 7 दिसंबर तक शीतलहर चलने की संभावना जतायी गई है। **अलग-अलग जिलों के तापमान का हाल** गुमला के बाद सबसे कम तापमान खुंटी में 8.0 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। इसके अलावा डालटनगंज में 8.6 डिग्री, हजारीबाग में 8.8 डिग्री,

बोकारो में 9.5 डिग्री और लातेहार में 9.8 डिग्री दर्ज हुआ है। इस दौरान रांची का न्यूनतम पारा 10.8 डिग्री और जमशेदपुर का 11.8 डिग्री रहा है। आने वाले तीन दिनों में शीतलहर की वजह से न्यूनतम पारा में और ज्यादा गिरावट दर्ज होगी। खास बात है कि कड़ाके की ठंड के बीच कई जिला का न्यूनतम तापमान भी अच्छा खासा है। पिछले 24 घंटे में चाईबासा में अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है। इसके अलावा जमशेदपुर में 28.2, डालटनगंज में 28.0 डिग्री, गोड्डा में 27.5 डिग्री, पकुड़ में 27.1 और बोकारो में भी 27.1 डिग्री रहा है।

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो रांची। झारखंड में सियासी चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भाजपा के नजदीक होने के लग रहे कयास को कांग्रेस नेता और सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने खारिज कर दिया है। विधानसभा परिसर में मीडियाकर्मियों द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि कुछ लोगों को दिन में सपना देखने की आदत हो तो मैं कुछ नहीं कह सकता लेकिन इतना तो साफ है कि इस संबंध में दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है। आखिर यह बात कहाँ से निकली यह मुझे समझ में नहीं आता है। कोई कहता है कि राज्य का खजाना खाली है तो वित्त मंत्री हम नहीं, कोई हमसे पूछे की वास्तविक स्थिति क्या है।उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि राज्य

के पास किसी भी योजना के लिए समुचित अर्थव्यवस्था है। पैसे की कोई कमी नहीं है। अगर राशि की कोई कमी दिखाई भी पड़े तो जो फिजिकल रिसॉर्सिबिलिटी का एक्ट है, जो हमें यह अक्सर देता है किसी भी राज्य को कि तीन प्रतिशत तक कर्ज ले सकते हैं। झारखंड वो राज्य है जो निर्भाषित लिमिट के भीतर है, 3% से हम 2% ही पर 18 से 20 हजार करोड़ बाजार से ऋण ले सकते हैं और इसके बाद भी लोग कह रहे हैं कि पैसे की कमी है। **भारत सरकार का आर्थिक सहयोग नहीं मिल रहा है: वित्त मंत्री** वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि झारखंड के लिए जो भारत सरकार का आर्थिक

सहयोग होना चाहिए, वह हमें नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र प्रायोजित योजना के तहत जो राज्य की हिस्सेदारी होती है, चाहे वह अनुदान की राशि हो या मनरेगा या राष्ट्रीय दिव्यांग योजना के तहत इन तमाम योजनाओं की राशि समय पर नहीं मिल रही है। यदि यह हमें मिल जाए तो झारखंड को आगे हम ले जा सकते हैं। यह अत्यंत दुखद बात है कि हम लोग वित्त कई वर्षों से प्रयास कर रहे हैं कि कोल कंपनी के पास जो 1 लाख 36 हजार करोड़ बकाया है। जब हमने कोयला मंत्री से मुलाकात की थी तो हमने कहा था कि हमारी जो मांग 1 लाख 36 हजार करोड़ की है, उस पर जो आप अपने अधिकारी को यहां भेजें या हमारे अधिकारी वहां जाए, जो भी वास्तविक बकाया होगा वह निकल जायेगा।

सहयोग होना चाहिए, वह हमें नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र प्रायोजित योजना के तहत जो राज्य की हिस्सेदारी होती है, चाहे वह अनुदान की राशि हो या मनरेगा या राष्ट्रीय दिव्यांग योजना के तहत इन तमाम योजनाओं की राशि समय पर नहीं मिल रही है। यदि यह हमें मिल जाए तो झारखंड को आगे हम ले जा सकते हैं। यह अत्यंत दुखद बात है कि हम लोग वित्त कई वर्षों से प्रयास कर रहे हैं कि कोल कंपनी के पास जो 1 लाख 36 हजार करोड़ बकाया है। जब हमने कोयला मंत्री से मुलाकात की थी तो हमने कहा था कि हमारी जो मांग 1 लाख 36 हजार करोड़ की है, उस पर जो आप अपने अधिकारी को यहां भेजें या हमारे अधिकारी वहां जाए, जो भी वास्तविक बकाया होगा वह निकल जायेगा।

वित्त मंत्री ने हेमंत सोरेन के ‘भाजपा नजदीकी’ के दावों को किया खारिज

पशु रोग निदान में एआई और डिजिटल पैथोलॉजी की संभावनाओं पर गहन चर्चा शुरू सीतामढ़ी मेला महोत्सव 2025 का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के रांची वेटनरी कॉलेज में गुरुवार से तीन दिवसीय IAVPCON-2025 और राइसी संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ। एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट्स और इंडियन कॉलेज ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट्स के संभावना जतायी गई है। **अलग-अलग जिलों के तापमान का हाल** गुमला के बाद सबसे कम तापमान खुंटी में 8.0 डिग्री रिकॉर्ड हुआ है। इसके अलावा डालटनगंज में 8.6 डिग्री, हजारीबाग में 8.8 डिग्री,



युवा चिकित्सकों के लिए विशेष असेसर सम्मेलन को युवा पशु चिकित्सकों के लिए अत्यंत लाभकारी बताते हुए डॉ. प्रजा प्रिया लकड़ा ने कहा कि दुनिया भर में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ा है। ऐसे समय में यह सम्मेलन यह समझने का मंच देगा कि पशु रोगों की जांच और त्वरित पहचान में एआई और डिजिटल पैथोलॉजी किस तरह क्रांतिकारी बदलाव ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड जैसे संसाधन-विहीन क्षेत्रों में एआई आधारित डिजिटल डायग्नोसिस समय पर रोगों की पहचान कर बीमार पशुओं को बचाने और पशुपालकों को आर्थिक नुकसान से

बचाने में बड़ी मदद कर सकता है। उन्होंने बताया कि “परंपरागत एवं कुत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डिजिटल पैथोलॉजी के बीच सेतु निर्माण: पशु रोग निदान के लिए भविष्यमुखी ट्रैफिकोण” विषय पर एक राष्ट्रीय सिमपोजियम में भी आयोजित होगा। साथ ही इंडियन कॉलेज ऑफ वेटरनरी पैथोलॉजिस्ट्स की वार्षिक बैठक भी होगी। **अयोजन सचिव डॉ. गुप्ता ने बताया** कि यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास और ओक्लाहोमा स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के तीन प्रोफेसर विभिन्न सत्रों में ऑनलाइन

अपना अनुभव साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन के अध्यक्ष और शेर-ए-कस्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी.एन. त्रिपाठी सहित देश के कई प्रख्यात विशेषज्ञ इस आयोजन में मौजूद रहेंगे। डॉ. गुप्ता ने कहा कि आधुनिक समय में पैथोलॉजी पशु चिकित्सा का आधार स्तंभ है। सही निदान, उपचार योजना और रोग की रोकथाम इसी पर निर्भर करती है। बायो-टेक्नोलॉजी, नैनो-टेक्नोलॉजी और डिजिटल इमेजिंग में हुए नए शोधों ने पीसीआर, जीन सीक्वेंसिंग, नैनो-सेंसर और एआई आधारित इमेज एनालिसिस जैसे उपकरण उपलब्ध कराए हैं, जो रोगों की पहचान की और अधिक सटीक और संवेदनशील बनाते हैं—वह भी आणविक स्तर पर। उन्होंने बताया कि इंसानों की तरह पशुओं में भी कई प्रकार के कैंसर पाए जाते हैं और उनका इलाज उपलब्ध है, लेकिन समय पर पहचान बेहद जरूरी है। इसमें एआई और डिजिटल डायग्नोसिस बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। सम्मेलन के दौरान दो युवा वैज्ञानिकों/पशु चिकित्सकों को सम्मानित भी किया जाएगा। तीन दिवसीय इस सम्मेलन में 4 से 6 दिसंबर तक कुल आठ तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे।

संजय वर्मा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता **मेसकौर (नवादा)**। मेसकौर प्रखंड के प्रसिद्ध सीतामढ़ी मेला महोत्सव 2025 की शुरुआत गुवार को आहम पौर्णिमा के पावन अवसर पर हुई। नवादा जिलाधिकारी रवि प्रकाश ने दीप प्रज्वलित कर राजकीय घोषित इस ऐतिहासिक मेले का उद्घाटन किया। लंबे समय से जिलेवासियों को इस क्षण का इंतजार था और आज उनके उत्साह ने पूरे परिसर को उल्लास से भर दिया। इस बार पहली बार राजकीय मेला के रूप में आयोजित समारोह के तहत एक दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव का भी आयोजन किया गया, जिसमें पटना दूरदर्शन के कलाकार उमाकांत बरुआ सहित कई कलाकारों ने अपनी शानदार

प्रस्तुति दी और दर्शकों का मन मोह लिया। **सुरक्षा और सुविधाओं की विशेष व्यवस्था** बीडीओ अश्वनी कुमार ने बताया कि मेले में पेयजल, शौचालय और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था की गई है। वहीं सीतामढ़ी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। **धार्मिक आस्था और स्थानीय पहचान का प्रतीक** आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि सीतामढ़ी मेला धार्मिक आस्था, पारंपरिक संस्कृति और स्थानीय पहचान का सशक्त प्रतीक है।

आद्रा मंडल में

पे एंड यूज़ अनुबंध के लिए ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-नीलामी आमंत्रित करते हैं। विवरण निम्नलिखित अनुसार हैं: **श्रेणी:** पे एंड यूज़। **नीलामी कैटेगॉग संख्या:** पेएनयू24। **लॉट सं./श्रेणी:** पीएनयू-एडीआरए-बीकेएससी-टीओआई-47-25.3 (पे एंड यूज़-टॉयलेट्स)। **नीलामी प्रारंभ:** 22.12.2025 को दोपहर 12.00 बजे। **नीलामी बंद होने की तारीख/समय:** 22.12.2025 को दोपहर 12.30 बजे। **द्रष्टव्य:** संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे आईआरएफ़ीएस वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल पर जाएं। पृष्ठताछ/स्पष्टीकरण, यदि कोई हो, के लिए कृपया अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से संपर्क करें। **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आद्रा (PR-911)**

**दक्षिण पूर्व रेलवे**
सूचना के साथ सेवा

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

आसनसोल मंडल के तहत विज्ञापन सविचा की सुपुर्दगी

ई-नीलामी सूचना सं. सीओएम/एडीबीटी/एसएन/17/12 दिनांक: 01.12.2025

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल-713301 द्वारा **सविचा की सुपुर्दगी** के लिए आईआरएफ़ीएस पोल्टल वेबसाइट www.ireps.gov.in के जरिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण नीचे उल्लेखित है: **सूचीपर सं.:** एडीबीटी-एसएन-17-12. **नीलामी शुरू होने की तारीख एवं समय:** 17.12.2025 को दोपहर 12.00 बजे। **सिक्वेंस सं.:** एए/1, **लॉट सं.:** एडीबीटी-एसएन-आरएनजी-ओएच-182-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)। **विवरण:** आरबी के आउट ऑफ होम पॉलिसी (ओओएच) के अनुसार रानीगंज के स्टेशन स्कूल्लेटिंग एरिया में विभिन्न आकार के हॉटिंगों के जरिए वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन हेतु संचिदा। विज्ञापन के लिए अधिकतम 1200 वर्ग फीट की जगह आवंटित की जाएगी। रेलवे द्वारा विज्ञापन का प्रदर्शन की स्वीकृति प्रदान की जाएगी। संभावित क्षेत्रफल के आधार पर जगह आवंटित की जाएगी। **सिक्वेंस सं.:** एए/2, **लॉट सं.:** एडीबीटी-एसएन-एसएन-ओएच-176-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)। **विवरण:** आसनसोल स्टेशन के मुख्य प्रदेश द्वार के निकट स्कूल्लेटिंग एरिया में 50:50 समय साझेदारी के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) अद्वे वीडियो वॉल के माध्यम से रेलवे की जानकारी तथा विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु अधिकार की सुपुर्दगी। **सिक्वेंस सं.:** एए/3, **लॉट सं.:** एडीबीटी-एसएन-एमडीपी-ओएच-183-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम)। **विवरण:** आरबी के आउट ऑफ होम पॉलिसी (ओओएच) के अनुसार मयपुर के स्टेशन स्कूल्लेटिंग एरिया में विभिन्न आकार के हॉटिंगों के जरिए वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन हेतु संचिदा। विज्ञापन के लिए अधिकतम 1200 वर्ग फीट की जगह आवंटित की जाएगी। रेलवे द्वारा विज्ञापन का प्रदर्शन की स्वीकृति प्रदान की जाएगी। संभावित क्षेत्रफल के आधार पर जगह आवंटित की जाएगी। **सिक्वेंस सं.:** एबी/1, **लॉट सं.:** एडीबीटी-एसएन-एसएन-ओएसएन-179-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (डिजिटल))। **विवरण:** आसनसोल स्टेशन के मुख्य प्रदेश द्वार के ऊपर से पीएफ-2 पर पृष्ठताछ केंद्र तक तीन (03) वर्षों की अवधि के लिए 50:50 समय/जगह की साझेदारी के आधार पर वाणिज्यिक विज्ञापन के अवसर के साथ रेलवे संबंधी जानकारी के प्रदर्शन हेतु 1 अद्वि वीडियो वॉल की आपूर्ति, स्थापना, संचालन एवं रखरखाव के लिए संचिदा। **सिक्वेंस सं.:** एसी/1, **लॉट सं.:** एडीबीटी-एसएन-डोयूमक-ओएसएन-173-25-1 (विज्ञापन-स्टेशन परिसर में (डिजिटल))। **विवरण:** नोन-लिट मोडिफा के रूप में इमुका स्टेशन के स्टेशन के अंदर तथा प्लेटफॉर्म क्षेत्र में वाणिज्यिक विज्ञापन के लिए 300 वर्ग फीट जगह। सभी स्थापित बोलीदाताओं को ऊपरीक अनुसूची के अनुसार ऊपर उल्लेखित ई-नीलामी के सम्पूर्ण विवरण तथा उसमें भागीदारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देखने की सलाह दी जाती है। (ASN-266/2025-26)

निविदा सूचना/वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है **हमें अनुसरण करें:** @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

वार्षिक पिकनिक की राशि में बढ़ोतरी करे बीएसएल प्रबंधन : बीएकेएस



नवबिहार टाइम्स ब्यूरो **बोकारो।** बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ ने मूख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन को पत्र लिखकर बीएसएल कर्मियों को मिलने वाली वार्षिक पिकनिक राशि 150 को बढ़ाकर 500 रुपए करने की मांग की है। यूनियन ने अपने पत्र में लिखा है कि बोकारो इस्पात नगर में अब पिकनिक का मौसम आने वाला है। जिसमें बोकारो इस्पात संयंत्र के कर्मचारी, अधिकारी तथा ठेका श्रमिक भाग लेते हैं। सिटी नदी, गरगा डैम से लेकर दामोदर नदी के किनारे बीएसएल के सभी कर्मचारी अधिकारी पुरे विभाग के साथ पिकनिक मनाते है। जिससे उनके बीच आपस का संबंध सज्ज ही सामंजस्य मजबूत होता है। वर्तमान में प्रति कार्मिक 150 रुपए पिकनिक के लिए भुगतान किया जाता है। यह राशी ठेका श्रमिको को नहीं दिया जाता है। वर्तमान

समय में 150 बहुत ही कम राशि है। उक्त राशी में दैग का एक प्लेट सादा भोजन भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण अधिकतर कार्मिको को अपनी जेब से उपर की राशी देना पर रहा है। इस संबंध में यूनियन ने पिछले वर्ष पत्र भी लिखा था। वर्तमान चेयरमैन जब बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी थे तब उनके समय पिकनिक राशी में बढ़ोतरी की गई थी। यूनियन ने पत्र के माध्यम से मांग किया है कि पिकनिक राशि को 500 प्रति कर्मचारी भुगतान किया जाय। यूनियन के अध्यक्ष हरिओम ने कहा है कि मानव संसाधन विभाग की कार्यप्रणाली बहुत ही चिंताजनक है। सेल कारपोरेट से लेकर अधिकतर यूनियो में कार्मिकों से जुड़े मैटर को लटका दिया जाता है जबकि आदर्श मानव संसाधन प्रबंधन स्वतः संज्ञान लेकर मूद्ो को हल करते है।

एलिवेटेड रोड निर्माण में लापरवाही के खिलाफ गोविंदपुर में धरना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो **धनबाद।** धनबाद जिले के गोविंदपुर अंचल क्षेत्र स्थित सुभाष चौक पर आज नागरिक समिति की ओर से एक दिवसीय धरना दिया गया। धरना का मुख्य उद्देश्य जीटी रोड पर योजना लगाने वाले काम, बढ़ते अतिक्रमण, सड़क दुर्घटनाओं और एलिवेटेड रोड निर्माण कार्य में हो रही लापरवाही के खिलाफ आवाज उठाना रहा। नागरिक समिति के सदस्यों ने कहा कि गोविंदपुर क्षेत्र में लगातार जाम की समस्या बढ़ती जा रही है। अतिक्रमण

हटाने में प्रशासन की ढिलाई और एलिवेटेड रोड निर्माण कंपनी की सुस्त कार्यशैली के कारण लोगों को रोजाना घंटों जाम में फंसना पड़ता है। समिति ने मांग की कि निमाणीधीन फ्लाईओवर के कार्य को नियमित गति मिले और ट्रैफिक व्यवस्था को तुरंत सुदृढ़ किया जाए। धरना में शामिल लोगों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि प्रशासन और निर्माण कंपनी जल्द ठोस कदम नहीं उठाते, तो नागरिक समिति को उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

स्कूल के मुख्य द्वार पर तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान का दीवार लेखन जरूरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो **बोकारो।** उपयुक्त अजय नाथ झा के आदेशनुसार सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के निदेशन में गोमिया प्रखंड के सभी स्कूल के प्राचार्य का टॉपी गाइडलाइन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं गुगु गोरी की बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी गोमिया महादेव कुमार महतो की अध्यक्षता में की गई। कार्यक्रम को शुरूआत बीपीओ इकबाल अख्तर के द्वारा शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की स्थिति पर चर्चा करते हुए किया गया। तत्पश्चात जिला परामर्शी मो असलम के द्वारा प्रशिक्षण में आए सभी प्राचार्य को बताया गया कि विद्यालय को तम्बाकू मुक्त रखने के लिए टाफी गाईड लाईन के अनुसार कुल नौ बिन्दुओं पर कार्य करने हैं, जिसमे मुख्य: सबसे पहले प्राचार्य को यह सुनिश्चित करना है कि स्कूल के मुख्य प्रवेश द्वार पर तम्बाकू मुक्त शिक्षण

संस्थान का दीवार लेखन कर जिस शिक्षण संस्थान के चार दिवारी से 100 मीटर की दूरी पर (तम्बाकू मुक्त क्षेत्र) अंकित किया जाए। प्रशिक्षण के अंत में प्रखंड विकास पदाधिकारी महादेव कुमार महतो के द्वारा सभी प्राचार्य को निर्देशित किया गया कि जितना जल्दी हो सके स्कूल के मुख्य द्वार पर तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान का दीवार लेखन अवश्य कर ले। इसको प्राथमिकता देते हुए काम को जितना जल्दी हो सके पूरा करें। तत्पश्चात प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा सभी शिक्षकों से सावित्रीबाई फुले, बच्चों की उपस्थिति, साथ ही आने वाले मेट्रिक परीक्षा में योजनाबद्ध तरीके से तैयारी विषय पर विशेष चर्चा की गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि मो असलम जिला परामर्शी एनटीसीपी, छोटेलाल दास एवं गोमिया के सभी स्कूल के प्राचार्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

योगगुरु रामदेव ने ‘लाफिंग बुद्धा’ नागेश्वर दास को दिया आशीर्वाद

छपरा (सारण) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पतंजलि योग पीठ, हरिद्वार में चल रहे विशेष योगाभ्यास कार्यक्रम के दौरान एक प्रेरणादायी क्षण देखने को मिला, जब सारण के सिवान के निवासी और देश-दुनिया में ‘लाफिंग बुद्धा’ के नाम से विख्यात नागेश्वर दास को योगगुरु स्वामी रामदेव ने विशेष



आशीर्वाद दिया। स्वामी रामदेव ने उनके पिछले 25 वर्षों से जारी ‘स्वस्थ भारत - मस्त भारत’ मिशन की साराहना करते हुए कहा कि आज समाज को हँसी, सकारात्मक ऊर्जा और मानसिक संतुलन की सर्वाधिक आवश्यकता है। उन्होंने नागेश्वर दास के प्रयासों को अनुकरणीय बताते हुए उन्हें निरंतर प्रगति और सफलता का आशीर्वाद दिया। नागेश्वर दास वर्षों से देश के विभिन्न राज्यों की जेलों, विद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं में हास्ययोग, तनाव-निवारण और मानसिक स्वास्थ्य के कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं। उनके सत्रों ने अब तक हजारों लोगों विशेषकर बंदियों के जीवन में सकारात्मक भाव परिवर्तन, आत्मविश्वास और मानसिक शांति स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पतंजलि पीठ में हुई यह बैठ उनके मिशन को नई ऊर्जा प्रदान करती है। कार्यक्रम में मौजूद साधकों और श्रद्धालुओं ने कहा कि यह क्षण स्वयं में प्रेरणा, आशा और उत्साह से परिपूर्ण था, जो समाज में हँसी और स्वास्थ्य के संसृक्त अभियान को नई दिशा देता है।

मिड डे मील में गड़बड़ी का आरोप

मांझी (सारण) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मांझी प्रखंड के कौरघौर उत्कर्मित मध्य विद्यालय के दर्जनों छात्र-छात्राएं बुधवार को अचानक मांझी प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) के कार्यालय पहुंच गए और अपने साथ हुए कथित उल्टीड़न को लेकर एक लिखित शिकायत पत्र सौंपा। छात्र-छात्राओं ने विद्यालय के प्रधान शिक्षक शाहनवाज खान पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मिड-डे मील के तहत उन्हें सड़ा-गला भोजन जबरन परीसा जा रहा था, और जब उन्होंने खाने से इनकार किया, तो प्रधान शिक्षक ने उन्हें भेदी-भड़ी गालियां दीं तथा कई बच्चों की बेहमी से पिटाई की। बीडीओ उषेंद्र दास ने शिकायत प्राप्त होने के बाद विद्यार्थियों को आश्वासन दिया कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच में आरोप सही पाए जाने पर प्रधान शिक्षक के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में आर्टिफिशियल इन्सेमिनेशन पाठ्यक्रम के नए बैच का शुभारंभ

फुलवारीशरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. इंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में बिहार वेटरिनरी कॉलेज, पटना में स्कूल ऑफ पैरावेटरिनरी साइंसेज द्वारा आर्टिफिशियल इन्सेमिनेशन (सीसी एआई) प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम की नई बैच का विधिवत शुभारंभ किया गया. कुलपति डॉ. सिंह ने नई बैच को अपने आशीर्वाद देते हुए प्रशिक्षण के दौरान कोशल विकास पर विशेष जोर देने की बात कही. तीन माह के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 17 जिलों से आए कुल 27 अध्येर्थियों ने नामांकन कराया है. पाठ्यक्रम का उद्देश्य राज्य के पशुपालकों को उन्नत नस्ल सुधार एवं प्रजनन सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए कुशल कृत्रिम गभाधोन तकनीशियन तैयार करना है. पाठ्यक्रम के अंतर्गत एक माह का सैद्धांतिक एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण बिहार वेटरिनरी कॉलेज में होगा. इसके बाद दो माह का क्षेत्रीय प्रशिक्षण बिहार सरकार के प्रखंड स्तरीय पशु चिकित्सालयों में संचालित किया जाएगा. शुभारंभ सत्र की अध्यक्षता डीन डॉ. जे. के. प्रसाद ने की. इस दौरान प्रो. अजीत कुमार, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. डी. सेन गुप्ता, स्कूल प्रमुख डॉ. रमेश तिवारी तथा पोल्ट्री रिसर्च सेंटर के प्रमुख डॉ. कौशलेंद्र कुमार उपस्थित रहे. यह पहल राज्य में पशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करेगी. साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में प्रजनन दक्षता बढ़ाने तथा पशुपालकों की आय में वृद्धि करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.



बीएन कॉलेज इंटर्न ने प्राणी सर्वेक्षण की प्रक्रिया को जाना

फुलवारीशरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गंगा समभूमि प्रादेशिक केंद्र, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, पटना-26 के प्रांगन में जिले के विभिन्न महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों का प्रेम यूथ फाउंडेशन के नेतृत्व में शैक्षिक दौरा के अंतर्गत आगमन हुआ कसर्वप्रथम सभी छात्रों को जंतु संग्रहालय का परिभ्रमण करवाया गया एवं वैज्ञानिक एवं तकनीकी कर्मचारी द्वारा बिहार की जंतु विविधताओं पर व्याख्यान दिया गया कइसके उपरान्त सभी छात्रों को कार्यालय के एन. एन. रुनवाल सभागार में भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के प्रभारी अधिकारी, डॉ. अनिल कुमार , वैज्ञानिक-ई ने पक्षियों



के गायन की विशिष्टता तथा उपयोगीता पर प्रकाश डाला और बताया कि भारतीय पक्षी किस प्रकार से विभिन्न प्रकार के ध्वनि संकेतों का प्रयोग करते हैं कइन ध्वनि संकेतों की संरचना तथा विशिष्टताओं के आधार पर इन संकेतों की सहायता से जीवों पर हो रहे जलवायु परिवर्तनों तथा उनके प्राकृतिक आवासों की क्षीण और नष्ट होने की दर का भी अध्यन किया जा सकता हैं कउसके उपरान्त डॉ. एम. ई. हसन, वैज्ञानिक-ई द्वारा बिहार के कीट विविधता पर प्रकाश डाला गया तइसछात डॉ. वी. ऍम. सतीश, वैज्ञानिक-सी द्वारा निकट भविष्य में जीव-जन्तुओ पर जलवायु परिवर्तन से होने वाले प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया गया कइसके बाद छात्रों को कार्यालय के जैव प्रयोगशाला में ले जा कर उन्हें डॉ. एम. ई. हसन, वैज्ञानिक-ई के द्वारा जीवों के संग्रहण, परिक्षण एवं पहचान पर एक संछिप्त प्रशिक्षण दिया गया कअप्रिक्षण के दौरान स्टूडेंट्स ने साइंटिस्ट्स के साथ बातचीत की और कीड़ों और दूसरे जानवरों पर जलवायु परिवर्तन के असर पर कई सवाल भी पूछे। फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवंदी प्रेम जी ने कहा कि जैवविविधता को बनाये रखना अति आवश्यक है । पर्यावरण से छेड़छाड़ का सीधा असर जैवविविधता पर ही होता है ।

बेलदारी चक के स्कूल में बुनियादी सुविधाओं का टोटा छात्रों ने पटना-गया हाईवे दो घंटे तक जाम किया

अनियंत्रित बोलेरो की ठोकर से ऑटो चालक की मौत, पत्नी रेफर

छपरा/तैरैया (सारण) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के तैरैया-अमनौर एसएच-104 मुख्य सड़क पर तैरैया बाजार स्थित रामकी आई हॉस्पिटल के समीप बुधवार की संंध्या में एक अनियंत्रित बोलेरो की ठोकर से ऑटो चालक की मौत हो गई, जबकि इस घटना में उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक शितलपट्टी गांव निवासी स्व॰ शिवपूजन साह का 45 वर्षीय पुत्र कन्हैया साह बताया गया है, जबकि गंभीर रूप से घायल उसकी पत्नी मिन्ता देवी है। जिसका इलाज चल रहा है। घटना के समर्थ में बताया जाता है कि कन्हैया साह जो कि ऑटो पर गांव-गांव घूमकर आलू-प्याज और मसाला बेचता हैं। बुधवार को किसी काम को लेकर वह पति-पत्नी अपने ऑटो से ही तैरैया बाजार पर गए हुए थे। इसी दौरान तैरैया-अमनौर एसएच-104 मुख्य सड़क पर रामकी आई हॉस्पिटल के समीप अमनौर की तरफ से आ रही एक अनियंत्रित बोलेरो के चालक ने ऑटो में जोरदार ठोकर मार दिया। जिससे कन्हैया साह

दानापुर में सातवें दिन चला नप प्रशासन का बुलडोजर, वसूला गया जुर्माना



दानापुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नगर को स्वच्छ सुंदर और जाम से निजात दिलाने को लेकर सातवें दिन गुरुवार को नप प्रशासन ने सगुना मोड से रूपसपुर नहर आरओबी तक अतिक्रमण पर बुलडोजर चला. डीएम व एसडीओ आदेश के बाद नगर परिषद प्रशासन की टीम ने पुलिस बलों के सहयोग सगुना मोड से रूपसपुर नहर आरओबी तक टाउन क्लिन ऑपरेशन चलाया. जिससे अतिक्रमणाकारियों के

बीच हड़कंप मच गया. घंटी तक चले व्यापक रूप से अभियान में. बुलडोजर से झोपड़ियों व गुमटी को ध्वस्त किया गया है प्रशासन ने कई जगहों पर अवैध रूप से लगाये गये ठेले, टेबल, दुकानों के आगे फैले सामान व पार्किंग में खड़े वाहनों पर कार्रवाई की गई. अतिक्रमणकारियों से 12हजार रुपए जुमाना वसूला गया है. अभियान नप के ईओ पंकज कुमार व ईओ (व्यवस्था) रवि कुमार के नेतृत्व में



चलाया गया. अभियान में नगर प्रबंधक अरमंद कुमार व ब्रजेश सिंह, सफाई निरीक्षक संजय कुमार व पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल के साथ सगुना मोड से रूपसपुर नहर आरओबी तक सडक के किनारे से अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराया गया. अतिक्रमणकारियों से अतिक्रमण कर सडक पर अस्थायी रूप से झोपडी , गुमटी व बालू-गिट्टी रखकर अतिक्रमण के

कारण आए दिनों जाम लगने से आम लोगों समेत स्कूली बच्चों को परेशानी झेलनी पडती है. जिसको देखते हुए नप प्रशासन ने अभियान चलाया गया है. उन्होंने बताया कि पूरे नगर को अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराया जायेगा और नगर को स्वच्छ व सुंदर बनाया जायेगा. यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोबारा अतिक्रमण करने वालों से जुमाना वसूला जायेगा. साथ ही कानूनी कारवाई की जायेगी.

बित्ती कमेटी की पत्नी का निधन, शोक

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाज सेवी शिक्षा प्रेमी श्री मारवाड़ी पाठशाला समिति, बित्ती कमिटी के अध्यक्ष सज्जन कुमार किशोरपुरिया की पत्नी संतोष देवी किशोरपुरिया का निधन 72 वर्ष को आयु में दिनांक 2 दिसम्बर 2025, मंगलवार की रात्रि में हो गया है। संतोष देवी किशोरपुरिया धर्मपरायण महिला थी। भागलपुर शहर के धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में इनका योदान काफी रहा है। लड़कियों की शिक्षा के प्रति ये काफी सजग रही थी। साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं के विवाह हेतु तन-मन-धन से अपना पूर्ण सहयोग करती थी। यह अपने पीछे 2 पुत्र, पोता-पोती का भरा-पूरा परिवार छोड़कर चली गयीं। इनके निधन पर श्री मारवाड़ी पाठशाला समिति, बित्ती कमिटी के महामंत्री राम गोपाल विहार, गोपाल राम चौधरी, रमण कुमार साह, प्रभात कुमार केजरीवाल, जिला अग्रवाल समेलन के संरक्षक कुंज बिहारी द्युनदुनवाला, लक्ष्मी नारायण डोकनिया, बनवारी लाल खेतान, बड़ी प्रसाद छागेलिका, रंजित द्युनदुनवाला, श्याम सुन्दर खेतान, नगर मारवाड़ी मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार खेतान, प्रदीप जलान, ने गहरी संवेदना प्रकट की।

आशुतोष कुमार सिंह की 61वीं जयंती धरहरा कला में श्रद्धापूर्वक मनाई गई

अमनौर (सारण) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अमनौर प्रखंड के धरहरा कला गांव में पूर्व जिला पार्षद स्व. आशुतोष कुमार सिंह की 61वीं जयंती श्रद्धा, सम्मान व भावपूर्ण माहौल में मनाई गई। बड़ी संख्या में ग्रामीणों,

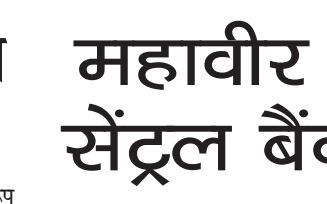


जनप्रतिनिधियों, युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उपस्थित होकर स्व. सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित किए तथा उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। जयंती समारोह का आयोजन उनके पुत्र, अखिल भारतीय हिंदू महासभा (युवा मोर्चा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और भाजपा (युवा मोर्चा) के प्रवक्ता ई. आदित्य सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि स्व. आशुतोष कुमार सिंह पूरे जीवन समाज सेवा, जनसमर्थन और विकासोन्मुख सोच के प्रतीक रहे। उनका आशीर्वाद और प्रेरणा आज भी समाज को सही

दिशा देने का कार्य कर रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला उपाध्यक्ष बलिराम तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि स्व. सिंह ने जनप्रतिनिधि रहते हुए क्षेत्र के विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया। जनता के साथ उनका आत्मीय रिश्ता और माइकिंग कर सड़क किनारे अवैध रूप से हुए अतिक्रमण को हटाने का निर्देश दिया। सीओ ने सभी अतिक्रमणकारियों को दो दिन की मोहलत दी और कहा कि यदि निर्धारित समय में अतिक्रमण नहीं हटाया गया, तो पुलिस की मदद से बलपूर्वक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी। सीओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि शनिवार से तैरैया बाजार और चौक-चौराहों में अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू होगा। उन्होंने कहा कि यह कदम जनहित में है, क्योंकि अतिक्रमण के कारण बाजार में लगातार

घर बैठे सबसे तेज होम डिलीवरी: पटना में डायर्च ग्रुप की क्विक कॉमर्स में धमाकेदार एंट्री

फुलवारीशरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार की राजधानी पटना अब क्विक कॉमर्स सेवा के क्षेत्र में एक नई क्रांति के दहलीज पर खड़ा है। शहर के चर्चित डायर्च ग्रुप ने आज इस तेजी से बढ़ते सेक्टर में औपचारिक प्रवेश कर लिया। इसका शुभारंभ एआईआईएमएस गोलंबर के पास 20,000 वर्गफुट में बने भव्य वेयरहाउस के उद्घाटन के साथ हुआ, जहाँ पारंपरिक पूजा-अर्चना के बाद संचालन की शुरुआत की गई। डायर्च ग्रुप के प्रबंध निदेशक रंजन कुमार ओझा ने बताया कि पटना शहर में कंपनी 20 से 30 डार्क स्टोर स्थापित करने जा रही है। ये डार्क स्टोर मुख्य वेयरहाउस से सामान प्राप्त



कर उपभोक्ताओं तक मिनटों में डिलीवरी सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि जल्द ही कंपनी का आधिकारिक लोकार्पण किया जाएगा। इसके बाद एक विशेष मोबाइल एप के माध्यम से लोगों को घर-घर क्विक कॉमर्स की सुविधा मिलेगी, जिसमें किराना से लेकर दैनिक उपयोग की हर आवश्यक वस्तु मिनटों में उनके दरवाजे तक पहुंचाई जाएगी। ओझा ने यह भी घोषणा की कि आने वाले समय में पूरे बिहार में कंपनी इसी तरह के और वेयरहाउस स्थापित करेगी। इससे जहाँ उपभोक्ताओं को त्वरित सेवा का लाभ मिलेगा, वहीं राज्य में रोजगार के नए अवसर भी तेजी से बढ़ेंगे।

फुलवारीशरीफ/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कल्याण कुमार गुरुवार को महावीर कैसर संस्थान पहुंचे और यहां इलाज से जुड़ी सभी सुविधाओं का निरीक्षण किया. निरीक्षण के बाद उन्होंने संस्थान की सेवाओं पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कलर डॉक्टर इंकोकार्डियोग्राफी मशीन के लिए 18.75 लाख रुपये का चेक प्रदान किया. उन्होंने कहा कि भविष्य में भी संस्थान को सहायता दी जाती रहेगी. श्री कुमार ने यह भी कहा कि पिछले वर्ष संस्थान के संस्थापक आचार्य किशोर कुणाल के आकस्मिक निधन से हम सभी गहरे रूप से दुखी हैं. वे बिहार के बेटे सर्वन कुमार की तरह थे. स्वागत



भाषण में संस्थान के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एल. बी. सिंह ने कहा कि यह अस्पताल गरीबों के लिए है और इसे आगे बढ़ाने के लिए हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं. उन्होंने बताया कि आचार्य

किशोर कुणाल की इच्छ थी कि कैसर पीड़ित बच्चों के लिए एक अलग अस्पताल बनाया जाए. आज हम महावीर किशोर कुणाल बाल कैसर अस्पताल के निर्माण की दिशा में आगे

देशरत्न की समाधि स्थल को विकसित करे सरकार

बांस घाट स्थित डॉ. राजेन्द्र प्रसाद समाधि स्थल पर उनकी 141वीं जयंती समारोह सह अंतर विद्यालय निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

पटना/फुलवारीशरीफ/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सामाजिक संस्थान, बिहार प्रदेश के तत्वावधान में बुधवार को बांस घाट स्थित डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(बी.डी. पब्लिक स्कूल).
●तीसरा: धारा कुमारी (गॉड स्पीड पब्लिक स्कूल).
●चौथा: तन्वी (संस्कृति एकेडमी).



समाधि स्थल पर उनकी 141वीं जयंती समारोह सह अंतर विद्यालय निबंध एवं पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई. कार्यक्रम में 213 विद्यालयों के 7214 छात्रों ने हिस्सा लिया. संस्था अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार पाण्डेय अखिलेश कुमार श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया. अध्यक्ष पाण्डेय अखिलेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि संविधान निर्माण में देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की



भूमिका ऐतिहासिक रही और उन्होंने सभी समितियों को साथ लेकर चलने की अद्वितीय क्षमता दिखाई.श्रीवास्तव ने कहा कि संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में देशरत्न जितने सम्मान के हकदार थे, उतना उन्हें अब तक नहीं मिला है. उनकी विद्वता, सामंजस्य क्षमता और नेतृत्व की चर्चा उतनी नहीं होती, जितनी होनी चाहिए. उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि समाधि स्थल को विकसित कर ऐसा प्रबंध किया जाए कि राज्य सरकार का कोई भी अतिथि जब पटना आए तो वह अवश्य देशरत्न की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित करे. कार्यक्रम में 897 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र, मोमेंटो और मेडल देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में राजन आनंद, संजीव कर्ण, शिव शंकर, उमेश सिंह, पंकज करपटने, अमिताभ त्रिभुराज, अरुण माईकल, सुधाशू भूषण सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

●पांचवां: कोमल (ग्लैक्सी साईंस).
●छठा: सुमन (रबिन्द्र बालिका विद्यालय).
●सातवां: खुशबू (टर्निंग प्वाइंट स्कूल).
●आठवां: श्रेया वरेंयम (सुदर्शन सेंट्रल स्कूल).
●नौवां: सुरभि (संत मेरी इंटरनेशनल).
●दसवां: सलोनी (दयानंद कन्या उच्च विद्यालय).

पेंटिंग प्रतियोगिता में –

●पहला: एलसी बास्की (मॉडर्न कम्पिटिटिव हाई स्कूल).
●दूसरा: सोनी (रबिन्द्र बालिका विद्यालय).
●तीसरा: तन्वी (संस्कृति एकेडमी).
●चौथा: रिया राज (बी.डी. पब्लिक स्कूल).
●पांचवां: रिशव झा (द मालिन्याई स्कूल).
●छठा: आराध्या (स्वामी विवेकानंद वर्ल्ड स्कूल).
●सातवां: कोमल भारती (टर्निंग प्वाइंट स्कूल).
●आठवां: निशु (गॉड स्पीड पब्लिक स्कूल).

●पहला: काजल (रबिन्द्र बालिका विद्यालय).
●दूसरा: आदित्य नाथ त्रिपाठी

●सातवां: ओम श्रीयम (मोंटेसरी स्कूल).
●दसवां: पुतुल (ग्लैक्सी साईंस).

दानापुर लक्ष्य कार्यक्रम : जिलास्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का अयोजन

दानापुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करने के उद्देश्य से लक्ष्य कार्यक्रम के तहत जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों को लक्ष्य प्रमाणीकरण के रूप में शामिल करने के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में गुरुवार को



एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का अयोजन किया गया. प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन सिविल सर्जन डा अविनाश कुमार ने करते हुए बताया कि जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों का लक्ष्य प्रमाणीकरण किया जाना है.अभी तक जिले के अस्पताल में लक्ष्य प्रमाणीकरण नहीं किया गया है . जबकि अब अन्य स्वास्थ्य केंद्रों का लक्ष्य प्रमाणीकरण करने का लक्ष्य है. शिविर में सहयोगी संस्था के कर्मी सहित जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, अस्पताल प्रबंधक, बीएचएम व प्रसव कक्ष की प्रभारी सहित कई अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे .स्वास्थ्य केंद्रों में रख-रखाव की अह्दान स्थिति को बेहतर करने को लेकर प्रशिक्षण दिया गया . सिविल सर्जन डॉ. कुमार ने बताया स्वास्थ्य केंद्रों के प्रसव कक्ष के रख-रखाव की अह्दान स्थिति को लेकर बताया गया है.इसके साथ ही अस्पताल के प्रसव रूम, ओटी, मेटरनिटी वार्ड, एसएनसीयू सहित कई अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रशिक्षण दिया गया है. ताकि जिले के सभी अस्पतालों का लक्ष्य प्रमाणीकरण किया जा सके. प्रसव से जुड़ी हुई सेवाओं को बेहतर करने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का अयोजन किया गया. विभिन्न प्रसव केंद्रों में पहले से ही संस्थागत प्रसव को लेकर कई तरह के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं. प्रसव कक्ष एवं मेटरनिटी ओटी के लिए अलग से होती हैं

महावीर कैंसर संस्थान को मिली बड़ी सहायता: सेंट्रल बैंक अध्यक्ष ने 18.75 लाख का चेक सौंपा



बढ़ रहे हैं. इस निर्माण में सहायता देने के लिए कई लोग आगे आ रहे हैं. संस्थान की चिकित्सा निदेशक डॉ. मनीषा सिंह ने सेंट्रल बैंक के अध्यक्ष की इस पहल पर प्रसन्नता जताते हुए

किसोर कुणाल की इच्छ थी कि कैसर पीड़ित बच्चों के लिए एक अलग अस्पताल बनाया जाए. आज हम महावीर किशोर कुणाल बाल कैसर अस्पताल के निर्माण की दिशा में आगे

उन्हें धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि संस्थान आधुनिक सुविधाओं से पूरी तरह लैस है और यहां ऐसे मरीजों का इलाज किया जाता है जिनके पास आर्थिक संसाधनों की कमी रहती है. गरीब मरीजों को बेहतर से बेहतर इलाज उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है. संस्थान में कोई भी मरीज आर्थिक तंगी के कारण इलाज से वंचित नहीं किया जाता. संस्थान के निदेशक (प्रशासन) डॉ. बी. सन्याल ने भी कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किए.

इस अवसर पर रेडियोथेरेपी विभाग की प्रमुख डॉ. विनीता त्रिवेदी, अपर निदेशक संजय कुमार, सेंट्रल बैंक के वरीय पदाधिकारी तथा संस्थान के कई कर्मचारी उपस्थित थे.

आईआईटी-पटना ने जीता एनटीपीसी इलेक्ट्रॉन वि्वज पटना रीजनल राउंड का खिताब

पटना के ऊर्जा ऑडिटोरियम में हुए अत्यंत प्रतिस्पर्धी मुकाबले में 123 टीमों ने लिया भाग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी), पटना की टीम ने एनटीपीसी इलेक्ट्रॉन वि्वज 2025-26 के पटना रीजनल राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। ऊर्जा ऑडिटोरियम, पटना में आयोजित इस बौद्धिक प्रतियोगिता में बिहार के विभिन्न इंजीनियरिंग और प्रबंधन संस्थानों की 123 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान विजेता टीम के सदस्यों अखंड प्रताप सिंह और अनिरुद्ध डी. भट्ट को उनके उत्कृष्ट एवं जुझारू प्रदर्शन के लिए काफी सराहा गया। दूसरा स्थान आइआइटी के ही प्रवेश बसु और शिवांशु एस. दास ने हासिल किया जबकि गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, वैशाली के अमन कुमार और शिवानी कुमारी की टीम तीसरे स्थान पर रही। प्रतिस्पर्धा अत्यंत कड़ी थी और शीर्ष तीन टीमों ने प्रत्येक चरण में उत्कृष्ट ज्ञान, त्वरित



निर्णय क्षमता और प्रभावी टीमवर्क का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की शुरुआत ऑन-द-स्पॉट लिखित परीक्षा से हुई जिसमें सर्वश्रेष्ठ छह टीमों-आइआइटी-पटना की दो टीमें, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज-वैशाली, चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट-पटना, लोकनायक जयप्रकाश प्रौद्योगिकी संस्थान-छपरा तथा शेरशाह इंजीनियरिंग कॉलेज, सासाराम की एक-एक टीम ने फाइनल ऑडियो-विजुअल राउंड के लिए क्वालीफाई किया। फाइनल चरण का संचालन दिल्ली के प्रख्यात वि्वज मास्टर बिभास

रथ ने किया जिनकी रोचक शैली ने आयोजन को और अधिक जीवंत बना दिया। इस वर्ष बिहार से आइआइटी-पटना, एनआइटी-पटना, बीआइटी-मेसरा, एमआइटी-मुजफ्फरपुर, बख्तियापुर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग सहित दर्जनों शैक्षणिक संस्थानों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर प्रतियोगिता को अत्यंत प्रतिस्पर्धी बनाया। रीजनल राउंड की शीर्ष दो टीमें आगामी 18 और 19 दिसंबर को नोएडा में आयोजित होने वाले सेमीफाइनल और राष्ट्रीय फाइनल में बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी। एनटीपीसी के



क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (पूर्व-1), विजय गोयल, आइआइटी-पटना के निदेशक, प्रो. टी एन सिंह एवं सुजाता लेडिज क्लब की अध्यक्ष, संगीता गोयल ने विजेता टीमों को क्रमशः 60,000, 40,000 और 20,000 रुपये की नकद राशि से पुरस्कृत किया। फाइनल राउंड में पहुंची शेष टीमों को भी 8,000 रुपए का सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि, विजय गोयल ने कहा कि एनटीपीसी जिस प्रकार अपनी ऊर्जा उत्पादन क्षमता से देश

के विकास को निरंतर गति देता है, उसी प्रकार इलेक्ट्रॉन वि्वज ज्ञान, जिज्ञासा और विवेक की ऊर्जा से युवा प्रतिभाओं को समृद्ध करता है। यह प्रतियोगिता न केवल विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना को प्रोत्साहित करती है, बल्कि उन्हें आधुनिक तकनीकी और समसामयिक विषयों की गहन समझ विकसित करने के लिए भी प्रेरित करती है। इससे युवाओं की विश्लेषणात्मक क्षमता, टीमवर्क और नेतृत्व कौशल को मजबूती मिलती है। उन्होंने आगे कहा कि एनटीपीसी ने 2004 में इलेक्ट्रॉन

वि्वज की शुरुआत युवाओं में ज्ञान-विकास की संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की थी और तभी से यह आयोजन आज देशभर में युवाओं की बौद्धिक प्रगति का एक प्रेरणास्रोत बन चुका है। इस अवसर पर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं आइआइटी-पटना के निदेशक, प्रो. टी एन सिंह ने भी प्रतिभागियों को संबोधित कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा एनटीपीसी को ऐसे कार्यक्रम के सफल आयोजन करने पर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में सुजाता लेडीज क्लब की अध्यक्ष संगीता गोयल, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) विस्सन अब्राहम, उप महाप्रबंधक (नैगम संचार) विश्वनाथ चंदन सहित एनटीपीसी के अनेक वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। आयोजन में विभिन्न कॉलेजों और संस्थानों के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वैश्य समाज के नवनिर्वाचित विधायकों एवं मंत्रियों को मिला सम्मान



नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। वैश्य चेतना समिति के द्वारा स्थानीय जगजीवन राम संसदीय अध्ययन एवं राजनीतिक शोध संस्थान में वैश्य प्रतिनिधि सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति द्वारा वैश्य समाज के नवनिर्वाचित विधायकों, मंत्रियों सहित पूर्व विधान पार्षदों को अंगवस्त्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वैश्य चेतना समिति के अध्यक्ष इं. सुन्दर साहू ने कहा कि वैश्य चेतना समिति सरकार से मांग करती है कि सरकार वैश्य आयोग का गठन करें। इसके अलावा केंद्रीय जनगणना आयोग से मांग की गई कि सरकार वैश्य के सभी उपजातियों को एक वैश्य माना जाए और वैश्य के रूप

में गणना किया जाए। वहीं अपने संबोधन में वैश्य चेतना समिति के सदस्य मनोज जयसवाल ने कहा कि वैश्य समाज अब जागृत हो रहा है जिस तरह इस बार के चुनाव में 29 सीट वैश्य समाज के लोगों ने जीता है मुझे उम्मीद है आने वाले समय में हम 40-50 सीट पर अपने वैश्य समाज के उम्मीदवार को देखेंगे और हम आशा करते हैं कि भविष्य में हमारे समाज का उमीदवार मुख्यमंत्री हो जिससे हमारा समाज गौरवान्वित हो। कार्यक्रम को सफल बनाने में अभिनेत्री रुपाली, वैश्य चेतना समिति के सचिव रविकांत चौरसिया, सह सचिव शिव कुमार स्पंदन, मनोज जायसवाल, पवन कुमार आर्किटेक्ट, संतोष कुमार भारती की अहम भूमिका रही।

भारतीय खाद्य निगम और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के द्वारा आशुभाषण प्रतियोगिता संपन्न

राजभाषा कार्यान्वयन केवल सरकारी आदेश नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय खाद्य निगम और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, पटना ने संयुक्त रूप से एक आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह कार्यक्रम भारतीय खाद्य निगम के क्षेत्रीय कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य कार्यालयीन कर्मचारियों के बीच हिंदी भाषा के प्रयोग के प्रति जागरूकता और उत्साह बढ़ाना था। कार्यक्रम में पटना स्थित विभिन्न



केंद्रीय सरकारी कार्यालयों/उपक्रमों के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण निम्नलिखित रहे। विभिन्न कार्यालयों के प्रतिनिधियों ने प्रतियोगिता में सक्रिय रूप से भाग लिया जो राजभाषा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस

अवसर पर भारतीय खाद्य निगम के उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने अपने संबोधन में कहा राजभाषा कार्यान्वयन केवल एक सरकारी आदेश नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान का विषय है। ऐसी प्रतियोगिताएं कर्मचारियों को अपनी भाषाई क्षमताओं को निखारने

का अवसर प्रदान करती है। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, पटना के अध्यक्ष व मुख्य अतिथि आलोक सुमन दूबे, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी एवं सचिव नरकास (उपक्रम) पटना ने सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों को जारी रखने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन अनुसंधा रानी, मनीता मीना एवं सुनिंद तिवारी द्वारा किया तथा राकेश कुमार करुण, प्रबंधक (राजभाषा) द्वारा धन्यवाद ज्ञापनकर कार्यक्रम का समापन किया।

लालू यादव से जुड़े चारा घोटाला मामले में 110 वीं गवाही

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के बहुचर्चित करोड़ों रूपयों के चारा घोटाला से जुड़े एक मुख्य मामले में पटना की एक विशेष अदालत में आज सीबीआई ने अपने 110 वें गवाह के रूप में मामले के एक अनुसंधानकर्ता की गवाही कराई। चारा घोटाला मामलों की सुनवाई कर रही विशेष अदालत के न्यायाधीश राकेश कुमार की अदालत में सीबीआई ने अपने 110 वें गवाह के रूप में सीबीआई के इंस्पेक्टर उमेश कुमार को पेश किया था। गवाह ने मामले में आंशिक अनुसंधान किया था। मुख्य परीक्षण और प्रति परीक्षण के बाद गवाह

को उम्रकत कर दिया गया। मामले में अगली सुनवाई 08 दिसंबर 2025 को होगी। मामला भालपुर के बांका उप जिला कोषागार से पशुपालन विभाग में जाली विपत्रों के आधार पर लगभग 45 लाख रूपयों की अवैध निकासी का है। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद समेत कई तत्कालीन मंत्री, विधायक और भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी इस मामले में आरोपित हैं। सीबीआई ने मामले की प्रार्थनीक आर सी 63 ए 96 के रूप में दर्ज करने के बाद 44 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था जिनमें से कई आरोपितों की मृत्यु हो चुकी है।

शहीद राजेंद्र सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

राजेंद्र सिंह ने पीठ पर नहीं सीने पर खाई थी गोली : डॉ. दिलीप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अगस्त क्रांति 1942 के अमर शहीद राजेन्द्र सिंह की 101 वीं जयंती समारोह आज शहीद राजेन्द्र स्मारक, नयागांव के प्रांगण में मनायी गई। इस समारोह में बिहार भाजपा के अध्यक्ष सह उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल भी शामिल हुए। इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने अमर शहीद राजेन्द्र सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनका नमन किया। शहीद राजेंद्र सिंह स्मारक समिति द्वारा आयोजित इस समारोह में आए लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष

डॉ. दिलीप जायसवाल ने सारण की पावन धरती को नमन करते हुए कहा कि सारण जिला वीर सपूतों की भूमि रही है। उन्होंने कहा कि यह पावन धरती डॉ. राजेंद्र प्रसाद, लोकनायक जयप्रकाश नारायण, शहीद राजेंद्र सिंह, दारोगा प्रसाद राय, मौलाना मजहरुल हक, भोजपुरी के शेक्सपियर भिखारी ठाकुर एवं महेन्द्र मिश्र जैसे अनेक महापुरुषों की जननी और कर्मभूमि रही है। उन्होंने अमर शहीद राजेंद्र सिंह को याद करते हुए कहा कि राजेन्द्र सिंह युवा अवस्था में अपने पिता शिवनारायण सिंह, माता जीरा देवी तथा पत्नी सुरेश देवी को घर पर छोड़ कर अगस्त

1942 में महात्मा गांधी के अंग्रेजों भारत छोड़ो का आंदोलन में कूद पड़े थे। उस समय उनकी उम्र लगभग 18 वर्ष होगी। उसी उम्र में ही पटना सचिवालय पर तिरंगा झंडा फहराने के दौरान 11 अगस्त 1942 को छह दोस्तों के साथ राजेन्द्र सिंह शहीद हो गए। उन्होंने कहा कि अमर शहीद राजेंद्र सिंह पीठ पर नहीं सीने पर गोली खाई थी जिस पर आज भी नयागांव के लोगों को नाज है। भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि ऐसे महान सपूतों की याद के लिए कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए जिससे आने वाली पीढ़ी भी उनके योगदान को जान सके।

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सर्वोदय मंडल और राजेंद्र मेमोरियल ट्रस्ट फॉर रूरल डेवलपमेंट सदाकत आश्रम पटना के संयुक्त तत्वावधान में देशरत्न की 141वीं जयंती चंद्र भूषण की अध्यक्षता में सदाकत आश्रम पटना में 11 बजे से शुरू हुई। देशरत्न डॉ राजेंद्र प्रसाद की चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए चंद्र भूषण ने कहा कि राजेंद्र बाबू का जीवन सादगी, उच्च विचार, सत्य एवं तप का अद्भुत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वे संविधान सभा के अध्यक्ष पद पर विराजमान होने के साथ-साथ संविधान निर्माण में उनका महत्वपूर्ण



भूमिका रहा है। वे देश स्तर के नहीं विश्व स्तर पर गांधी जी के साथ जाने जाते थे। चंचारण सत्याग्रह में वे गांधी जी के साथ काफी महत्वपूर्ण भूमिका में रहे। बिहार सर्वोदय मंडल के उपाध्यक्ष प्रमोद शर्मा ने कहा कि पटना विश्वविद्यालय के निर्माण, उसका नियमावली बनाने में देशरत्न का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक एवं प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक की अध्यक्षता में सीमेंट निर्माता कंपनी के साथ बैठक



नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। बल्क सीमेंट हैंडलिंग एर्टिमनल के विकास के संबंध में पूर्व मध्य रेल मुख्यालय, हाजीपुर में सीमेंट निर्माता कंपनी के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान, रेलवे बोर्ड द्वारा 18-11-2025 के प्रेट मार्केटिंग परिपत्र संख्या 25/2025 के तहत बल्क सीमेंट हैंडलिंग एर्टिमनों के विकास और विशेष टैंक कंटेनर वैशन में

बल्क सीमेंट के परिवहन के संबंध में जारी की गई हालिया नीति पर चर्चा की गई। भविष्य में बल्क सीमेंट की खपत बढ़ेगी। बल्क सीमेंट परिवहन को बढ़ावा देने के लिए विशेष वैगन के माध्यम से एवं माल भाड़े में प्रोत्साहन द्वारा परिवहन को लागत प्रभावी बनाया जाएगा। इससे सीमेंट की गुणवत्ता में सुधार होगा और इससे स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा मिलेगा।

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सीएमए पटना की सभागार में प्लास्टिक मुक्त भारत को लेकर इंटर्न कर रहे छात्र-छात्राओं को प्लास्टिक से हो रहे दुष्प्रभाव के बारे में फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने कहा कि प्लास्टिक का उपयोग मानव जीवन के लिए खतरे की घंटी है। माइक्रो प्लास्टिक हवा में घुल गया है मां के दूध तक पहुंच गया है। प्लास्टिक के उपयोग तुरंत बंद करने की जरूरत है। प्लास्टिक हमारे जीवन न रच बच गया है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि घर से कपड़ा के झोला लेकर निकलने की आदत डालें। वही एनजीओ हेल्पलाइन के निदेशक सीए संजय कुमार झा ने प्लास्टिक से



हो रहे खतरों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक समुंद्र में समुद्री जीवों को प्रभावित कर रहा है। प्लास्टिक कचरे से भारत में बड़े पैमाने पर पशुओं की मृत्यु हो रही है। उन्होंने बताया कि हम जो दूध ब्रश का उपयोग करते हैं वह पांच सौ वर्षों तक धरती पर रह सकता है। माइक्रो प्लास्टिक हर जगह मौजूद है। उन्होंने प्लास्टिक का उपयोग कम करने का

सलाह दिया है साथ ही प्लास्टिक के कचरे से सड़क निर्माण, ईंधन तेल निकासे जाने की बात बताई। प्लास्टिक और एल्युमिनियम का उपयोग घर में कर्नापि न करें। प्लास्टिक बोतल के जगह मेटल के बोतल का उपयोग करें। प्लास्टिक के कचरों का निषादन सही तरीके से हो प्लास्टिक आज पूरी दुनिया के भयावह समस्या है। उन्होंने बताया कि हर व्यक्ति एक

सीजनल फल जरूर खायें या नींबू पानी पीयें यह हमारे शरीर से जहर को बाहर करता है। प्लास्टिक में गर्म खाना कभी नहीं खायें यह कैन्सर का कारण बन सकता है। अब समय आ गया है कि प्लास्टिक को न कहें। वही इंटर्न ने बताया कि आज भी दक्षिण भारत में केले के पत्ते पर भोजन करने की परंपरा है। छठ महापर्व में सभी प्रसाद मिट्टी के बर्तन में ही बनाता है हमारे पूर्वज हर बात में विज्ञान से जोड़ दिया था। मौके पर फाउंडेशन के प्रोग्राम ऑफिसर प्रेरणा विजय, ऋतिक राज वर्मा, ज्योति कुमारी, अंजू कुमारी, निकिता कुमारी, श्यामली कुमारी, डिप्पल कुमारी समेत सैकड़ों इंटर्न ने भाग लिया।

पटना। सोनालीका ट्रेक्टर्स ने अप्रैल-नवंबर 2025 में 1,26,162 ट्रैक्टरों की बिक्री के साथ अब तक की सर्वाधिक वाईटीडी बिक्री का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है। यह असाधारण प्रदर्शन सोनालीका के सशक्त नेतृत्व और भारत तथा वैश्विक परिदृश्य में कृषि मशीनीकरण को गति देने में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। बेहतर दक्षता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए किसान तेजी से बड़े हैवी ड्यूटी ट्रैक्टरों पर निर्भर हो रहे हैं और सोनालीका का मजबूत प्रदर्शन भारत में पारंपरिक खेती से तकनीक-आधारित कृषि की ओर तेजी से बढ़ते बदलाव का संकेत देता है। अगली पीढ़ी के प्लेटफॉर्म, तकनीक और ताकतवर इंजनों द्वारा संचालित,

सोनालीका के हैवी ड्यूटी ट्रैक्टर दुनिया भर के 150 देशों में विभिन्न प्रकार की मिट्टी में जबरदस्त प्रदर्शन के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। बिक्री में यह उल्लेखनीय नई गति आधुनिक ट्रैक्टरों और उपकरणों के तेजी से बढ़ते उपयोग, अनुकूल सरकारी पॉलिसी और लगातार बेहतर होते एम एस पी ढांचे से प्रेरित है जिससे किसानों में नई कृषि शैली अपनाने का आत्मविश्वास बढ़ रहा है। नए रिकॉर्ड प्रदर्शन पर अपने विचार साझा करते हुए, रमन मिश्रा, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने कहा कृषि का भविष्य उन सभी का है जो उद्देश्यपूर्ण इन्वोवेशन करते हैं और हम स्मार्ट कृषि समाधान विकसित करने और निरंतर निवेश के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संपादकीय

पिछले कुछ समय के दौरान सार्वजनिक बसों के हादसे के कई मामले सामने आए, जिनमें आग लगने से यात्री जिंदा जल गए। ऐसी घटनाओं को हादसा मान कर ही देखा गया और सरकार ने इनकी जांच कराने और हाताहतों या उनके परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा करके औपचारिकता पूरी कर ली। मगर जब एक ही तरह की दुर्घटनाएं लगातार होने लगे, तो इस पर भी विचार करने की जरूरत होती है कि इनकी तह में क्या वजह छिपी हो सकती है।अव्वल तो वाहन सुरक्षित चलाने से लेकर सामान रखने की जगह और बस के भीतर आवाजाही के रास्ते निर्बाध रखने

जैसी सावधानी को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी प्रबंधन की होनी चाहिए। अगर इसमें लापरवाही बरती जाती है, तो उसकी जांच और कार्रवाई की जिम्मेदारी सरकार के संबंधित महकमे तथा अधिकारियों की है। मगर ऐसा लगता है कि हर स्तर पर घोर लापरवाही बरती जाती है और यात्रियों के जीवन की कोई परवाह नहीं की जाती। सवाल है कि ऐसी स्थिति कैसे आती है कि किसी बस में आग लग जाने पर यात्रियों को निकलने तक का मौका नहीं मिलता और वे अपनी या किसी अन्य की जान बचाने के लिए कुछ

नहीं कर पाते।इसी मसले पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, यानी एनएचआरसी की एक पीठ ने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को नोटिस जारी किया है तथा राज्यों के मुख्य सचिवों को सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाली बसों को हटाने का निर्देश दिया। दरअसल, यह शिकायत दर्ज कराई गई थी कि सार्वजनिक बसों के डिजाइन में गंभीर खामी यात्रियों की जान को खतरे में डाल रही है। ऐसी खबरें भी आई कि हादसे या आग लगने के बाद बस का स्वचालित दरवाजा जाम हो गया और इसकी वजह से लोग

भीतर ही फंस गए।इसके अलावा, बस में जरूरत से ज्यादा भार, आपातकालीन दरवाजे या खिड़कियों का नहीं होना या फिर बेकाम होना जैसी अनेक लापरवाहियां यात्रियों की मौत की वजह बनती हैं। आखिर डिजाइन में गंभीर खामी वाली बसें जोखिम भरी स्थितियों में सड़क पर निर्बाध दौड़ती हैं, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? आए दिन यात्री बसों में आग लगने और लोगों की मौत की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए इस पर विचार और ठोस कार्रवाई बेहद जरूरी है।

दिव्यांग लोगों के बारे में बढ़ानी होगी जागरूकता

(रमेश सर्राफ धमोरा) संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1992 में हर वर्ष 3 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस के रूप में मनाने घोषणा की गयी।सरकार द्वारा देश में दिव्यांगों के लिए कई नीतियां बनायी गयी हैं। उन्हें सरकारी नौकरियों, अस्पताल, रेल, बस सभी जगह आरक्षण प्राप्त है। दिव्यांगों के लिए सरकार ने पेशन की योजना भी चला रखी है। लेकिन ये सभी सरकारी योजनाएं उन दिव्यांगों के लिए महज एक मजाक बनकर रह गयी हैं। जब इनके पास इन सुविधाओं को हासिल करने के लिए दिव्यांगता का प्रमाणपत्र ही नहीं है। इसको मानाने का उद्देश्य योजनाएं उन दिव्यांगों में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों को बढ़ावा देना और राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में दिव्यांग लोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। मगर आज भी लोगों को तो इस बात का भी पता ही नहीं होता है कि हमारे आस-पास कितने दिव्यांग रहते हैं। उन्हे समाज में बराबरी का अधिकार मिल रहा है कि नहीं। किसी को इस बात की कोई फिकर नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास एक ‘दिव्य क्षमता’ है और उनके लिए ‘विकलांग’ शब्द की जगह दिव्यांगशब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। जिसके पीछे उनका तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं। विकलांग शब्द उन्हें हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगों को दिव्यांग तो कहना शुरू कर दिया लेकिन लोगों का उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदल पाया है। आज भी समाज के लोगों द्वारा दिव्यांगों को दयनीय दृष्टि से ही देखा जाता है। भले ही देश में अनेकों दिव्यांगों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया हो मगर लोगों का उनके प्रति वहीं पुराना नजरिया बरकरार है।

दुनिया में अनेकों ऐसे उदाहरण मिलेंगे जो बताते है कि सही राह मिल जाये तो अभाव एक विशेषता बनकर सबको चमकृत कर देती है। भारत में दिव्यांगों की मदद के लिए बहुत सी सरकारी योजनाएं संचालित हो रही हैं। लेकिन इतने वर्षों बाद भी देश में आज तक आधे दिव्यांगो को ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र मुहैया कराया जा सका है। ऐसे में दिव्यांगो के लिए सरकारी सुविधाएं हासिल करना महज मजाक बनकर रह गया हैं। दुनिया में बहुत से ऐसे दिव्यांग हुए हैं जिन्होंने अपने साहस संकल्प और उत्साह से विश्व के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम लिखवाया है। शक्तिशाली शासक तैमूर लंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवाड़ के राणा सांगा तो बचपन में ही एक आंख गवाने तथा युद्ध में एक हाथ एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। सिख राज्य की स्थापना करने वाले महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से ही खराब थी। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुधा चंद्रन के दाई टांग नहीं



थी। फिल्मी गीतकार कृष्ण चंद्र डे तथा संगीतकार रविंद्र जैन देख नहीं सकते थे। पूर्व क्रिकेटर अंजन भट्टाचार्य मूकबधिर थे। वर्ल्ड पैरा चैम्पियनशिप खेलों में झुंझुनू जिले के दिव्यांग खिलाड़ी संदीप कुमार व जयपुर के सुन्दर गुर्जर ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया है।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के पांचवें दौर का पहला चरण 2019-20 में आयोजित किया गया था। एनएफएचएस जनसंख्या, परिवार नियोजन, बाल और मातृ स्वास्थ्य, पोषण, वयस्क स्वास्थ्य और घरेलू हिंसा से संबंधित प्रमुख संकेतकों पर अनुमान प्रदान करता है। एनएफएचएस-5 सर्वेक्षण से एकत्र किए गए द्वितीयक डेटा के भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद प्रकाशन के विश्लेषण के अनुसार भारत में विकलांग लोगों की कुल व्यापकता जनसंख्या का 4.52 प्रतिशत है। भारत विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन का एक पक्ष है। यह डेटा दर्शाता है कि भारत में लगभग 6 करोड़ 32 लाख 80 हजार लोग किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ जीवन यापन करते हैं। लोकोमोटर (गतिशील) विकलांगता सभी विकलांगताओं में सबसे आम है, इसके

बाद मानसिक और वाक् (बोलने से संबंधित) विकलांगताएं हैं।

यह एक कड़वी सच्चाई है कि भारत में दिव्यांग आज भी अपनी जरूरतों के लिए दूसरों पर आश्रित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अनुमान के अनुसार विश्व स्तर पर 15 प्रतिशत आबादी किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ रहती है। जबकि उसमें से 80 प्रतिशत से अधिक लोग निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। जबकि भारत में 140 करोड़ से अधिक लोग है। इस आबादी का 2.2 प्रतिशत से अधिक लोग किसी न किसी रूप में गंभीर मानसिक या शारीरिक विकलांगता से पीड़ित हैं। आज के प्रगतिशील युग में जहाँ सभी लोगों के एकीकरण और समावेशन पर सतत विकास के प्रवेश द्वार के रूप में जोर दिया जाता है। भारत में विकलांग लोगों को वर्गीकृत करने वाले मानदंडों की सूची को 2016 में नया रूप दिया गया था। 2016 के आरपीडीब्ल्यूडी अधिनियम पर आधारित संशोधित परिभाषा में एसिड हमलों से संबंधित शारीरिक विकृति और चोटों को विकलांगता के रूप में मान्यता देना भी शामिल है। जो इन पीड़ितों को विभिन्न प्रकार की सरकारी सहायता और समर्थन का हकदार बनाता है ।

पुतिन के भारत दौरे से पहले फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने तोड़ी कूटनीतिक ‘मर्यादा’

(नीरज कुमार दुबे) हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों— थियेरी मथू, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन पर यूक्रेन में शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नयी दिल्ली यात्रा से पहले एक अप्रत्याशित कूटनीतिक विवाद उभर कर सामने आया है। दरअसल फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने पुतिन की आलोचना करते हुए संयुक्त रूप से एक लेख लिखा है जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम ‘असामान्य’ है और ‘स्वीकार्य कूटनीतिक व्यवहार के दायरे से बाहर’ है।

हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों— थियेरी मथू, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति

पुतिन पर यूक्रेन में शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया। लेख में लिखा था कि ‘दुनिया चाहती है कि युद्ध समाप्त हो, लेकिन रूस गंभीर नहीं दिखता’। तीनों राजदूतों ने लेख में भारत की स्थिति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के कथन— ‘समाधान युद्धभूमि पर नहीं मिल सकता’, को भी उद्धृत किया। भारतीय विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस लेख को अनुचित बताया और कहा कि किसी तीसरे देश के नेता की भारत यात्रा से ठीक पहले इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणी ‘कूटनीतिक संवेदनशीलता’ के विरुद्ध है। अधिकारियों के अनुसार, भारत ने इस असामान्य कदम को ‘नोट’ किया है।

देखा जाये तो फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित लेख केवल ‘असामान्य’ ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की स्थापित मर्यादाओं के संदर्भ में एक गंभीर कूटनीतिक अशिष्टता माना जा रहा है। कूटनीति का मूल सिद्धांत यह है कि किसी मेजबान देश में पदस्थ राजनयिक किसी तृतीय देश के शीर्ष नेतृत्व की यात्रा के समय ऐसी सार्वजनिक टिप्पणियों से परहेज करें, जो उस



यात्रा के उद्देश्य या वातावरण को प्रभावित कर सकती हों। राजनयिक आचार संहिता—विशेषकर वियना राजनयिक संबंध संधि (1961) की भावना स्पष्ट रूप से यह अपेक्षा रखती है कि राजदूत मेजबान देश की घरेलू या संवेदनशील द्विपक्षीय प्रक्रियाओं में न तो हस्तक्षेप करें और न ही सार्वजनिक रूप से ऐसा आभास होने दें। इस लिहाज से, तीनों यूरोपीय दूतों द्वारा प्रकाशित लेख न केवल भारत-रूस वार्ता के पूर्व निर्धारित कूटनीतिक संतुलन में

अनावश्यक व्यवधान डालता है, बल्कि यह एक प्रकार की ऐसी पब्लिक डिप्लोमैसी का प्रयोग बन जाता है, जो किसी निष्पक्ष मध्यस्थ वातावरण को बाधित कर सकता है। कूटनीति का सार यही है कि संवाद बंद न हो और संवाद तभी निष्पक्ष माना जाएगा जब राजदूतों का सार्वजनिक आचरण समय, भाषा और उद्देश्य, तीनों में संयमित और संतुलित रहे।

तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि क्या भारत-रूस

निकटता से असहज हैं यूरोपीय देश? देखा जाये तो इस संयुक्त लेख के समय और स्वर से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यूरोपीय देशों में भारत-रूस रणनीतिक निकटता को लेकर एक प्रकार की अंतर्निहित असहजता साफ दिखाई दे रही है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने का प्रयास किया था तब भारत ने अपने दीर्घकालिक सामरिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा के आधार पर रूस के साथ संवाद और व्यापार को जारी रखा। इससे यूरोपीय राजधानियों में यह भावना बनी रही कि भारत, उनके व्यापक भू-राजनीतिक आकलन से अलग प्राथमिकताएँ रखता है। ऐसे में पुतिन की दिल्ली यात्रा से ठीक पहले तीन यूरोपीय राजदूतों का एकसाथ सार्वजनिक लेख लिखना एक संदेश-प्रधान कूटनीतिक कदम भी माना जा सकता है। तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि यूरोपीय राजदूतों ने ऐसा लेख किसी और देश में क्यों नहीं लिखा? देखा जाये तो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद राष्ट्रपति पुतिन कई देशों की यात्राएँ

कर चुके हैं। मगर वहीं तैनात यूरोपीय राजदूतों ने इस तरह का सार्वजनिक लेख कभी नहीं लिखा। इससे यह प्रश्न और गहरा हो जाता है कि भारत को ही क्यों चुना गया? इसका एक संभावित उतर भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और पश्चिमी देशों के रणनीतिक चिंतन में उसकी केंद्रीय भूमिका से जुड़ा है। विदेश मंत्रालय द्वारा एक औपचारिक डिमांड या कड़े शब्दों में स्पष्टीकरण माँगना ऐसा कदम हो सकता है जो नियमों को रेखांकित करे बिना विवाद को बढ़ाए। इससे न केवल रूस को यह आश्वासन मिलेगा कि भारत अपने साझेदारों के प्रति सम्मानजनक और स्थिर रख रखता है, बल्कि भारत में तैनात सभी देशों के राजनयिक समुदाय को भी यह स्पष्ट संकेत मिलेगा कि सार्वजनिक मंचों पर किसी संवेदनशील द्विपक्षीय घटना पर टिप्पणी करते समय वियना संधि की भावना और कूटनीतिक कदम देश की कूटनीतिक परंपराओं का पालन अनिवार्य है। इस संतुलित प्रतिक्रिया से भारत अपने हितों की रक्षा भी करेगा और कूटनीतिक अनुशासन की गरिमा भी बनाए रखेगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)





अजय देवगन के पास पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल के 1000000 शेयर



नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड के सुपरस्टार अजय देवगन का स्मॉलकैप कंपनी पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल पर बड़ा दांव है। अजय देवगन के पास पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल के 10,00,000 (10 लाख) शेयर हैं। पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल अब अपने शेयरधारकों को बड़ा तोहफा दे रही है। कंपनी अपने निवेशकों को की शेयर (बोनस शेयर) देने जा रही है। पिछले 6 साल से कुछ ज्यादा समय में पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल के शेयरों में 6000 पैसेट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल, फिल्म प्रॉडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस से जुड़ी है। स्मॉलकैप कंपनी पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल अपने शेयरधारकों को 5:2 के रेशियो में बोनस शेयर देने जा रही है। यानी, कंपनी हर 2 शेयर पर अपने निवेशकों को 5 बोनस शेयर देगी। कंपनी ने बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट 5 दिसंबर 2025 तय की है। कंपनी पहली बार अपने निवेशकों को बोनस शेयर बांट रही है। पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल अपने शेयर का भी बंटवारा कर चुकी है। कंपनी ने जुलाई 2024 में अपने शेयर को 5 टुकड़ों में बांटा था। कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 2-2 रुपये फेस वैल्यू वाले 5 शेयरों में बांटा। पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल में अजय देवगन की हिस्सेदारी 1.41 पैसेट है। बॉलीवुड सुपरस्टार के पास पैनोरमा स्टूडियोज इंटरनेशनल के 10 लाख शेयर हैं। कंपनी की शेयरहोलिडिंग का यह डेटा सितंबर 2025 तिमाही तक का है। कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 64.96 पैसेट है। वहीं, पब्लिक शेयरहोलिडिंग 35.04 पैसेट है।

पहले ही दिन फूल हुआ आईपीओ, 40 प्रतिशत के पार पहुंचा जीएमपी



नई दिल्ली, एजेंसी। मीशो का आईपीओ पहले ही दिन फूल हो गया है। कंपनी के आईपीओ को लोगों से अच्छा रिसॉन्स मिला है। सब्सक्रिप्शन के पहले दिन मीशो के आईपीओ पर 2 गुना से ज्यादा दांव लगा गया है। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए शुक्रवार 5 दिसंबर तक खुला हुआ है। मीशो के शेयर ग्रे मार्केट में भी अपना जलवा दिखा रहे हैं। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 40 पैसेट से ज्यादा के प्रीमियम के साथ कारोबार कर रहे हैं। मीशो के आईपीओ का टोटल साइज 5421.20 करोड़ रुपये तक का है। आईपीओ में मीशो के शेयर का दाम 111 रुपये है। वहीं, ग्रे मार्केट में मीशो के शेयर 45 रुपये के प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहे हैं। अगर मौजूदा ग्रे मार्केट प्रीमियम के हिसाब से देखें तो मीशो के शेयर 156 रुपये के करीब बाजार में लिस्ट हो सकते हैं। यानी, आईपीओ में जिन इन्वेस्टर्स को कंपनी के शेयर अलॉट होंगे, वह लिस्टिंग वाले दिन 40 पैसेट से अधिक के फायदे की उम्मीद कर सकते हैं। स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हो सकते हैं। आईपीओ में शेयरों का अलॉटमेंट 8 दिसंबर को फाइनल हो सकता है। मीशो का आईपीओ पहले ही दिन 2.46 गुना सब्सक्राइब हो गया है। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशकों की कैटेगरी में 4.13 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है।

एआई क्षमता बढ़ाने पर जोर विदेशी निर्भरता कम होगी; भारतीय डाटा की सुरक्षा भी मजबूत होगी

मुंबई , एजेंसी। भारत को तत्काल अपनी सॉफ्टवेयर एआई क्षमताएं विकसित करनी होंगी। नहीं तो देश को विदेशी कंपनियों पर निर्भर होना पड़ेगा। नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने बुधवार को एक कार्यक्रम में कहा, यह विदेशी कंपनियां अपने एआई मॉडल को मजबूत करने के लिए भारतीय डाटा का इस्तेमाल कर रही हैं। मुंबई में एक कार्यक्रम में कांत ने कहा, देश की तकनीकी प्रगति इस बात से परिभाषित होगी कि वह इस समय कितनी तेजी से घरेलू कंप्यूटर इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करता है। संवेदनशील डाटा की सुरक्षा करना है और साथ ही स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिस्टम बनाने वाले स्टार्टअप्स का समर्थन करता है। उन्होंने चेतावनी दी कि डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर ने बड़े पैमाने पर समावेशन को बढ़ावा दिया है, लेकिन देश की पिछड़ी कंप्यूटिंग क्षमता इसकी प्रगति को धीमा करने का खतरा पैदा कर रही है। अमिताभ कांत ने ओपनएआई और एनवीडिया के बीच हाल ही में हुई साझेदारी का हवाला देते हुए कहा, इस प्रयास से 10 गीगावाट की जीपीयू क्षमता तैयार होगी, जो लगभग 50 लाख हार्ड-परफॉर्मिंग प्रोसेसर के बराबर है, जबकि भारत में लगभग 30,000 जीपीयू हैं। इस अंतर को पाटने के लिए निजी क्षेत्र के बड़े पैमाने पर निवेश और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की आवश्यकता है। भारत में ओपनएआई के

स्मार्टफोन, पेट्रोल, लैपटॉप... सब हो जाएंगे महंगे!

डॉलर के मुकाबले गिरते रुपये ने कैसे बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया ऐतिहासिक रूप से गिर गया। यह पहली बार है जब रुपया एक डॉलर के मुकाबले 90 के पार चला गया। फॉरेन फंड्स के बाहर जाने, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता इसके मुख्य कारण रहे। फॉरेक्स ट्रेडर्स का कहना है कि ज्यादातर समय भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से कोई खास दखल न देना भी बाजार पर दबाव बना रहा था। रुपये की इस कमजोरी का असर सिर्फ शेयर बाजार या विदेशी मुद्रा व्यापारियों तक ही सीमित नहीं है। यह अब आम भारतीय परिवारों को भी प्रभावित कर रहा है, चाहे वह पेट्रोल-डीजल के दाम हों, ईएमआई, बच्चों की ट्यूशन फीस हो या फिर विदेश यात्रा का खर्च।



कैसे पड़ेगा आम आदमी पर असर?

भारत अपनी 90 प्रतिशत तेल की जरूरतें आयात करता है। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक्स, उर्वरक और खाने के तेल जैसी जरूरी चीजों के लिए भी हम विदेशी सप्लायर्स पर निर्भर हैं। जब रुपया कमजोर होता है, तो इन सभी आयातित चीजों की कीमतें बढ़ जाती हैं। यानी अधिक मात्रा में डॉलर चुकाने होते हैं। इसका सीधा मतलब है कि आपका अगला आईफोन, फ्रिज या कार खरीदना महंगा हो सकता है। जो छात्र विदेश में पढ़ाई कर रहे हैं, उन्हें साल 2023 की तुलना में सालाना 5 से 10 लाख रुपये ज्यादा खर्च करने पड़ सकते हैं।

रुपये में गिरावट के 3 कारण

- ➔ अमेरिका के साथ व्यापारिक तनाव: हाल ही में अमेरिका के साथ व्यापार वार्ताएं असफल रहीं। अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर टैरिफ बढ़ा दिए हैं, कुछ तो 50 प्रतिशत तक। इससे भारतीय व्यवसायों का भरोसा डगमगा गया है।
- ➔ निवेशकों का पलायन: भारत में महंगाई और जीडीपी ग्रोथ स्थिर होने के बावजूद, विदेशी निवेशकों ने साल 2025 में भारतीय शेयर मार्केट से 17 अरब डॉलर निकाल लिए हैं। इससे रुपये पर दबाव बढ़ा है।
- ➔ आरबीआई की नीति में बदलाव: अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की विनियम दर व्यवस्था को स्थिर से बढ़ाकर रंगेने जैसी श्रेणी में डाल दिया है। इसका मतलब है कि अब भारतीय रिजर्व बैंक रुपये को बचाने की कोशिश करने के बजाय।

भारत की तेज बढ़ती आर्थिक रफ्तार ग्लोबल पावरशिफ्ट की शुरुआत

पश्चिमी मीडिया ने कहा- यह कृत्रिम नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी टैरिफ को बेअसर करते हुए दूसरी तिमाही में भारतीय जीडीपी की 8.2 प्रतिशत वृद्धि, विनिर्माण व सेवाओं में उछाल व घरेलू मांग की मजबूती ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर मोड़ दिया है। पश्चिमी और खाड़ी देशों के मीडिया समूहों ने इसे ग्लोबल पावरशिफ्ट की शुरुआत बताया है, जहां अमेरिका-चीन की धीमी आर्थिक रफ्तार के बीच भारत सबसे तेजी से उभरती शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है। यह तेज भागती आर्थिक रफ्तार कृत्रिम नहीं बल्कि लंबे समय से किए गए प्रयासों का परिणाम है। अमेरिकी मीडिया ग्रुप्स ने लिखा, भारत की वृद्धि दर लगातार 6 तिमाहियों तक 7 प्रतिशत से अधिक रहना विश्व अर्थव्यवस्था में दुर्लभ है।



7.9 प्रतिशत होना आर्थिक उछाल की बड़ी वजह है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने लिखा, भारत में उपभोक्ता खर्च, उत्सव सीजन की मांग व विनिर्माण उद्योग में भरोसा दिखाता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था रिकवर नहीं, बल्कि पुनर्निर्माण कर रही है। यूरोपीय आर्थिक विशेषज्ञों ने कहा, भारत की वृद्धि कृत्रिम नहीं बल्कि वास्तविक मांग आधारित है। दूसरे देशों की तुलना में भारत की महंगाई नियंत्रित, रोजगार बाजार स्थिर और कॉरपोरेट निवेश से संकेत मिलते हैं कि भारतीय विकास मॉडल लंबे समय तक टिकाऊ रहेगा।

डिजिटल बैंकिंग नियम 1 जनवरी से लागू होंगे

बैंकों की मंजूरी प्रक्रिया सख्त होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने जुलाई में जारी मसौदे पर उद्योग की प्रतिक्रिया के बाद, डिजिटल चैनलों के माध्यम से बैंक सेवाएं देने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। ये नियम 1 जनवरी 2026 से लागू होंगे। इनके तहत बैंकों की मंजूरी प्रक्रिया सख्त होगी, अनुपालन और ग्राहक सुरक्षा आवश्यकताएं बढ़ेंगी और खुलासे तथा शिकायत निवारण के मानक मजबूत होंगे।

ये नियम उन बढ़ती शिकायतों के जवाब में आए हैं जहां बैंक ग्राहकों पर इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं का लाभ लेने या कार्ड सक्रिय करने के लिए मोबाइल ऐप डाउनलोड करने का दबाव डाल रहे थे। यह नियम ऐसे समय में आए हैं जब नियामक ग्राहक अनुभव पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और सेवाओं के बंडलिंग (एक साथ थोपने) को रोकने के लिए बैंकों पर कार्रवाई कर रहा है।



डिजिटल बैंकिंग चैनल क्या हैं? : डिजिटल बैंकिंग चैनल वेमाध्यम हैं जिनके जरिए बैंक इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और अन्य इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म पर सेवाएं देते हैं। इनमें पूर्ण लेन-देन वाली बैंकिंग सुविधाएं (जैसे ऋण, फंड ट्रांसफर) और केवल देखने वाली सुविधाएं (जैसे बैलेंस चेक करना, स्टेटमेंट डाउनलोड करना) शामिल हैं।

नए नियम किन पर लागू होंगे?

उद्योग ने इन दिशा-निर्देशों को गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और फिनटेक तक बढ़ाने की मांग की थी, लेकिन आरबीआई ने इन्हें केवल विभिन्न श्रेणियों के बैंकों तक सीमित रखा है। हालांकि, अगर बैंक किसी तीसरे पक्ष या फिनटेक को सेवाएं आउटसोर्स करते हैं, तो उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि वे सेवाएं मौजूदा नियमों का पालन करें। डिजिटल बैंकिंग सेवाएं देने के लिए क्या मंजूरी चाहिए? : कोई भी बैंक जिसके पास कोर बैंकिंग सॉल्यूशन और इंटरनेट प्रोटोकॉल वर्जन 6 टैफिक को संभालने में सक्षम सार्वजनिक आईटी बुनियादी ढांचा है, वह केवल देखने वाली डिजिटल बैंकिंग सेवाएं दे सकता है, लेकिन लेन-देन वाली डिजिटल बैंकिंग शुरू करने के लिए आरबीआई की पूर्ण मंजूरी जरूरी होगी। बैंकों को कई अतिरिक्त शर्तें पूरी करनी होंगी, जैसे पर्याप्त वित्तीय और तकनीकी क्षमता, साइबर सुरक्षा अनुपालन का मजबूत रिकॉर्ड और मजबूत आंतरिक नियंत्रण। बैंकों के लिए क्या नियम हैं?

नवरत्न कंपनी को मिला 145 करोड़ रुपये का काम

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरत्न कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर गुरुवार को तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर गुरुवार को ऋद्धि में उछाल के साथ 316.40 रुपये पर जा पहुंचे हैं। रेल कंपनी के शेयरों में यह तेजी एक ऑर्डर मिलने के बाद आई है। रेल विकास निगम लिमिटेड को सदर्न रेलवे (दक्षिण रेलम) से एक लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस मिला है। यह ऑर्डर एक ट्रेडशन पावर प्रोजेक्ट के लिए है। यह प्रोजेक्ट 145.35 करोड़ रुपये का है। रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयरों में पिछले पांच साल में 1200 पैसेट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। रेल विकास निगम लिमिटेड को मिले इस कॉन्ट्रैक्ट में सलेम डिवीजन के जोलारपेट्टई-सलेम सेक्शन में स्कॉट-कनेक्टेट ट्रेडशन सबस्टेंशंस, पावर कॉलिटी इक्विपमेंट, स्विचिंग पोस्ट्स, एक 2-25 केवी फीडिंग सिस्टम और ऑटोमेटिक फॉल्ट लोकैटर सिस्टम्स के डिजाइन, सलाह, टैस्टिंग और कमीशनिंग का काम है। यह प्रोजेक्ट, इंडियन रेलवे के मिशन 3000 एमटी फ्रेट-लॉडिंग टारगेट से जुड़ा हुआ है। रेल विकास निगम लिमिटेड ने बताया है कि इस प्रोजेक्ट को 540 दिन में पूरा किया जाना है। 1200 प्रतिशत से ज्यादा उछाल गए हैं।



चैटजीपीटी के मासिक सक्रिय यूजर्स किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक हैं। यह संख्या अमेरिका से भी लगभग 33 प्रतिशत अधिक है।

कंप्यूटिंग के विशाल भंडार तक पहुंचने की जरूरत

कांत ने कहा, भारत के उभरते एआई स्टार्टअप, जिनमें सर्वम एआई, धनी एआई और गैट एआई शामिल हैं। ये आधारभूत मॉडल बनाने की शुरुआत कर रहे हैं, लेकिन वैश्विक मानकों तक पहुंचने के लिए उन्हें उच्च-गुणवत्ता वाले डाटा और शक्तिशाली कंप्यूटिंग के विशाल भंडार तक पहुंच की जरूरत होगी।

बेफिक्र रिटायरमेंट लाइफ बिताने के लिए हर महीने कितनी रकम चाहिए?

दो करोड़ है तो भी ज्यादा खुश मत होइए

नई दिल्ली, एजेंसी। बहुत से लोग सोचते हैं कि रिटायरमेंट के लिए बस थोड़े से पैसे की जरूरत होगी, लेकिन असलियत कुछ और ही है। महंगाई आपकी आरामदायक जिंदगी को अचानक बहुत महंगा बना सकती है। Zactor के फाउंडर, CA अभिषेक वालिया ने बताया कि कैसे एक आम मिडिल-क्लास लाइफस्टाइल भी समय के साथ बहुत खर्चीली हो सकती है। उनकी कैलकुलेशन ने हजारों लोगों को चौंका दिया है, खासकर उन्हें जो सोचते हैं कि एक तय रकम से उनका भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। बताई बातों से पता चलता है कि जल्दी प्लानिंग करना कितना जरूरी है।

रिटायरमेंट लाइफ की अवधि वालिया ने एक ऐसा सवाल उठाया जिसे ज्यादातर लोग नजरअंदाज कर देते हैं: आप कितने साल रिटायरमेंट में जीना चाहते हैं? आजकल लोग 60 साल यानी



रिटायरमेंट के बाद 25 से 30 साल तक जी रहे हैं। इसलिए रिटायरमेंट फंड को उम्मीद से कहीं ज्यादा समय तक चलना होगा। 2 करोड़ रुपये का

फंड आज भले ही बड़ा लगे, लेकिन बढ़ती महंगाई के साथ यह पहले दशक को भी आराम से निकालने के लिए काफी नहीं होगा।

अभी का 50 हजार 30 साल बाद 2.87 लाख का

उन्होंने बताया है कि अभी आप 50,000 रुपये में महीने भर का खर्च चला लेते हैं। लेकिन 30 साल बाद ऐसा नहीं कर पाएंगे। वह हिसाब बताते हैं कि हर साल 6 प्रतिशत की स्टैटर्ड महंगाई दर के हिसाब से, 30 साल बाद वही 50,000 रुपये महीने का खर्चा बढ़कर 2,87,175 रुपये प्रति माह हो जाएगा। यानी, सिर्फ उसी लाइफस्टाइल को बनाए रखने के लिए साल भर में 34,46,095 रुपये लगेंगे। इसमें कोई फॉरेन होलिडे, कोई लक्जरी अपग्रेड या मेडिकल इमरजेंसी का खर्चा शामिल नहीं है। दो करोड़ का फंड भी कम पड़ेगा: सीए अभिषेक वालिया ने अपने एक दोस्त को हकीकत बताई, जिसने बड़े आत्मविश्वास से कहा था कि 60 साल के बाद शांति से जीने के लिए 2 करोड़ रुपये का रिटायरमेंट फंड काफी होगा। दोस्त को सही तस्वीर दिखाने के लिए, वालिया ने उसकी मौजूदा 50,000 रुपये की मंथली खर्च से शुरुआत की। यह एक आम मिडिल-क्लास लाइफस्टाइल का खर्चा था, जिसमें कुछ भी फालतू या लक्जरी नहीं था।



एली अवराम ने बताया 'हुमा डोल' के पीछे अपने सपनों की कहानी

बॉलीवुड और इंटरनेशनल म्यूजिक के फैंस के लिए 'हुमा डोल' एक यादगार म्यूजिक वीडियो बन गया है। यह गाना न सिर्फ अपने खूबसूरत संगीत के लिए चर्चा में है, बल्कि इसके पीछे की कहानी भी किसी सपने की तरह है। अभिनेत्री एली अवराम ने इंटरव्यू में अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि कैसे यह प्रोजेक्ट उनके लिए दो बड़े सपनों को सच करने जैसा रहा। एली अवराम ने कहा कि उन्होंने हमेशा चाहा था कि वह मोरक्को के सुपरस्टार गायक साद लमजारेंड के साथ किसी म्यूजिक वीडियो में काम करें। उनके लिए यह मौका लंबे समय से एक सपना बनकर रहा था। उन्होंने कहा, 'जब मैंने साद लमजारेंड का एक सुपरहिट अरबी गाना सुना था, तब से ही मन में यही इच्छा थी कि एक दिन उनके साथ काम करूँगी। यह सपना आखिरकार 'हुमा डोल' के जरिए सच हो गया।' गाने का एक साल पूरा होने पर जब उनसे यादों के बारे में पूछा गया, तो एली ने कहा कि उनके दिमाग में सेट की एनर्जी और उत्साह समेत कई यादें ताजा हो गईं। उन्होंने कहा, 'मेरे इस अनुभव ने दो सपनों को पूरा किया। पहला सपना तो साद लमजारेंड के साथ काम करने का था और दूसरा सपना था कि मैं किसी पुराने जमाने की कहानी में एक प्रिंसेस जैसा लुक अपनाकर अभिनय करूँ। 'हुमा डोल' ने मेरे इन दोनों सपनों को पूरा किया। मैं शूटिंग के दौरान सच में खुद को एक प्रिंसेस की तरह महसूस कर रही थी। बात करते हुए एली ने कहा, 'जब म्यूजिक वीडियो की टीम ने मुझे कास्ट करने के लिए संपर्क किया, तब एहसास हुआ कि बड़े सपने देखने से कभी डरना नहीं चाहिए। अगर आप अपने सपनों को लेकर गंभीर रहते हैं और उन्हें महसूस करने की इच्छा रखते हैं, तो एक दिन वह सच हो सकते हैं। मेरे इस अनुभव ने साबित कर दिखाया कि सपने सच में पूरे हो सकते हैं। 'हुमा डोल' गाने को लेकर एली ने बताया कि म्यूजिक वीडियो शूट करना उनके लिए किसी फिल्म बनाने से कम नहीं लगता, क्योंकि इसमें सिर्फ अभिनय ही नहीं, बल्कि परफॉर्मेंस और इमोशन भी देना पड़ता है।



12 दिसंबर को हो रही रिलीज

साली मोहब्बत फिल्म उन दर्शकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है जो सस्पेंस, थ्रिलर और रहस्यपूर्ण कहानियों को पसंद करते हैं। यह 12 दिसंबर से जी5 पर स्ट्रीम होगी।

सिर्फ अपने किरदार का नहीं, पूरी फिल्म का खयाल रखते हैं कार्तिक

अनन्या पांडे ने अपनी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के को-स्टार कार्तिक आर्यन की प्रोफेशनलिज्म और सेट पर उनकी गर्मजोशी की खुलकर तारीफ की, और बताया कि उनके साथ काम करना हमेशा क्यों सुखद अनुभव होता है। इस सिलसिले में अनन्या ने कहा, मैं कार्तिक के आस-पास हमेशा बहुत कॉफर्टेबल महसूस करती हूँ। मुझे लगता है कि वह सेट पर मेरा बहुत ध्यान रखते हैं, क्योंकि मुझे पता होता है कि वह सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि अपने किरदार, अपनी टीम और फिल्म के साथ सबके लिए सोचते हैं। उन्होंने सेट पर बने मजेदार और सहयोगपूर्ण माहौल के बारे में भी बताया—उनके साथ सीखने को बहुत कुछ मिलता है। माहौल हमेशा मजाकिया और हल्का-फुल्का रहता है। ज्यादा गंभीरता नहीं होती, और हर कोई अपनी राय वैशिष्ट्य दे सकता है। सच कहूँ तो सात साल बाद भी उनके साथ काम करके वही खुशी महसूस हुई, जो पति पत्नी और वो के दौरान हुई थी। अनन्या की बातों कार्तिक की अपने काम, अपनी टीम और पूरी फिल्म के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं और यही वजह है कि 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' प्रशंसकों के बीच पहले से ही बेहद चर्चा का विषय बन गई है।



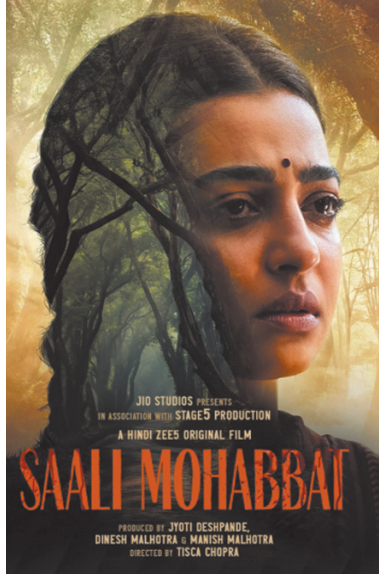
राधिका आप्टे की सस्पेंस थ्रिलर साली मोहब्बत सीधे ओटीटी पर

ओटीटी पर अच्छी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार करने वाले फैंस के लिए एक अच्छी खबर है। राधिका आप्टे की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म साली मोहब्बत का अब वो घर बैठे ही लुत्फ उठा सकते हैं। एक ऐसी कहानी जिसमें कहानी के साथ सस्पेंस और भी गहरा हो जाता है और दर्शक आखिरी तक कहानी से बंधे रहते हैं। जायें, किस दिन और कहाँ हो रही रिलीज।

राधिका आप्टे सस्पेंस थ्रिलर साली मोहब्बत ओटीटी पर फिल्मों के शौकीनों के लिए एक अच्छी खबर है। राधिका आप्टे की सस्पेंस थ्रिलर साली मोहब्बत अब सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म 55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई) में प्रीमियर हो चुकी है और अब आम दर्शक भी इसे अपने घर पर आराम से देख पाएंगे। फिल्म को टिस्का चोपड़ा ने डायरेक्ट किया है, वहीं जियो स्टूडियोज और मनीष मल्होत्रा के स्ट्रेज5 प्रोडक्शन ने मिलकर इसका निर्माण किया है।

सस्पेंस थ्रिलर साली मोहब्बत की कहानी

फिल्म की कहानी छोटे से शहर में रहने वाली



स्मिता (राधिका आप्टे) के इर्द-गिर्द घूमती है। वह शांत जीवन जीती है, लेकिन उसकी जिंदगी जैसी दिखती है, वैसी नहीं है। अचानक शहर में एक दोहरे हत्याकांड के बाद उसकी दुनिया हिल जाती है। धीरे-धीरे वह झूठ, बेवफाई, विश्वासघात और हत्या के जाल में उलझती जाती है। जांच के दौरान पता चलता है कि इस केस में कोई भी इंसान वैसा नहीं, जैसे दिखता है। कहानी स्मिता में उलझ जाती है तनाव, छिपे हुए रिश्ते, और पुराने मकसद सामने आते हैं। स्मिता को न केवल शहर में फैलते अराजकता का सामना करना पड़ता है, बल्कि अपनी मानसिक परेशानी से भी जूझना पड़ता है। अंत तक दर्शकों को यह जानने की उत्सुकता बनी रहती है कि क्या स्मिता केवल एक दर्शक है, या सच में वह कुछ बड़ा छुपा रही है।

प्रभास के साथ थिरकेगी हुमा कुरैशी, स्पिरिट में करेगी आइटम सॉन्ग!

मशहूर एक्टर प्रभास और तुषि डिमरी की अदाकारी वाली फिल्म स्पिरिट का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगी कर रहे हैं। इसमें पहली बार प्रभास पुलिस अफसर का रोल कर रहे हैं, वहीं विवेक ओबेरॉय विलेन का रोल कर रहे हैं। हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो गई है। फैंस लंबे समय से फिल्म स्पिरिट का इंतजार कर रहे थे। ऐसे में खबर आ रही है कि इस फिल्म से बॉलीवुड की एक और मशहूर अभिनेत्री जुड़ रही हैं, वह इसमें आइटम सॉन्ग करती नजर आएंगी।

स्पिरिट में होगा आइटम सॉन्ग

फिल्म स्पिरिट की चर्चाओं का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इससे जुड़ी कोई भी छोटी खबर सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती है। खबर है कि संदीप रेड्डी वांगी ने स्पिरिट में एक आइटम सॉन्ग प्लान किया है। आमतौर पर बॉलीवुड में

जैकलीन, नोरा फतेही, मलाइका अरोड़ा जैसी आइटम गर्ल्स ने ही तेलुगु में आइटम सॉन्ग किए हैं। हालांकि इस बार ऐसी हीरोइन की जगह आइटम सॉन्ग के लिए किसी अनएक्सपेक्टेड हीरोइन को कास्ट करने की बात हो रही है। फिल्म स्पिरिट में जिस अभिनेत्री को कास्ट करने की बात हो रही है, वह कोई और नहीं बल्कि हुमा कुरैशी हैं। हुमा कुरैशी तेलुगु और तमिल में फिल्म काला से जानी जाती हैं। वह प्रभास के साथ स्पिरिट में नजर आएंगी। हुमा कुरैशी ने इस फिल्म के लिए हां कर दी है। प्रभास की फिल्मों और आइटम सॉन्ग का अलग ही कनेक्शन है। उनकी कई फिल्मों में दर्शकों ने आइटम सॉन्ग पसंद किया है। इसी वजह से संदीप रेड्डी वांगी ने स्पिरिट में एक आइटम सॉन्ग प्लान किया है। वांगी अपनी फिल्म में ग्लैमरस का तड़का लगा रहे हैं। अब देखना होगा कि उनका यह प्लान कितना कामयाब होगा।



10 साल बाद होने वाली है रणबीर-दीपिका की साथ में वापसी

अयान अपनी डायरेक्शन का जादू बिखेरने वाले हैं, कमाल की बात है उनकी फिल्म में 10 साल बाद रणबीर कपूर और दीपिका साथ नजर आने वाले हैं।

राज कपूर और नरगिस की फिल्म 'चोरी चोरी' से इस्पायर्ड फिल्म बना रहे हैं। बॉलीवुड में फिर एक बड़ा धमाका होने वाला है, क्योंकि करीब दस साल बाद रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। दोनों की जोड़ी को हमेशा ही दर्शकों का खास प्यार मिला है और अब खबर है कि डायरेक्टर अयान मुखर्जी ने इन दोनों को अपनी अगली फिल्म के लिए एक साथ कास्ट करने का मन बना लिया है। दिलचस्प बात यह है कि यह नई फिल्म पुराने जमाने की सुपरहिट फिल्म 'चोरी चोरी' से इस्पायर होगी, लेकिन इसे बिल्कुल नए अंदाज में इसकी कहानी बयां होगी। अयान मुखर्जी इस फिल्म को एक खूबसूरत रोमांटिक और हल्की-फुल्की कहानी के रूप में बनाया चाहते हैं, जिसमें प्यार, तकरार और भावनाओं का मेल देखने को मिलेगा। रणबीर और दीपिका की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री हमेशा से ही कमाल रही है। उनकी पिछली फिल्मों ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कारोबार किया था, बल्कि दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी थी। यही वजह है कि दोनों की जोड़ी का फिर से लौटना, फैंस के लिए किसी बड़े सरप्राइज से कम नहीं है।



फिल्म इंडस्ट्री सिर्फ कनेक्शन से काम नहीं मिलता

राशि ने 2013 में मद्रास कैफे से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके अगले ही साल 2014 में उन्होंने साउथ सिनेमा में दस्तक दी। देखते ही देखते वह तेलुगु, मलयालम और तमिल फिल्मों का जाना-माना चेहरा बन गईं। जबकि बॉलीवुड में भी वह तेजी से कदम जमा रही हैं। शाहिद कपूर संग फर्जी वेब सीरीज, सिद्धार्थ मल्होत्रा संग योद्धा और अजय देवगन की सीरीज रुद्र के बाद राशि खन्ना इन दिनों फरहान अख्तर की फिल्म 120 बहादुर से चर्चा में हैं। खास बातचीत में उन्होंने अपने क्राफ्ट और इंडस्ट्री में काम को लेकर बेबाक राय साझा की। उन्होंने बॉलीवुड के दिग्गजों से लेकर साउथ में पवन कल्याण और धनुष जैसे सितारों के साथ काम करने के अनुभव पर बात की। साथ ही साफ शब्दों में यह भी कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में सिर्फ कनेक्शन के बूते काम नहीं मिलता है।

आपके लिए स्क्रीन स्पेस कितना मायने रखता है?

हमारे डायरेक्टर रेजी सर

(रजनीश घई) ने जब मुझे अप्रोच किया था, तभी बता दिया था कि इसका स्क्रीन स्पेस इतना लंबा नहीं है, मगर इंपैक्ट बहुत है, तो मैंने कहा— मुझे स्क्रीन स्पेस से इतना फर्क नहीं पड़ता, इंपैक्ट होना चाहिए। मेरे लिए स्क्रीन स्पेस वाकई मायने नहीं रखता। रोल अच्छा लिखा होना चाहिए और याद रहना चाहिए। किरदार लंबा ही हो, पर कुछ प्रभाव न छोड़े तो उसका होना या न होना बराबर है। इसलिए, मैंने यह फिल्म की, क्योंकि मैंने यह कहानी नहीं सुनी थी तो मुझे लगा कि ऐसी कहानियां सुनाना बहुत जरूरी है, जिससे लोगों को पता चले कि हमारी आजादी के लिए हमारे जवानों ने कितनी कुर्बानी दी है। ये कहानियां ही मुझे याद दिलाती हैं कि मैं एक्टर क्यों बनी।

आपने पवन कल्याण, धनुष, अजय देवगन, शाहिद कपूर, फरहान अख्तर जैसे कई बड़े एक्टरों के साथ काम किया है। किसी के साथ शुरू में नर्वसनेस थी?

बॉन्डिंग किसके साथ सबसे अच्छी बनी? सच कहूँ तो नर्वसनेस किसी के साथ नहीं थी, क्योंकि मैं कभी भी फिल्मी बच्ची नहीं थी, तो मैं

स्टार स्ट्रक कभी नहीं रही। मुझे ये भी लगता है कि अगर मैं उनके स्टारडम से प्रभावित हो जाऊंगी तो मेरे काम पर असर पड़ेगा। थोड़ी नर्वस मैं पवन कल्याण सर के साथ थी, क्योंकि उनका ऑर्गना ही ऐसा है। बाकी, मैं जब कॉलेज में थी तो मेरी बहुत सारी दोस्तों को शाहिद कपूर पर क्रश था, तो फर्जी के टाइम मैंने उनको बताया कि मेरी कई दोस्तों को आप पर क्रश था कि जब आपकी शादी हुई तो उनका दिल टूट गया। रही बात बॉन्डिंग की, तो मैं सेट पर दोस्त बनाने भी नहीं जाती हूँ, काम करने जाती हूँ। मेरे दोस्त सेट से बाहर हैं, तो सेट पर मैं उनकी ही बातचीत करती हूँ, जितना प्रोफेशनली होना चाहिए। बाकी, अच्छा मुझे सबके साथ काम करके लगा।

इंडस्ट्री के लिए कहा जाता है कि यहां कनेक्शन बनाने चाहिए, पार्टी-सोशल मीडिया हर जगह दिखना चाहिए, आप ये सब कुछ फॉलो नहीं करती?

बिल्कुल नहीं। मुझे इतने साल में यह समझ आ गया है कि मुझे क्या करना है। अगर आपकी अपने क्राफ्ट पर पकड़ है ना, तभी आप यहां टिकोगे। बाकी ये सारी चीजें बस शोर हैं और

शोर का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है। उससे कुछ नहीं मिलेगा। ठीक है कि आप दिखेंगे, तो उससे ज्यादा से ज्यादा आपको ब्रैंड्स मिल जाएंगे पर मूवी आपको तभी मिलेगी जब आप अपने क्राफ्ट में भी अच्छे हैं। मुझे यह भी नहीं लगता कि कनेक्शन बनाने से पिछरे मिलती हैं। मैं इंट्रोवर्ट हूँ, सोशल जगहों पर बहुत सहज नहीं हो पाती। इसलिए, मैं अपना काम बहुत अच्छे से करती हूँ और यही मायने रखता है।

साउथ सिनेमा में एक्ट्रेस के ऑब्जेक्टिविफिकेशन पर क्या राय है?

देखिए, मुझे मेरी लिमिट पता है कि मैं क्या कर सकती हूँ और क्या नहीं। कुछ लोग सहज होते हैं, मैं कुछ चीजें करने में सहज नहीं हूँ। लेकिन मुझे लगता है कि ये चीजें सब्जेक्टिव होती हैं। हो सकता है कि जो चीजें मुझे छिछली लग रही हैं वो आपको न लगे। बाकी, औरतों का ऑब्जेक्टिविफिकेशन तो हर इंडस्ट्री में है। ऐसा नहीं है कि किसी एक इंडस्ट्री में है। यह आपको चुनना है कि आप किस चीज में कितने सहज हैं। जैसे मुझे अपनी लिमिट पता है।

संन्यास के बाद रोहित शर्मा की अब इस टी20 टीम से खेलने की इच्छा

हिटमैन कब उतर सकते हैं मैदान पर?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम को अपनी कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप 2024 में चैंपियन बनाने के बाद रोहित शर्मा ने टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया था। हालांकि, आईपीएल में उसके बाद भी हिटमैन का जलवा देखने को मिला। अब ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है कि आईपीएल के अलावा रोहित शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में मुंबई की टीम के लिए खेलने की इच्छा जताई है। रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की तरफ से यह जानकारी सामने आई है कि रोहित शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी की टीम के लिए खेलने की इच्छा जताई है। टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने बताया, 'रोहित ने मुंबई के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के नॉक आउट राउंड में खेलने की इच्छा जताई है।'



शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी की टीम के लिए खेलने की इच्छा जताई है। टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने बताया, 'रोहित ने मुंबई के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के नॉक आउट राउंड में खेलने की इच्छा जताई है।'

हिटमैन कब उतर सकते हैं मैदान पर?

रोहित शर्मा वर्तमान में साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत की वनडे टीम का हिस्सा हैं। 16 दिसंबर को इस सीरीज के खत्म होने के बाद वह अगले महीने तक इंटरनेशनल क्रिकेट से फ्री हैं। इसके बाद जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। इस बीच वह इंडोअर में 12 से 18 दिसंबर तक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में होने वाले मुंबई के नॉक आउट मुकाबलों में नजर आ सकते हैं। मुंबई की टीम का मौजूदा टूर्नामेंट में बात करें तो अभी तक शानदार प्रदर्शन रहा है। टीम ने अपने शुरुआती चारों मुकाबले जीते हैं और एलीट स्ट्रेज में ग्रुप ए की अंकतालिका में टॉप पर है। अब पांचवें मुकाबले में टीम का सामना केरल से हो रहा है। टीम की मौजूदा स्थिति देखते हुए नॉक आउट में एंटी लगभग तय मानी जा रही है।

लिविंगस्टोन का शारजाह में तूफानी धमाका

एक ओवर में ठोके 5 छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में लियाम लिविंगस्टोन ने वह कर दिखाया जिसे देखकर



दर्शक भी दंग रह गए। इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज ने अपने पहले ही मैच में विश्व आईएलटी-20 लीग का रंग जमा दिया। अबू धाबी नाइट्स राइडर्स के लिए खेलते हुए लिविंगस्टोन ने सिर्फ 38 गेंदों पर 82 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 8 छक्के और 2 चौके शामिल थे। उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम ने

233/4 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो इस लीग के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है।

आखिरी ओवर में मचा कहर

लिविंगस्टोन की पारी का सबसे रोमांचक हिस्सा आखिरी ओवर रहा। ड्वेन प्रीटोरियस गेंदबाजी करने आए और पहली गेंद खाली निकालकर राहत की सांस ही ले रहे थे कि अगले ही पलों में उनका सब टूट गया। लिविंगस्टोन ने दूसरी से छठी गेंद तक लगातार 5 छक्के जड़कर ओवर में 33 रन कूट दिए। इस ओवर ने न सिर्फ उनकी पारी को नई ऊंचाई दी, बल्कि मैच का पूरा मोमेंटम भी नाइट्स राइडर्स के पक्ष में कर दिया। शुरुआत से लेकर अंत तक बुधाधार बैटिंग-लिविंगस्टोन के पहुंचने से पहले एक्सेस हेल्स (32) और अलीशान शराफू (34) ने टीम को तेज शुरुआत दी। नंबर 4 पर आए लिविंगस्टोन ने शुरुआत से ही बड़ा शॉट खेलना शुरू कर दिया। बीच के ओवरों में शेरफेन रदरफोर्ड ने भी 27 गेंदों में 45 रन बनाकर बढ़िया साथ दिया और दोनों ने मिलकर स्कोरबोर्ड को चौगुनी रफ्तार दे दी।

359 का इनइनाता टारगेट...

और भारतीय गेंदबाजी का सिस्टम क्रैश!

नई दिल्ली, एजेंसी। 358 रनों का पहाड़ खड़ा किया भारत ने, लेकिन जैसे ही दक्षिण अफ्रीका ने 359 का पीछा शुरू किया, गेंदबाजी रास्ते में कहीं खो गई। विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड़ ने एक के बाद एक शतक ठोककर ऐसा बल्लेबाजी तमाशा पेश किया कि लगा मैच भारत के कब्जे में है। फिर भी क्रिकेट की यही



खुबसूरती है- जब रन बड़े हों, तब भी जीत सुनिश्चित नहीं होती। दक्षिण अफ्रीका ने 359 का पीछा नहीं किया, उसका आनंद लिया। एडेन मार्करम का शतक भारतीय गेंदबाजों की बेबसी पर बयान था, जबकि मैथ्यू ब्रीटजके और डेवाल्ड ब्रेविस ने रन ऐसे बटोरे जैसे उन्हें रोकने का कोई सवाल ही नहीं। गेंदबाजी की हर

योजना, हर बदलाव और हर ओवर... साउथ अफ्रीका के आत्मविश्वास के सामने फीका पड़ता गया। पूरे मैच में भारतीय गेंदबाजी न तो डर पैदा कर पाई, न ब्रेकथ्रू और न कोई ऐसा स्पेल फेंक सकी, जिसमें मैच का रुख पलटने की उम्मीद जगे। शुरुआत से ही गेंदबाज लाइन-लेंथ तलाशते ही रह गए और साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज बेरहमी से रन बटोरते रहे।

अर्जुन ने विश्वनाथन आनंद को दी मात

22 साल के युवा ग्रैंडमास्टर ने जेरुशलम मास्टर्स का जीता खिताब



नई दिल्ली। भारत के 22 वर्षीय युवा ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने जेरुशलम मास्टर्स के फाइनल में हमवतन और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को हराकर सभी को हैरान कर दिया है। इस शानदार जीत के बाद अर्जुन ने जेरुशलम मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का

खिताब जीता। इन दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती रैंपिड गेम झूँ किए। इसके बाद एरिगैसी ने पहले ब्लिट्ज टाईब्रेक मैच में सफेद मोहरों से जीत हासिल कर निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। संन्यास के बाद रोहित शर्मा की अब इस टी20 टीम से खेलने की इच्छा, जाने हिटमैन कब उतर

सकते हैं मैदान पर? 'चेसबेस डॉट कॉम' की रिपोर्ट के अनुसार 22 वर्षीय अर्जुन एरिगैसी दूसरे ब्लिट्ज मुकाबले में भी जीत हासिल करने के करीब पहुंच गए थे लेकिन आखिर में उन्हें झूँ से ही संतोष करना पड़ा था। लेकिन यह उनके लिए 2.5-1.5 से मुकाबला और खिताब जीतने के लिए पर्याप्त था।

'यह जीत आसान नहीं थी...'

अर्जुन एरिगैसी ने इस बेहतरीन जीत के बाद कहा, "यह जीत आसान नहीं थी। मेरे सामने कई चुनौतियां थी और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं कर पाया। इसके बावजूद खिताब हासिल करके मैं बहुत खुश हूँ। आज के दोनों मुकाबले (पीटर स्विडलर और फिर आनंद के खिलाफ) काफी तनावपूर्ण रहे। आनंद सर के खिलाफ पहले गेम में हम दोनों ने मौके गंवाए। लेकिन मुझे लगता है कि ब्लिट्ज में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया।"

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

वैभव से नहीं बच पाए अर्जुन तेंदुलकर

4 छक्के, 4 चौके के साथ ठोक दिए 46 रन



नई दिल्ली। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बिहार और गोवा के मुकाबले में सभी की निगाहें वैभव सूर्यवंशी और अर्जुन तेंदुलकर की टक्कर पर जमीं थी। क्रिकेट फैस के जहन में सवाल था कि जब ये दोनों आमने-सामने होंगे तो कौन किस पर भारी पड़ेगा। अब जवाब सामने है। वैभव सूर्यवंशी और अर्जुन तेंदुलकर के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर का नतीजा आ चुका है।

वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ गोवा ने अपने 4 गेंदबाज आजमाए, जिसमें अर्जुन तेंदुलकर सबसे ज्यादा की स्ट्राइक रेट से पिछने वाले दूसरे

रिंकू ने दिखाया जलवा

रंक्रू सिंह इस मुकाबले में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और उन्होंने अनुभवी तेज गेंदबाज संदीप शर्मा को आड़े हाथों लिया। संदीप की 5 गेंदों पर उन्होंने 13 रन बनाए जिसमें एक छक्का और एक चौका शामिल है। निखिल शर्मा की गेंद पर भी उन्होंने सिक्स जड़ा। बता दें रिंकू सिंह को टी20 टीम से भी बाहर कर दिया गया है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ 9 दिसंबर से सीरीज शुरू हो रही है और रिंकू को इससे बाहर क्यों रखा गया इसकी वजह भी नहीं बताई गई है। रिंकू ने टीम इंडिया के लिए 40 से ज्यादा की औसत और 160 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं लेकिन उनके प्रदर्शन को अनदेखा कर दिया गया।

नेशंस लीग फुटबॉल

स्पेन ने जीता महिला नेशंस लीग का खिताब, फाइनल में जर्मनी को 3-0 से हराया



मैड्रिड, एजेंसी। एटलेटिको मैड्रिड के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लगभग 56,000 दर्शक मौजूद थे जो चेरलू मैदान पर स्पेनिश टीम के लिए एक रिकॉर्ड है। क्लाउडिया पिना के दो गोल की बदौलत स्पेन ने मंगलवार को महिला नेशंस लीग के फाइनल के दूसरे चरण में जर्मनी को 3-0 से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा। इन दोनों टीम के बीच फाइनल का पहला चरण गोलरहित बराबरी पर खूटा था। इस कारण दोनों टीम के लिए दूसरे चरण का मैच महत्वपूर्ण बन गया था। स्पेन ने शुरू से ही मैच पर दबदबा बना दिया था। उसकी तरफ से पिना के अलावा विक्की लोपेज ने भी गोल किया। स्पेन की टीम इस मैच में तीन बार की बैलन डीओर विजेता ऐताना बोनमाटी के बिना उतरी थी जो रविवार को अथ्यास के दौरान चोटिल हो गई थी। एटलेटिको मैड्रिड के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लगभग 56,000 दर्शक मौजूद थे जो चेरलू मैदान पर स्पेनिश टीम के लिए एक रिकॉर्ड है।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

वैभव से नहीं बच पाए अर्जुन तेंदुलकर



गेंदबाज रहे। वैभव सूर्यवंशी ने अर्जुन तेंदुलकर की 10 गेंदों का सामना अपनी इनिंग में किया, जिसमें उन्होंने 150 की स्ट्राइक रेट से 15 रन बनाए। वैभव सूर्यवंशी ने अर्जुन तेंदुलकर के खिलाफ ये रन 3 चौके के साथ एक डबल और एक सिंगल लेते हुए बनाए।

अर्जुन से भी ज्यादा बुरी तरह वैभव ने इस गेंदबाज को पीटा

वैभव सूर्यवंशी ने अर्जुन तेंदुलकर से भी ज्यादा की स्ट्राइक रेट से गोवा के जिस गेंदबाज को पीटा, वो दीपराज गांवकर रहे। वैभव ने अपनी इनिंग में दीपराज की 5 गेंदों पर 300 प्लस की स्ट्राइक रेट से 16 रन बनाए, जिसमें 2 छक्के और 1 चौका शामिल रहा। आखिर में वैभव सूर्यवंशी का विकेट लेने में भी कामयाबी दीपराज गांवकर को ही मिली।

23 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त

मिचेल स्टार्क बने टेस्ट इतिहास के सबसे सफल लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेले जा रहे पिंक-बॉल टेस्ट की पहली ही दिन रिकॉर्ड बुक को हिला दिया। इंग्लैंड के उप-कप्तान हैरी ब्रूक को आउट करते ही स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज बन गए। उन्होंने पाकिस्तान के महान गेंदबाज वसीम अकरम का 23 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

स्टार्क की रिकॉर्ड-ब्रेकिंग स्पेल- पहले दिन स्टार्क ने शुरुआत से ही इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर कहर बरपा दिया। पहली ओवर में बेन डकेट को गोल्डन डक पर चलता किया।



23 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

वसीम अकरम ने 104 टेस्ट में 414 विकेट लिए थे। स्टार्क ने यह उपलब्धि अपने 102वें टेस्ट में हासिल कर ली और वर्तमान में टेस्ट के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आंद्रे रसेल ने किया खुलासा, आईपीएल में सबसे मुश्किल गेंदबाज कौन?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल से संन्यास लेने के बाद केकेआर के दिग्गज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने अपने करियर का सबसे कठिन गेंदबाज चुनते हुए बड़ा खुलासा किया है। रसेल के मुताबिक, मुंबई इंडियंस के स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह ने हमेशा उन्हें चुनौती दी और उन्हें कई बार आउट भी किया।

‘मेरे क्रीज पर आते ही बुमराह गेंदबाजी करने लगते थे’ - सीजन 14 साल खेलने के बाद आईपीएल से रिटायर हुए 37 वर्षीय रसेल ने कहा कि बुमराह के खिलाफ बल्लेबाजी करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा। रसेल ने कहा, ‘आईपीएल में मेरे सामने आने वाले सबसे मुश्किल गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं। जैसे ही मैं बैटिंग करने आता हूँ, वह गेंद थमा देते हैं। उन्होंने मुझे कई बार आउट किया है, लेकिन मैंने भी उन्हें कुछ शानदार शॉट्स मारे हैं।



● बुमराह ने रसेल को आईपीएल में 4 बार किया आउट- जसप्रीत बुमराह ने रसेल को चार बार आउट किया है। रशिद खान, क्रिस मॉरिस और शार्दुल ठाकुर ने भी रसेल को 4-4 बार आउट किया है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में बोझ से थम रहा न्याय का पहिया! अदालतों में 6 साल में दोगुने हुए मुकदमे

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते छह वर्षों में जिला अदालतों पर काम का दबाव अभूतपूर्व रूप से बढ़ गया है। न्यायिक प्रणाली में सुधार के प्रयासों के बावजूद अदालतों में दायर होने वाले मुकदमों की संख्या इतनी तेजी से बढ़ी है कि मौजूदा संसाधन पर्याप्त नहीं दिख रहे हैं। नेशनल ज्युडिशियल डाटा ग्रिड के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2018 में जहां 4.84 लाख



मुकदमे दायर हुए थे, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 10.2 लाख तक पहुंच गई। इस वर्ष आज के दिन तक 8.33 लाख मुकदमे दायर हो चुके हैं। वर्तमान में जिला अदालतों में लगभग 700 न्यायाधीश तैनात हैं, जबकि लंबित मामलों का बोझ लगातार बढ़ रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, राजधानी की सात जिला अदालतों में 15,78,702 लाख मुकदमे लंबित हैं। जिसमें से 13,61,168 लाख आपराधिक और 2,17,534 लाख दीवानी मुकदमे हैं। स्थिति यह है कि लंबित मामलों में 94 फीसदी ऐसे मुकदमे हैं, जो साल 2018 के बाद दायर हुए, जबकि साल 2017 से पहले के केवल छह फीसदी मुकदमे अब भी लंबित हैं। हैरानी की बात यह है कि आज भी वर्ष 1969 के दो मामले लंबित पड़े हैं। लंबी न्यायिक प्रक्रिया का सबसे अधिक असर लोगों पर पड़ रहा है। वर्षों तक अदालतों के चक्कर काटने से न सिर्फ मानसिक और आर्थिक दबाव बढ़ता है, बल्कि कई मामले समय बीतने के साथ कमजोर भी पड़ जाते हैं। अधिवक्ता मनीष भट्टारिया ने बताया कि एनआई अधिनियम की धारा 138 के तहत कई मुकदमों में लोगों को अगली सुनवाई के लिए सात-आठ महीनों का इंतजार करना पड़ रहा है। इससे न सिर्फ अदालतों पर बोझ पड़ रहा है। वर्ष 2013 में पश्चिम विहार थाने में धोखाधड़ी, जालसाजी की धाराओं में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। फॉरेंसिक रिपोर्ट में देरी की वजह से 12 वर्ष बाद भी मुकदमे में आरोप तय नहीं हो सके हैं।

देश के 6.34 लाख से ज्यादा गांव मोबाइल कनेक्टिविटी से जुड़े



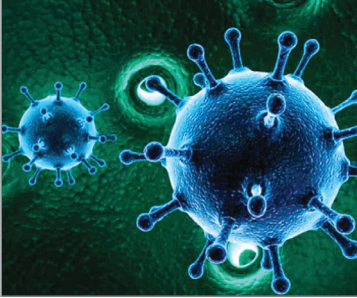
नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संचार और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डा. पेम्मासांनी चंद्रशेखर ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि ऑफिकल फाइबर केबल नेटवर्क मार्च 2018 के 17.5 लाख किलोमीटर से बढ़कर सितंबर 2025 तक 42.36 लाख किलोमीटर हो गया है, जबकि बेस ट्रांसीवर स्टेशनों की संख्या मार्च 2018 के 17.3 लाख से बढ़कर अक्टूबर 2025 तक 31.4 लाख हो गई है। इससे पिछले कुछ वर्षों में देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अक्टूबर 2025 तक, भारत के 6,44,131 गांवों में से 6,34,019 गांव मोबाइल कनेक्टिविटी से जुड़े हैं, जिनमें से 6,30,676 में 4जी सेवाएं हैं। इसके साथ ही ब्राडबैंड सस्क्रिप्शन सितंबर 2018 में 48 करोड़ से बढ़कर जून 2025 में 98 करोड़ हो गए हैं। इसके अतिरिक्त, 31 अक्टूबर, 2025 तक देश भर में 3.80 लाख पीएम-वाणी वार्ड-फाई हॉटस्पॉट स्थापित किए जा चुके हैं। मंत्री ने कहा कि देश में डाटा की खपत में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो सितंबर 2018 में प्रति ग्राहक प्रति माह 8.32 जीबी से बढ़कर सितंबर 2025 में 25.24 जीबी प्रति ग्राहक प्रति माह हो गई है, जबकि इसी अवधि के दौरान औसत वायरलेस डेटा शुल्क 10.91 रुपये प्रति जीबी से घटकर 8.27 रुपये हो गया है। पंचायतें केंद्र की भारतनंद परियोजना के तहत हार्ड-स्पीड इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए तैयार हो गई हैं।

दिल्ली के लिए कैंसर के आंकड़े डराने वाले हैं

2024 में भारत में 15.33 लाख से अधिक नए कैंसर के मामले दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। कैंसर, एक ऐसा शब्द या कहे एक ऐसी बीमारी जिसका नाम सुनते ही लोगों में दहशत फैल जाती है। न जाने कितने घर, कितने ही परिवार इस जानलेवा बीमारी के आगे नतमस्तक हो गए, सारी पूंजी लग गई, कभी जान बच गई तो कभी तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। भारत में कैंसर के मामले वाकई डराने वाले हैं। देश की राजधानी दिल्ली की ही बात करें तो यह बहुत ज्यादा है। साल 2024 में भारत में 15.33 लाख से अधिक नए कैंसर के मामले दर्ज किए गए। दिल्ली में अकेले 28,387 मामले सामने आए हैं। राज्यसभा में पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार 2024 में 15 लाख कैंसर मरीजों का ये आंकड़ा 2023 के 14.96 लाख और 2022 के 14.61 लाख मामलों से ज्यादा है। राजधानी दिल्ली में अकेले 2024 में 28,387 मामले सामने आए। यह आंकड़ा 2023 के 27,561 और 2022 के 26,735 मामलों से अधिक है। यह दिखाता है कि स्क्रീनिंग और इलाज की सुविधाओं के विस्तार के बावजूद, दिल्ली की कैंसर चिकित्सा सेवाओं (ऑकोलॉजी) पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

ट्रैक्शन-नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम के नए अनुमानों के मुताबिक, 2024 में उत्तर प्रदेश 2.21 लाख मामलों के साथ देश में



सबसे ऊपर है। इसके बाद, महाराष्ट्र (1.27 लाख), पश्चिम बंगाल (1.18 लाख), बिहार (1.15 लाख) और तमिलनाडु (98,386) का स्थान है। भले ही दिल्ली में मामलों की कुल संख्या बाकी राज्यों से कम हो, लेकिन जनसंख्या घनत्व के हिसाब से देखें तो दिल्ली के मामले अब भी सबसे अधिक मामलों में से हैं।

कैंसर विशेषज्ञ (ऑकोलॉजिस्ट) चेतावनी देते हैं कि जीवनशैली से जुड़े कारक, प्रदूषण और देर से पता लगाने के कारण शहर में कैंसर के मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वृद्धि भारत में जोखिम भरे माहौल में एक गहरे बदलाव को दर्शाती है। इंद्रप्रस्थ एपोलो अस्पताल में सीनियर कंसल्टेंट, मेडिकल ऑकोलॉजी के डॉ. अंकित जैन ने कहा कि अब अधिक मरीज कम उम्र में और

बीमारी की पिछली अवस्थाओं में आ रहे हैं, जो इस बात पर जोर देता है कि जोखिम का माहौल कितनी तेजी से बदल रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में, जहरीली हवा, तनाव, खराब खान-पान और कम स्क्रीनिंग (जांच) कैंसर को चुपचाप बढ़ने के लिए एक सही माहौल बना रहे हैं। वहीं, इलाज के लिए आने में देरी होने से कैंसर चिकित्सा सेवाओं पर लगातार दबाव बना हुआ है।

जीवनशैली से जुड़े जोखिमों पर आगे विस्तार करते हुए, फोर्टिस मानेसर की मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. पूजा बब्बर ने कहा कि लंबे समय तक काम करना, कम शारीरिक गतिविधि, प्रसंस्कृत भोजन पर बढ़ती निर्भरता और तंबाकू और शराब का बढ़ता उपयोग कैंसर के जोखिम को तेजी से बढ़ा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली की खराब हवा की गुणवत्ता विशेष रूप से फेफड़ों के कैंसर के लिए जोखिम को और बढ़ा देती है। डॉ. बब्बर ने बताया कि कई कैंसर का पता अभी भी देर से चलता है क्योंकि लोग शुरूआती लक्षणों को अनदेखा कर देते हैं या डॉक्टर से सलाह लेने में देरी करते हैं। उन्होंने कहा, छोटे नियमित जीवनशैली में बदलाव और समय पर स्क्रीनिंग (जांच) बहुत बड़ा अंतर ला सकते हैं।

प्रदूषण पर सीएम रेखा गुप्ता सख्त

लापरवाही पर चालान के साथ होगी FIR की कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली में प्रदूषण को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को उच्चस्तरीय बैठक की। इसमें उन्होंने प्रदूषण को लेकर सख्ती बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वह प्रदूषण फैलाने वालों पर चालान के साथ एफआईआर की कार्रवाई करें। केवल निजी नहीं बल्कि सरकारी संस्थानों द्वारा लापरवाही बरतने पर उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने पीडब्ल्यूडी को भी 1400 किलोमीटर लंबी उनकी सड़कों को 72 घंटे के भीतर गड्ढे मुक्त बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी के प्रदूषण नियंत्रण को लेकर किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दिल्ली प्रदूषण कंट्रोल कमिटी (डीपीसीसी) को निर्देश दिए गए हैं कि प्रदूषण और सफाई में कोताही बरतने वाले सरकारी संस्थानों का चालान काटकर भारी जुर्माना वसूला जाए। इसके साथ ही बिना अनुमति रोड काटने और उसे न भरने वाले सरकारी संस्थानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि 311 ग्रीन ऐप को एक नोडल प्लेटफॉर्म के रूप में और अधिक सशक्त किया जा रहा है। ग्रीन वॉर रूम के माध्यम से गड्ढे, ब्राउन एरिया और



डस्ट हॉटस्पॉट्स की मॉनिटरिंग की जा रही है। वहीं बोएस- से नीचे के वाहनों पर कार्रवाई होगी। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विभाग प्रदूषण को लेकर जिम्मेदारी निभाने में लापरवाही बरत रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार की कोताही के लिए विभाग के प्रमुख को जिम्मेदार माना जाएगा। मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी को आदेश दिया है कि अपने अधीन आने वाली 1400 किलोमीटर सड़कों के सभी गड्ढों की पहचान कर उन्हें रिकॉर्ड समय में ठीक करें। डीडीए को आदेश जारी किए कि वह अपनी सड़कों पर सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद रखे और अपनी खाली पड़ी जमीनों से कूड़े को तुरंत हटाए। मेट्रो को कहा कि वह अपनी एलिवेटेड लाइनों के नीचे की सड़कों को तुरंत प्रभाव से ठीक करें और धूल नियंत्रण के लिए प्रभावी उपाय करें। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रदूषण नियंत्रण को लेकर एक एक्सपर्ट व उच्चस्तरीय कमिटी का गठन किया है।

विचारधीन कैदी को 55 तारीखों पर अदालत में पेश नहीं किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र पुलिस द्वारा एक विचारधीन कैदी को 85 तारीखों में से 55 तारीखों पर निचली अदालत में पेश नहीं किए जाने पर नाराजगी जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के कारागार महानिदेशक को जांच का आदेश दिया है और इसकी रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्ला और प्रशांत कुमार मिश्र की पीठ ने हत्या के प्रयास के एक मामले में आरोपित शशि उर्फ शाही चिकना विवेकानंद जुरमानी को जमानत दे दी, लेकिन इस तथ्य पर गंभीरता से विचार किया कि मुकदमा चलने के बावजूद उसे अदालत द्वारा दी गई 85 तारीखों में से 55 तारीखों पर अदालत में पेश नहीं किया गया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुई वकील सना रईस खान ने दलील दी कि उनके मुवकिल पर पीड़ित को चाकू से गोदने का आरोप है, जैसा कि गवाह द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर में बताया गया है।

पाकिस्तान बेवेगा सरकारी एयरलाइंस

इज्जत नीलामी में बोली लगाएगी आसिम मुनीर की फौजी कंपनी

इस्लामाबाद, एजेंसी।

कर्ज के बोझ और आईएमएफ की सख्त शर्तों से जकड़ा कंगाल पाकिस्तान अब अपनी राष्ट्रीय एयरलाइन पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) को बेचने जा रहा है। प्री-क्वालिफाइड चार बोलियों में फौजी फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड भी शामिल है, जो पाकिस्तानी सेना के नियंत्रित फौजी फाउंडेशन का हिस्सा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के हवाले से जारी बयान में कहा गया है कि पीआईए की बोली 23 दिसंबर 2025 को होगी और इसका सभी मीडिया चैनलों पर लाइव प्रसारण किया जाएगा।

डॉन अखबार के मुताबिक, पीआईए में 51 से 100 प्रतिशत तक हिस्सेदारी का विनिवेश आईएमएफ के 7 अरब डॉलर के नए बेलआउट पैकेज की प्रमुख शर्तों में से एक है। जियो टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, निजीकरण मंत्री मुहम्मद अली ने पिछले महीने सेंपटर्स को बताया था कि इस साल निजीकरण से 86 अरब रुपये की कमाई का लक्ष्य रखा गया है। पीआईए की अंतिम

बोली में कुल आय का सिर्फ 15 प्रतिशत हिस्सा सरकार को मिलेगा, बाकी खरीदार कंपनी के पास रहेगा। डॉन के अनुसार, पीआईए का विनिवेश पिछले दो दशकों में पाकिस्तान का पहला बड़ा निजीकरण कदम होगा। बिक्री के लिए चार बोलियों को प्री-क्वालिफाइड किया गया है...लकी सीमेंट कंसोर्टियम, आरिफ हबीब कॉर्पोरेशन कंसोर्टियम, फौजी फर्टिलाइजर कंपनी लिमिटेड, एयर ब्यू बता दें कि फौजी फर्टिलाइजर, फौजी फाउंडेशन का हिस्सा है, जो आज पाकिस्तान का सबसे बड़ा कॉर्पोरेट साम्राज्य बन चुका है। उस देश में जहां सेना का हर क्षेत्र में दखल है, मौजूदा सबसे ताकतवर शक्तिशाली आर्मी चीफ जनरल असिम मुनीर फौजी फाउंडेशन के सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में सीधे तौर पर शामिल नहीं हैं, लेकिन वे क्वार्टरमास्टर जनरल की नियुक्ति करते हैं, जो फाउंडेशन के बोर्ड का अहम सदस्य होता है। इस तरह जनरल मुनीर संस्थागत नियंत्रण के जरिए फौजी फाउंडेशन पर अप्रत्यक्ष मगर पूरा प्रभाव रखते हैं।

विश्वास मत से पहले छोड़नी पड़ी कुर्सी

पद संभालने के 22 दिन बाद ही मधेश प्रदेश के सीएम सरोज का इस्तीफा

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल के मधेश प्रदेश में जारी सत्ता संकट एक नए मोड़ पर पहुंच गया। पद संभालने के 22 दिन बाद ही मुख्यमंत्री सरोज कुमार यादव को इस्तीफा देना पड़ा। विश्वास मत हासिल करने के लिए उनके पास संख्या बल कम पड़ गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने सरोज यादव को प्रदेश सभा का विश्वास मत हासिल करने का निर्देश दिया था। विश्वास मत हासिल होने की संभावना बेहद कम दिखने के बाद यादव ने प्रदेश सभा की बैठक में ही अपना इस्तीफा पेश कर दिया। विपक्षी दलों की अनुपस्थिति ने शक्ति परीक्षण को असंभव बना दिया था। बैठक में केवल नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के विधायक मौजूद थे। सरकार में शामिल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी की मंत्री कंचन बिच्छा व नेपाल संघीय समाजवादी पार्टी की मंत्री बिमला अंसारी भी

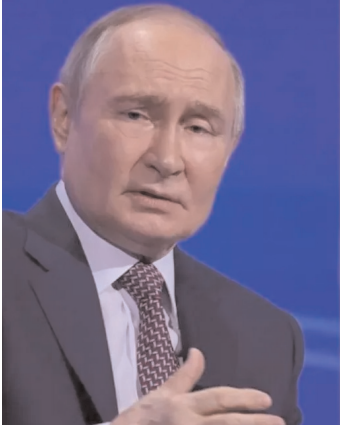
उपस्थित थे। अपने इस्तीफे से पहले सरोज यादव ने आरोप लगाया कि उनकी नियुक्ति बाध्य स्थिति में की गई थी, इसलिए विश्वास मत का सवाल ही नहीं उठता है। उन्होंने कहा, सरकार में रहते हमने जनता का काम किया। मेरी प्रतिबद्धता कुर्सी से नहीं विधानसभा के सदस्यों से है। लेकिन वे स्वयं ही सदन छोड़कर बाहर चले गए।

विवाद के बाद हटाए गए थे प्रदेश प्रभारी: सरोज यादव को पूर्व प्रदेश प्रमुख सुमित्रा सुवेदी भंडारी ने संविधान के अनुच्छेद 168 (3) के तहत सबसे बड़े दल के नेता के रूप में मुख्यमंत्री नियुक्त किया था। बर्दिबास के होटल पानस कोर्टेज में तड़के हुई यह नियुक्ति शुरू से विवादों में रही। विवाद के चलते संघीय सरकार ने प्रदेश प्रमुख भंडारी को पदमुक्त कर जनकपुर के सुरेंद्र लाभ कर्ण को नया प्रदेश प्रमुख नियुक्त करने की सिफारिश की थी।

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के यूक्रेन शांति प्रस्ताव पर रूस के राष्ट्रपति के साथ एक अच्छी बातचीत हुई है। ट्रंप ने दावा किया कि डेलीगेशन से बातचीत के दौरान पाया गया कि व्लादिमीर पुतिन भी युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं।

दरअसल, बुधवार को अमेरिका के विशेष दूत स्टीव वित्कोफ ने मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ पांच घंटे लंबी बातचीत की। ध्यान देने वाली बात है कि दोनों दिग्गजों की बातचीत साल 2022 में शुरू हुए रूस-यूक्रेन विवाद को खत्म करने पर केंद्रित थी। पुतिन भी समाप्त करना चाहते हैं युद्ध अमेरिकी



राष्ट्रपति ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पुतिन की कल जेरेड कुशनर और स्टीव वित्कोफ के



साथ बहुत अच्छी मीटिंग हुई। उस मीटिंग से क्या निकला, मैं आपको नहीं बता सकता क्योंकि टैगो के लिए दो लोगों की

जूरूरत होती है। उन्होंने आगे कहा वह (पुतिन) युद्ध खत्म करना चाहेंगे, ऐसा उसका मानना था। वहीं, क्रेमलिन के सीनियर सलाहकार यूरी उशाकोव ने बुधवार को कहा कि यह मीटिंग लड़ाई शुरू होने के बाद से वाशिंगटन और मॉस्को के बीच सबसे बड़ी बातचीत में एक थी। वहीं, इलाके के मुद्दों पर कोई समझौता नहीं हुआ है। ट्रंप ने कहा कि इस प्रतिनिधिमंडल ने समझौते के संभावित रास्तों पर विचार किया, लेकिन मुख्य विवाद अभी भी अनसुलझें हैं। ट्रंप ने दावा किया कि वह यूक्रेन के मसले को हल करने के करीब हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अभी काफी काम किया जाना है।

अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत लक्ष्मी मार्केट में चला बीएसएल का बुलडोजर



बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र प्रबंधन द्वारा संचालित अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार तेजी पकड़ता जा रहा है। इसी क्रम में आज बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर 4 स्थित लक्ष्मी मार्केट में नगर प्रशासन विभाग की टीम ने अतिक्रमण के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की। प्रबंधन के अनुसार, यह अभियान पहले से जारी नोटिसों के आधार पर चलाया जा रहा है, जिनमें



संबंधित दुकानदारों को अवैध निर्माण हटाने का निर्देश दिया गया था। आज पूर्वाह्न प्रशासन की टीम ने अतिक्रमित भूमि पर बने तीन होटलों को जेसीबी प्रबंध किए गए थे। मौके पर मजिस्ट्रेट की मौजूदगी के अलावा बीएसएल से जुड़े होमगार्ड जवान, सेक्टर 4 थाना प्रभारी संजय कुमार तथा बीएसएल प्रशासन के कई अधिकारी उपस्थित रहे। हालांकि, इस कार्रवाई से फुटपाथ दुकानदारों



स्थानीय लोगों के आवागमन में भी कठिनाई उत्पन्न हो रही थी, जिसके समाधान हेतु यह कदम आवश्यक था। अभियान के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से व्यापक प्रबंध किए गए थे। मौके पर मजिस्ट्रेट की मौजूदगी के अलावा बीएसएल से जुड़े होमगार्ड जवान, सेक्टर 4 थाना प्रभारी संजय कुमार तथा बीएसएल प्रशासन के कई अधिकारी उपस्थित रहे। हालांकि, इस कार्रवाई से फुटपाथ दुकानदारों



और छोटे व्यवसायियों में आक्रोश देखा गया। उनका कहना है कि अचानक की गई कार्रवाई से उनकी रोजी-रोटी पर असर पड़ा है। कई दुकानदारों ने वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने की मांग भी की है।बीएसएल प्रबंधन का कहना है कि शहर के सुचारु विकास और सुरक्षा के लिए अतिक्रमण हटाना अत्यंत आवश्यक है, और आगे भी यह अभियान चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा।

बोकारो में निर्मित होगी स्मार्ट सिटी, जिला प्रशासन एक्टिव मोड में कर रहा कार्य : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। स्मार्ट सिटी का सपना बोकारोवासियों के लिए जल्दी पूरा होगा। इसके लिए बीएसएल प्रबंधन के साथ मिलकर जिला प्रशासन बोकारो एक्टिव मोड में कार्य में जुट गया है। इस संदर्भ में गुरुवार को बीएसएल प्रबंधन के साथ उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में उपायुक्त के आवासीय कार्यालय गोपनीय शाखा में बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त अजय नाथ झा ने बीएसएल प्रबंधन को लगभग 600 एकड़ भूमि आवंटित करने के लिए प्रस्ताव दिया, जिस पर त्वरित प्रतिक्रिया व्यतीत करते हुए बीएसएल प्रबंधन ने प्रारंभिक तौर पर 600 एकड़ भूमि गरगा डैम एवं बोकारो स्टील सिटी रेलवे स्टेशन के बीच के खाली पड़े क्षेत्र को स्मार्ट सिटी निर्माण हेतु देने के लिए सहमति जताई। उन्होंने बीएसएल प्रबंधन की ओर से उपस्थित सीजीएम कुंदन कुमार को एक सप्ताह के अंदर सहमति पत्र जिला प्रशासन को सौंपने हेतु निर्देशित किया। तत्पश्चात बीएसएल की ओर से प्राप्त प्रस्ताव को राज्य सरकार को भेजा जाएगा।



एवं बीएसएल बस स्टैंड को विकसित करते हुए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किए जाएंगे। इसपर उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने कहा कि प्रस्तावित बस स्टैंड अत्यधिक सुविधाओं से युक्त यात्रियों के लिए आवागमन की दृष्टिकोण से बेहतर होगा। **भविष्य में ट्रांसपोर्ट नगर का किया जाएगा विकास –** ट्रांसपोर्ट नगर बसों एवं छोटी-छोटी गाड़ियों के ठहराव की दृष्टिकोण से बेहतर प्लानिंग के साथ तैयार किए जाएंगे। शहर के विकास की दृष्टिकोण से इसे फ्यूचर प्लान के रूप में निर्माण किया जाएगा। बैठक में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, अपर नगर आयुक्त चास नगर निगम संजीव कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, बीएसएल के सीजीएम कुंदन कुमार, अंचलाधिकारी चास रामसेवक एवं अन्य उपस्थित थे।

नशीले पदार्थों जैसी गैर कानूनी गतिविधियों पर रखें कड़ी नजर: उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में बोकारो हवाई अड्डा परिसर में डिस्ट्रिक्ट नारकोटिक्स कॉर्डिनेशन समिति की बैठक की गई। इस दौरान सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग सह प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा पिपूष ने नारकोटिक्स कॉर्डिनेशन समिति की पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बैठक के दौरान जिले में युवाओं को नशे की लत से बचाने एवं नशे के व्यापार में संलग्न लोगों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने को लेकर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने आवश्यक दिशा निर्देश दिया। वहीं, उपायुक्त ने एसडीओ, एसडीपीओ, सभी डीएसपी, सहायक आयुक्त उत्पाद एवं सभी औषधि निरीक्षक को पूरे जिले में योजनाबद्ध तरीके से दवा दुकानों आदि में सघन जांच अभियान चलाने एवं वैसी दवाएं जिनका इस्तेमाल नशे के लिए किया जाता है उसपर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया। उन दवाओं की बिक्री स्टॉक आदि से संबंधित प्रतिवेदन नियमित रूप से ससमय जिला स्तर पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध लगातार सघन छापामारी करने हेतु एसडीओ, सहायक आयुक्त उत्पाद, औषधि निरीक्षक को आवश्यक निर्देश दिए। मौके पर प्रशिक्षु वन प्रमंडल पदाधिकारी संदीप शिंदे, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, सिविल सर्जन डॉ



अभय भूषण प्रसाद, अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, पुलिस उपाधीक्षक नगर, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ सुमन गुप्ता, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री जगरनाथ लोहरा, राज्य कर पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल चौबे, औषधि निरीक्षक बोकारो सहित अन्य उपस्थित थे। **सभी एक्टिविटी की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी संबंधित पोर्टल पर अपलोड करें-** उपायुक्त अजय नाथ झा बोकारो को निषिद्ध मादक पदार्थों से मुक्त बोकारो निर्माण के लिए हर आवश्यक कदम उठाने को कहा। उन्होंने कहा कि इसे अभियान के रूप में ले तथा सफलता पाने के लिए जन अभियान में त्वदील करें। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले के सभी

विद्यालय/महाविद्यालय एवं विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से व्यापक जागरूकता अभियान चलाएं तथा सभी एक्टिविटी की फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी संबंधित पोर्टल पर अपलोड करें। **प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा-** उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि निषिद्ध मादक पदार्थों के विरुद्ध एक संयुक्त अभियान का प्रयास होनी चाहिए, जिसमें जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ आम जनता की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने इस अभियान में बेहतर कार्य करने वाले बच्चों, पुलिस कर्मियों एवं संबंधित अधिकारियों को सम्मानित करने की बात कही। कार्यालय परिसर में कोई भी कर्मी या अधिकारी परिसर में नशे करते हुए पाए जाते हैं तो उनका वेतन निकासी बंद की जाएगी। उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि जिले के किसी भी सरकारी कार्यालय परिसर में किसी भी

कर्मी या अधिकारी द्वारा नशा के विरुद्ध सख्त निर्देश जारी किया है। उन्होंने कहा है यदि कमी कार्यालय परिसर में नशा पान करते हुए पकड़े जाते हैं, तो उनके विरुद्ध वेतन निकासी पर अंतिम आदेश तक रोक रहेगा। साथ ही उन्होंने सभी कार्यालय प्रधान को नशा मुक्त से संबंधित प्रमाण पत्र प्राप्त करने का निर्देश भी दिया है। **नशीले पदार्थों जैसे गैर कानूनी गतिविधियों की जानकारी हेतु टोल फ्री नंबर 1933 एवं 112 पर जानकारी दे-** उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि इस/नशीले दवाओं की तस्करी अथवा क्रय-विक्रय, अफीम की अवैध खेती जैसे गैर कानूनी गतिविधियों की सूचना प्राप्त करने तथा इस और नशीली दवाों से संबंधित मामलों में परामर्श अथवा पुनर्वास से संबंधित सहायता के लिए मानस टोल फ्री नंबर 1933 जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त टोल फ्री संख्या 112 पर भी सूचना प्राप्त किया जा सकता है। उक्त दोनों हेल्पलाइन नंबरों का व्यापक प्रचार प्रसार करने का निर्देश जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को दिया। ताकि उक्त नंबरों के बारे में लोगों को जानकारी मिल सके। पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने बोकारो जिले को नशा मुक्त बनाने एवं युवाओं को नशे से बचाने को लेकर सभी विभागों को पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने इसके लिए गंभीरता पूर्वक कार्य करने, रोस्टर तैयार करने तथा रोस्टर के आधार पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने को भी कहा।

शीघ्र उड़ान सुनिश्चित करने को सभी कार्य आपसी समन्वय से पूरा करें : उपायुक्त

उपायुक्त ने की हवाई अड्डे से उड़ान सेवा प्रारंभ करने हेतु कार्य प्रगति की समीक्षा



बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो हवाई अड्डा परिसर में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में बोकारो हवाई अड्डा के विस्तारीकरण के संदर्भ में उड़ान सेवा शीघ्र प्रारंभ करने की कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने बोकारो हवाई अड्डा की सुरक्षा के दृष्टिकोण से दुदी बाग से अतिक्रमण हटाने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से हवाई अड्डे के आसपास में बसे दुदियाग के सभी अवैध दुकानों को हटाए। **अति शीघ्र साफ सफाई का निर्देश-** हवाई अड्डा परिसर के अंदर झाड़ियों की साफ सफाई के संदर्भ में उपायुक्त अजय नाथ झा ने अति शीघ्र साफ सफाई का आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने बीएसएल प्रबंधन को निर्देश दिया कि हवाई अड्डा परिसर में झाड़ियों की साफ सफाई करना सुनिश्चित करें ताकि हवाई अड्डा परिसर में लगे टावर

टू टावर की विजिलिबिलिटी स्पष्ट रहे। बैठक में उपायुक्त अजय नाथ झा ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि हवाई अड्डा परिसर के लिए सुरक्षा मानकों के अनुसार टू बेडडे एंबुलेंस क्रय की प्रक्रिया शीघ्र पूरा करें। पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने हवाई अड्डा की सुरक्षा के दृष्टिकोण से मानकों के अनुरूप निर्माण कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। मौके पर पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, उप महाप्रबंधक एयरपोर्ट अथॉरिटी रांची मनोज सिंह, निदेशक बिरसा मुंडा हवाई अड्डा रांची विनोद कुमार, प्रशिक्षु वन प्रमंडल पदाधिकारी संदीप शिंदे, सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद, अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, आईबी के प्रतिनिधि, बीएसएल सीजीएम टाउन कुंदन कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

गैस रिसाव पर उबाल, दो महिलाओं की मौत, आक्रोशितों ने की सड़क जाम

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के केन्दुआडीह थाना क्षेत्र में जहरीली गैस का खतरा लगातार गंभीर होता जा रहा है। गैस के प्रभाव से अब तक दो महिलाओं की मौत हो चुकी है, जिसके बाद पूरे इलाके में दहशत और तनाव फैल गया है। बीती शाम प्रियंका देवी की मौत हुई थी, वहीं आज ललिता देवी ने भी दम तोड़ दिया। हालांकि दोनों महिलाओं की मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। इन घटनाओं के विरोध गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने धनबाद-रांची मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। लोगों ने टायर जलाकर जिला प्रशासन और बीसीसीएल प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। उनका कहना है कि जब तक सुरक्षित पुनर्वास नहीं दिया जाता और जहरीली गैस के स्रोत को चिह्नित कर बंद नहीं किया जाता, तब तक जाम जारी रहेगा। वहीं लगभग 4 घंटे के बाद प्रशासन और ग्रामीणों में हुई वार्ता के बाद सड़क जाम समाप्त कर दिया गया है। स्थानीय निवासी प्रदीप कुमार ठाकुर ने बताया कि मृत महिला की तबीयत अचानक बिगड़ी और मुंह से झाग निकलने लगा। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने बताया कि मौत गैस के प्रभाव और सांस रुकने से हुई हो सकती है। उनके अनुसार अब तक लगभग 15-20 लोग बीमार हैं, और



यदि गैस रिसाव नहीं रुका तो स्थिति और बिगड़ सकती है। वहीं शेख मोहम्मद ने प्रशासन पर ठोस व्यवस्था न करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि वर्षों से सिर्फ नोटिस दिया जा रहा है, लेकिन वैकल्पिक व्यवस्था नहीं मिल रही है। पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल ने भी प्रबंधन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बीसीसीएल ने कई जगहों को असुरक्षित घोषित किया, लेकिन रहने के लिए उपयुक्त विकल्प उपलब्ध नहीं कराया। उन्होंने डीजीएमएस, सीआईएमएफआर और आईएसएम जैसे विशेषज्ञ संस्थानों की बैठक बुलाकर तत्काल समाधान निकालने की मांग की। दहशत का निकाय यह है कि कई परिवार अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थान पर चले गए हैं।

बीसीसीएल की टीम माइक से लगातार लोगों को स्थानांतरण की अपील कर रही है। गैस का असर राजपूत बस्ती, मस्जिद मोहल्ला, ऑफिसर कॉलोनी सहित करीब दस हजार आबादी वाले इलाके में महसूस किया जा रहा है। बीसीसीएल पीबी एरिया के जीएम जी. साहा ने बताया कि गैस के चपेट में लोग न आए, इसके लिए दो टेंट बनाकर लोगों को शिफ्ट किया जा रहा है। उनका कहना है कि यह इलाका अतिरिक्त प्रभावित है और वर्षों पहले इसे असुरक्षित घोषित किया गया था, लेकिन लोग यहां से हटे नहीं। उन्होंने कहा कि समस्या का स्थायी समाधान तभी संभव है, जब पहले पूरे क्षेत्र को खाली कराया जाए। पुटकी सीओ आनंद कुमार ने बताया कि डीजीएमएस की टीम मौके पर पहुंच चुकी है और गैस को

बंद करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने लोगों से सहयोग करने की अपील की, ताकि जल्द राहत मिल सके। मौत के कारण पर उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। प्रशासन लोगों की सभी मांगों को नोट कर रहा है और जल्द बैठक कर समाधान निकाला जाएगा। मौके पर स्वास्थ्य विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच चुकी है, जो इलाके के लोगों का स्वास्थ्य जांच कर उनके उचित इलाज की व्यवस्था करने में जुटी है। वहीं केन्दुआडीह थाना के प्रभारी प्रमोद पांडेय ने बताया कि अब तक गैस से 2 लोगों की मौत हो चुकी है, आगे और जान-माल का नुकसान न हो इसके लिए कार्रवाई की जा रही है, साथ ही आक्रोशित लोगों को शांत करा सड़क जाम समाप्त कर लिया गया है।

बोकारो: दोहरे हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा

व्यवसायिक रंजिश में हुई हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील सिटी के हरला थाना क्षेत्र अंतर्गत जोशी कॉलोनी में हुए बुजुर्ग दंपति की निर्मम हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। एसपी हरविंदर सिंह द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस दोहरे हत्याकांड में शामिल दो आरोपियों को

पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ कि दोनों दुकानों के बीच लंबे समय से व्यावसायिक रंजिश चल रही थी। ग्राहकों को लेकर विवाद बढ़ता गया और ओमप्रकाश इसे अपनी प्रतिष्ठा का



चिन्हित कर हत्या में प्रयुक्त महत्वपूर्ण साक्ष्य भी बरामद कर लिए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जोशी कॉलोनी निवासी ओमप्रकाश कुमार उर्फ पांडे और उसके साथी रामचंद्र कुमार उर्फ बिट्टू के रूप में हुई है। एसआईटी टीम ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया खून से सना चाकू, पीड़िता पर हमला करने में प्रयुक्त खून से सनी ईंट, अपराध के दौरान पहने गए खून से लथपथ कपड़े, तथा मृतक दंपति का दूटा हुआ की-पैड मोबाइल बरामद किया है। मृतक दंपति जोशी कॉलोनी में चायझपकोड़ी की दुकान चलाते थे और साथ ही बोकारो स्टील प्लांट के डेटाइन संचालन से भी जुड़े थे। उनके दुकान के ठीक सामने आरोपी ओमप्रकाश की भी दुकान थी।

विषय मान बैठा। घटना की रात 30 नवंबर को लगभग साढ़े सात बजे आरोपी सिगरेट लेने के बहाने दंपति के घर पहुंचे। दरवाजा खुलवाने के बाद कड़ा-सुनी शुरू हुई और इसी दौरान महिला से गाली-गलौज हुई। गुस्से में ओमप्रकाश ने पास में पड़ी ईंट से महिला पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद दोनों आरोपी घर के अंदर घुस गए और चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दंपति की हत्या कर दी। एसपी ने बताया कि अभियुक्तों ने अपराध स्वीकार कर लिया है और दोनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई तेजी से आगे बढ़ रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

डिजिटल हिंसा के खिलाफ कार्यशाला के माध्यम से महिलाओं को किया जागरूक



बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सहयोगिनी संस्था द्वारा महिला हिंसा के खिलाफ 16 दिवसीय जागरूकता अभियान के तहत आज महिलाओं के साथ बढ़ते डिजिटल हिंसा के खिलाफ एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाराडीह पंचायत की मुखिया पुष्पा देवी ने कहा कि महिलाओं के साथ हिंसा का नया प्रारूप डिजिटल रूप से बढ़ते जा रहा है। जिसे हमें मिलजुल कर रोकना होगा। सरकार को इस संबंध में विशेष कानून बनाने की जरूरत है जिससे महिलाएं सुरक्षित रह सकें। सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने कहा कि साइबर हिंसा एक गंभीर समस्या है लेकिन इससे बचा जा सकता है और इससे निपटा भी जा सकता है। हमें अपनी ऑनलाइन सुरक्षा को मजबूत करना होगा तथा अज्ञात लोगों से दूरी बनानी होगी। इसके साथ यदि किसी के साथ हिंसा होता है तो उसका रिपोर्ट भी प्रशासन के समक्ष करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत

में विशेष कानून बनाने की जरूरत है जिससे महिलाएं सुरक्षित रह सकें। सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने कहा कि साइबर हिंसा एक गंभीर समस्या है लेकिन इससे बचा जा सकता है और इससे निपटा भी जा सकता है। हमें अपनी ऑनलाइन सुरक्षा को मजबूत करना होगा तथा अज्ञात लोगों से दूरी बनानी होगी। इसके साथ यदि किसी के साथ हिंसा होता है तो उसका रिपोर्ट भी प्रशासन के समक्ष करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत

सरकार के साइबर हिंसा के खिलाफ जारी टोल फ्री नंबर 1930 का उपयोग करना होगा। साथ ही जिले में स्थापित साइबर थाना से संपर्क बनाना होगा। साइबर हिंसा के खिलाफ गहन जन जागरूकता अभियान चलाए जाने की जरूरत है। महिला थाना बोकारो निर्भया शक्ति लक्ष्मी कुमारी ने कहा कि लड़कियों महिलाओं को ऑनलाइन के माध्यम से प्रताड़ित किए जाने पर तत्काल सूचना पुलिस को दी जानी चाहिए। जिससे अपराधियों को पकड़ने में मदद मिल सकेगा। कसमर मुखिया संघ के उपाध्यक्ष चंद्रशेखर नायक ने कहा कि हमें मिलजुल कर महिलाओं की सुरक्षा तथा उनके अधिकार पर काम किया जाने की जरूरत है। महिलाएं काफ़ी आगे बढ़ रही हैं जिसे और गति दिए जाने की जरूरत है। पंचायत समिति सदस्य नाोंद कुमार ने कहा कि महिलाओं के संबंध में सरकार के द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं हैं जिसे जन जन तक पहुंचाने की जरूरत है। जिससे महिलाएं सशक्त हो सकती हैं। कार्यक्रम



का संचालन सहयोगिनी की समन्वयक कुमारी किरण ने किया। इस दौरान संस्था की सूर्यमणि देवी, लबानी घोष, नीतू कुमारी, छोटी कुमारी, सोनी कुमारी, संगीता कुमारी, रानी देवी, रोजी परवीन, आयुषी कुमारी, रेखा देवी, किरण कुमारी, अंजली कुमारी, गुलनाज खातून, अख्ती बेगम, रेशमा खातून, रिया रजवार, विद्या कुमारी, सीमा रजवार, कविता कुमारी, विकास गोस्वामी, पुष्पा देवी, सदानंद प्रजापति, गौतम सागर आदि उपस्थित थे।

डिजिटल लेन-देन बढ़ा, पर जागरूकता अब भी कम : प्रेम रंजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डिजिटल युग में जहां 82 प्रतिशत लोग डिजिटली लेन-देन का उपयोग कर रहे हैं, वहीं



मात्र 31 प्रतिशत लोग ही इससे जुड़े संभावित जोखिमों के बारे में जागरूक हैं। ऐसे में वित्तीय साक्षरता को आवश्यकता और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यह बातें भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन ने कोयला नगर में आयोजित क्षेत्र स्तरीय वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोगों को अपने वित्तीय अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए, ताकि वे अपने हित में सही निर्णय ले सकें और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि डिजिटल लेन-देन के बढ़ते उपयोग के इस दौर में बुनियादी वित्तीय

समझ हर नागरिक के लिए अनिवार्य है। प्रेम रंजन ने बताया कि जहां कई देशों में वित्तीय साक्षरता दर 50 से 60 प्रतिशत तक है, वहीं भारत में यह दर 30 प्रतिशत से भी कम है। बावजूद इसके, भारत आज डीजीपी के मामले में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए वित्तीय साक्षरता दर का बढ़ना बेहद आवश्यक है। अधिक से अधिक लोग वित्तीय रूप से जागरूक होंगे, तभी डिजिटल इंडिया की अवधारणा पूरी तरह सफल हो सकेगी।

स्वताधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.जी. कॉर्पो. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर- 31, कॉर्पोरेट कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर- 9431145665 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbtimesbihar@gmail.com